RNI No : MPHIN/2022/82783
कुल पृष्ठ : 52, मूल्य : 50 रुपए
वर्ष 01, अंक 11 मासिक पत्रिका
नवम्बर 2022

हर-हर महादेव

हमारा देश हमारा अभिमान

जानलेवा होता जा रहा है

डेंगू का डंक

डॉक्टर गोविंद सिंह जी विधानसभा मैं प्रतिपक्ष नेता द्वारा हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका को आरएनआई सर्टिफिकेट भारत सरकार के द्वारा मिलने पर दी बधाई समस्त टीम और संपादक मनोज चतुर्वेदी को।

डॉक्टर शालिनी कौशिक बरिष्ठ संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका को आरएनआई सर्टिफिकेट भारत सरकार के द्वारा मिलने पर दी बधाई समस्त टीम और संपादक मनोज चतुर्वेदी को।

अनुज कुमार रोहतकी एडीएम अशोक नगर हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका को आर एन आई सर्टिफिकेट भारत सरकार के द्वारा मिलने पर दी बधाई समस्त टीम और संपादक मनोज चतुर्वेदी को

प्रदीप शर्मा एसडीएम ग्वालियर हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका को आरएनआई सर्टिफिकेट भारत सरकार के द्वारा मिलने पर दी बधाई समस्त टीम और संपादक मनोज चतुर्वेदी को

शिवदयाल धाकड़ तहसीलदार बहोड़ापुर ने हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका को आर एन आई सर्टिफिकेट भारत सरकार के द्वारा मिलने पर दी बधाई समस्त टीम और संपादक मनोज चतुर्वेदी को

सुरेश शर्मा सलाहकार हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका को आरएनआई सर्टिफिकेट भारत सरकार के द्वारा मिलने पर दी बधाई समस्त टीम और संपादक मनोज चतुर्वेदी को।

अनिल जैन संरक्षक हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका के द्वारा हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका को आर एन आई सर्टिफिकेट भारत सरकार के द्वारा मिलने पर दी बधाई समस्त टीम और संपादक मनोज चतुर्वेदी को

एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय सुप्रीम कोर्ट , बनी हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका की कानूनी सलाहकार एवं संरक्षक, संरक्षक एवं कानूनी सलाहकार बनने पर समस्त टीम ने दी बधाई।

हमारा देश
हमाराअभिमान
नवम्बर 2022

वरिष्ठ संरक्षक मंडल

- अनन्त श्री विभूषित श्रीमद जगद्गुरु श्री राम स्वरूपचार्य जी महाराज कामदगिरि पीठाधीश्वर चित्रकूट धाम
- श्री महामंडलेश्वर रामप्रिय दास
- श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर अनिरुद वन जी, श्री धूमेस्वर धाम
- श्री डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
- डॉ. श्रीमती शालिनी कौशिक
- श्री नागेंद्रनाथ सुरेंद्र नाथ चौबे

संरक्षक मंडल

- श्री लोकेश चतुर्वेदी
- श्री डॉ. दिनेश उपाध्याय
- श्री अरविंद जैन
- श्री पी.के. शर्मा
- श्री एस.डी. धाकड़
- श्री अरुण कांत शर्मा
- श्री महेश पुरोहित
- श्री विनोद भारद्वाज, अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट,
- श्री मनोज भारद्वाज
- श्री अनिल जैन
- श्री निर्मल वासवानी
- श्री विद्याभूषण शर्मा
- श्रीमती अर्चना बाजपेयी
- एडवोकेट श्रीमती रिचा पांडेय (सुप्रीम कोर्ट)
- श्री के.एल.दलवानी
- श्री आर .के.सगर
- श्री जे.आर.कुबेर
- श्री ए. के.पल्लव
- श्री बी.के श्रीवास्तव
- श्री डी के शुक्ला

संपादक : मनोज चतुर्वेदी

पंकज दीक्षित
प्रमुख परामर्शदाता

विशेष संवाददाता
• रवि परिहार • रविकांत शर्मा

कानूनी सलाहकार
• एडवोकेट अनिल शुक्ला शासकीय अधिवक्ता ग्वालियर हाईकोर्ट
• एडवोकेट श्याम पाठक ग्वालियर हाई कोर्ट

ब्यूरो : अविनाश (उज्जैन संभाग)
छिंदवाड़ा ब्यूरो : जितेंद्र चौरे
मुम्बई ब्यूरो (महाराष्ट्र)
सचिंदर शर्मा (फ़िल्म डायरेक्टर)

सलाहकार

- डॉ श्री. सुनील शर्मा, नेत्र रोग विशेषज्ञ
- श्री डॉ. मुकेश चतुर्वेदी
- डॉ. श्री दिनेश प्रसाद (हड्डी रोग सर्जन)
- श्री अनिल दुबे
- श्री विकास चतुर्वेदी
- श्री सुरेश शर्मा
- श्री नारायणदास गुप्ता
- श्री पीयूष श्रीवास्तव,
- पंडित श्री चंद्रशेखर शास्त्री
- श्री बृज मोहन आर्य
- श्री विवेक शर्मा
- श्री अशोक कुमार वर्मा
- श्री आनंद कुमार
- श्रीमती आर.मुदगल
- श्री कुंज बिहारी शर्मा
- सुश्री पूजा मावई

ब्यूरो राजस्थान
सुभाष सोरल (फ़िल्म निर्माता) कोटा

ब्रजेश जैन साक्षात्कार व्यवस्थापक और विज्ञापन संवाददाता इंदौर

संवाददाता : संदीप पाटिल, इंदौर
मार्केटिंग प्रमुख : शैलेन्द्र जैन
मार्केटिंग मैनेजर
• सुनील • हरशूल

डिजाइन : मनोज पंवार

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक मनोज कुमार चतुर्वेदी द्वारा कंचन ऑफसेट डी-1/63, सेक्टर-4, विनय नगर ग्वालियर- फोन नं. 0751-2481433, (म. प्र.) से मुद्रित एवं शिव कॉलोनी गली नं. 4 , रेलवे स्टेशन के पीछे, तहसील डबरा, जिला ग्वालियर, (मध्यप्रदेश) प्रकाशित। संपादक-मनोज कुमार चतुर्वेदी ।
(सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र ग्वालियर रहेगा।)

विवरणिका

संपादकीय	02
शुभाशीष	03
कवर स्टोरी	04-05
कवर स्टोरी	06
देश	07
राजस्थान	08-09
हमारा ग्वालियर	10-11
प्रदेश	13
हमारा ग्वालियर	14-15
हमारा ग्वालियर	16-17
हमारा ग्वालियर	18-19
देश	21
देश	22-23
हमारा ग्वालियर	24-25
देश	26
प्रदेश	27
देश	28-29
देश	30-31
इन्दौर	32
देश	33
विदेश	36-37
महिला	38

48

25 की उम्र में जाह्नवी कपूर ने खरीदा करोड़ों का घर

संपादकीय

लव जिहाद... अनेक युवतियां नारकीय जीवन जी रही...

यह बेहद दुख की बात है कि देश में लव जिहाद की घटनाओं में कमी नहीं आ रही है। लव जिहाद में फंस कर कई लड़कियां अपनी जान गंवा चुकी हैं तो अनेक युवतियां नरकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। यह सब तब हो रहा है जबकि लव जिहाद के खिलाफ सख्त कानून बनाए जा चुके हैं। कड़ी सजा का प्रावधान है। लव जिहाद की घटनाएं काफी हद तक धर्म और धर्मांतरण से भी जुड़ी है। लव जिहाद का एंगिल सीधे तौर पर हिन्दू युवतियों और मुस्लिम युवाओं से जुड़ा मसला बनता जा रहा है। जहां मुस्लिम युवक अपना धर्म और नाम छिपाकर हिन्दू युवतियों को अपने प्रेम जाल में फंसाकर धर्मांतरण को बढ़ावा देने का कृत्य करते हैं। प्यार ऐसा 'रोग' होता है जिसे युवक-युवतियां जमाने से छिपाकर करती हैं। बस इसी बात का फायदा लव जिहादी उठाते हैं। ऐसे में यह जरुरी है कि लव जिहाद के खिलाफ कानून तो अपना काम करे ही, हम सबको भी अपनी किशोर उम्र की बेटियों को समय-समय पर लव जिहादियों के मंसूबों और लव जिहादी इस कृत्य को कैसे अंजाम देते हैं, इसके प्रति जागरुक करते रहता चाहिए। बेटियों से खुलकर बात करनी चाहिए। वह लव जिहादियों के द्वारा नहीं छली जाएं इसके लिए माँ-बाप को उनके दोस्त बनकर रहना चाहिए जिससे वह कोई बात माँ-बाप या घर वालों से कोई बात नहीं छिपाएं। लव जिहाद की गंभीरता का अंदाजा सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी से लगाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने जबरन धर्मांतरण को 'बहुत गंभीर' मुद्दा करार देते हुए 14 नवंबर 2022 को केंद्र से कहा कि वह इसे रोकने के लिए कदम उठाए और इस दिशा में गंभीर प्रयास करे।

मनोज चतुर्वेदी
संपादक

शुभाशीष

बढ़ती आबादी... बढ़ सकती है भूखमरी की समस्या...

भारत में बढ़ती आबादी के बढ़ते खतरों को इसी से बखूबी समझा जा सकता है कि दुनिया की कुल आबादी का करीब छठा हिस्सा विश्व के महज ढाई फीसदी भूभाग पर ही रहने को अभिशप्त है। जाहिर है कि किसी भी देश की जनसंख्या तेज गति से बढ़ेगी तो वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी उसी के अनुरुप बढ़ता जाएगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो आज दुनियाभर में करीब एक अरब लोग भुखमरी के शिकार हैं और अगर वैश्विक आबादी बढ़ती रही तो भुखमरी की समस्या बहुत बड़ी वैश्विक समस्या बन जाएगी, जिससे निपटना इतना आसान नहीं होगा। बढ़ती आबादी के कारण ही दुनियाभर में तेल, प्राकृतिक गैसों, कोयला इत्यादि ऊर्जा के संसाधनों पर दबाव अत्यधिक बढ़ गया है, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। जिस अनुपात में भारत में आबादी बढ़ रही है, उस अनुपात में उसके लिए भोजन, पानी, स्वास्थ्य, चिकित्सा इत्यादि सुविधाओं की व्यवस्था करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है। आर्थिक असमानता की बढ़ती खाई भी बढ़ती आबादी के इस दौर में बड़ी चुनौती बनकर उभरकर रही है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस का भी इस संबंध में मानना है कि यदि दुनिया धनाढ़यों और वंचितों के बीच की खाई को खत्म नहीं करेगी तो यह आबादी, तनाव, संकट और संघर्षों से भरी रहेगी। इस समय चीन की आबादी दुनिया में सर्वाधिक 1.426 अरब है और उसके बाद भारत की आबादी 1.412 अरब है। संयुक्त राष्ट्र का मानना है कि 2050 तक भारत की आबादी 1.668 अरब हो जाएगी जबकि चीन की आबादी उस समय 1.317 अरब रहने का अनुमान है।

डॉ. श्रीमन नारायण मिश्रा
संरक्षक

डेंगू के बढ़ते मामले स्वास्थ्य विभाग के लिए देश के अनेक हिस्सों में चिंता का सबब...

जानलेवा होता जा रहा है डेंगू का डंक

सावधानी बरतेंगे तभी बचे रहेंगे

अब हर साल इसी प्रकार डेंगू का कहर देखा जाने लगा है, हजारों लोग डेंगू से पीड़ित होकर अस्पतालों में भर्ती होते हैं, जिनमें से सैंकड़ों लोग डेंगू के शिकार होकर मौत के मुंह में समा जाते हैं। प्रतिवर्ष मानसून के बाद देशभर में डेंगू के कई हजार मामले सामने आते हैं।

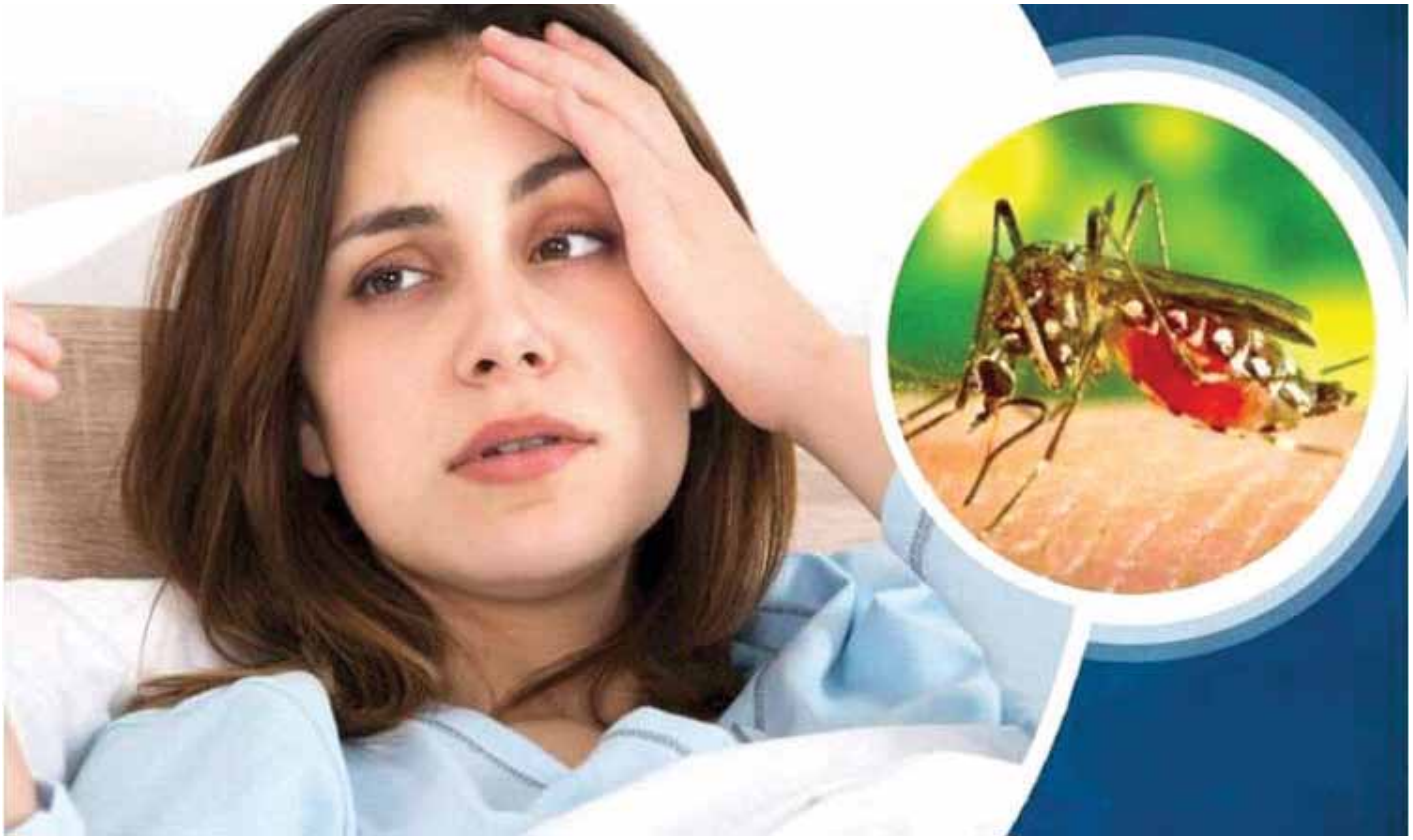

डेंगू के लगातार बढ़ते मामले स्वास्थ्य विभाग के लिए देश के अनेक हिस्सों में गंभीर चिंता का सबब बन रहे हैं। कई जगहों से डेंगू के कारण लोगों की जान जाने की खबरें भी निरन्तर आ रही हैं। उत्तर प्रदेश हो या उत्तराखण्ड, पंजाब हो या हरियाणा, दिल्ली हो या राजस्थान, बिहार हो या झारखण्ड, हर राज्य में डेंगू का डंक कहर बरपा रहा है। अस्पतालों में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ने से सोशल मीडिया पर प्लेटलेट्स की मांग वाले संदेशों की संख्या काफी बढ़ गई है। दरअसल डेंगू होने पर मरीज की प्लेटलेट्स काफी कम हो जाती है और प्लेटलेट्स बहुत ज्यादा कम होने पर मरीज की जान को खतरा हो सकता है। दिल्ली में तो डेंगू के मरीजों की संख्या पिछले साल के मुकाबले सारे रिकॉर्ड तोड़ रही है।

दिल्ली नगर निगम के मुताबिक दिल्ली में सितंबर महीने में डेंगू के 693 दर्ज किए गए जबकि अक्तूबर महीने में एक हजार से भी मामले सामने आए हैं, जो 2017 के बाद सर्वाधिक हैं। दिल्ली में अब तक डेंगू के 2200 से भी ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं और साथ ही मलेरिया के मामले भी बढ़ रहे हैं। कमोवेश देश के कई अन्य इलाकों का भी यही हाल है। डेंगू का प्रकोप पहले के मुकाबले और भी भयावह इसलिए होता जा रहा है क्योंकि अब डेंगू के कई ऐसे मरीज भी देखे जाने लगे हैं, जिनमें डेंगू के अलावा मलेरिया के भी लक्षण होते हैं और दोनों बीमारियों के एक साथ धावा बोलने से कुछ मामलों में स्थिति काफी खतरनाक हो जाती है।

अब हर साल इसी प्रकार डेंगू का कहर देखा जाने लगा है, हजारों लोग डेंगू से पीड़ित होकर अस्पतालों में भर्ती होते हैं, जिनमें से सैंकड़ों लोग डेंगू के शिकार होकर मौत के मुंह में समा जाते हैं। प्रतिवर्ष मानसून के बाद देशभर में डेंगू के कई हजार मामले सामने आते हैं। डेंगू की दस्तक के बाद डॉक्टरों व प्रशासन द्वारा आम जनता को कुछ हिदायतें दी जाती हैं लेकिन डॉक्टर व प्रशासन इस मामले में खुद कितने लापरवाह रहे हैं, इसका उदाहरण डेंगू फैलने के बाद भी कमोवेश सभी राज्यों में जगह-जगह पर फैले कचरे और गंदगी के ढ़ेर तथा विभिन्न अस्पतालों में सही तरीके से साफ-सफाई न होने और अस्पतालों में भी मच्छरों का प्रकोप हर साल देखकर स्पष्ट रूप से मिलता रहा है। प्रशासनिक लापरवाही का आलम यही रहता है कि ऐसी कोई बीमारी फैलने के बाद एक-दूसरे पर दोषारोपण कर जिम्मेदारी से बचने की होड़ दिखाई देती है। वैसे डेंगू की दस्तक तो हर साल सुनाई पड़ती है किन्तु हर तीन-चार वर्ष के अंतराल पर डेंगू एक महामारी के रूप में उभरकर सामने आता है और तभी हमारी सरकारें तथा स्थानीय प्रशासन कुम्भकर्णी नींद से जागते हैं।

बीमारी कोई भी हो, उसके उपचार से बेहतर उससे बचाव ही होता है और डेंगू के मामले में तो बचाव ही सबसे बड़ा हथियार माना गया है। आपके घर या आसपास के क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप न हो, इसके लिए जरूरी है कि मच्छरों के उन्मूलन का विशेष प्रयास हो। डेंगू के लक्षण उभरने पर तुरंत योग्य चिकित्सक की सलाह अवश्य लें। डेंगू हो जाने पर रोगी को पौष्टिक और संतुलित आहार देते रहना बेहद जरूरी है। डेंगू होने पर तुलसी का उपयोग बेहद लाभकरी है। आठ-दस तुलसी के पत्तों का रस शहद के साथ मिलाकर लें या तुलसी के 10-15 पत्तों को एक गिलास पानी में उबाल लें और जब पानी आधा रह जाए, तब पी लें। नारियल पानी पीएं, जिसमें काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स होते हैं, साथ ही यह मिनरल्स का भी अच्छा स्रोत है, जो शरीर में ब्लड सेल्स की कमी को पूरा करने में मदद करते हैं। विटामिन सी शरीर के इम्यून सिस्टम को सही रखने में मददगार होता है। इसलिए आंवला, संतरा, मौसमी जैसे विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करें। बुखार होने पर पैरासिटामोल का इस्तेमाल करें और ध्यान रखें कि बुखार किसी भी हालत में ज्यादा न बढ़ने पाए लेकिन ऐसे मरीजों को एस्प्रिन, ब्रूफिन इत्यादि दर्दनाशक दवाएं बिल्कुल न दें क्योंकि इनका विपरीत प्रभाव हो सकता है।

मानसून के बाद ही डेंगू के ज्यादा मामले देखने को मिलते हैं

डेंगू बुखार एक वायरल संक्रमण है, जो हमारे घरों के आसपास खड़े पानी में ही पनपने वाले ऐडीस मच्छर के काटने से होता है। यह काले रंग का स्पॉटेड मच्छर होता है, जो प्रायः दिन में ही काटता है। डेंगू का वायरस शरीर में प्रविष्ट होने के बाद सीधे शरीर के प्रतिरोधी तंत्र पर हमला करता है। इस मच्छर का सफाया करके ही इस बीमारी से पूरी तरह से बचा जा सकता है। प्रायः मानसून के बाद ही डेंगू के ज्यादा मामले देखने को मिलते हैं। डेंगू प्रायः दो से पांच दिनों के भीतर गंभीर रुप धारण कर लेता है। ऐसी स्थिति में प्रभावित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो सकता है और रोगी समझने लगता है कि वह ठीक हो गया है लेकिन वास्तव में ऐसा होता नहीं है बल्कि यह स्थिति और भी खतरनाक होती है। अतः बेहद जरुरी है कि आपको पता हो कि डेंगू बुखार होने पर शरीर में क्या प्रमुख लक्षण उभरते हैं। डेंगू के अधिकांश लक्षण मलेरिया से मिलते-जुलते होते हैं लेकिन कुछ लक्षण अलग भी होते हैं। तेज बुखार, गले में खराश, ठंड लगना, बहुत तेज सिरदर्द, थकावट, कमर व आंखों की पुतलियों में दर्द, मसूड़ों, नाक, गुदा व मूत्र नलिका से खून आना, मितली व उल्टी आना, मांसपेशियों व जोड़ों में असहनीय दर्द, हीमोग्लोबिन के स्तर में वृद्धि, शरीर पर लाल चकते (खासकर छाती पर लाल-लाल दाने उभर आना), रक्त प्लेटलेट (बिम्बाणुओं) की संख्या में भारी गिरावट इत्यादि डेंगू के प्रमुख लक्षण हैं। - साभार

डेंगू की रोकथाम के लिए निगरानी बढ़ाएं, हर मरीज को जरूरी उपचार मिले : योगी

उत्तर प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां जारी एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ने गोरखपुर जाने से पहले यहां पांच अपने सरकारी आवास पर डेंगू की रोकथाम पर एक समीक्षा बैठक की...

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डेंगू के मामलों को देखते हुए शनिवार को नोडल अधिकारियों को निगरानी बढ़ाने और रोकथाम की व्यवस्था की समीक्षा के लिए दोबारा क्षेत्र में जाने के निर्देश दिए। योगी ने इस बात पर जोर दिया है कि अस्पताल में पहुंचने वाले हर मरीज का हर हाल में जरूरी इलाज हो। उत्तर प्रदेश सरकार के एक प्रवक्ता ने यहां जारी एक बयान में कहा कि मुख्यमंत्री ने गोरखपुर जाने से पहले शनिवार को यहां पांच अपने सरकारी आवास पर डेंगू की रोकथाम पर एक समीक्षा बैठक की। प्रवक्ता के अनुसार बैठक में योगी ने कहा कि डेंगू के प्रसार पर प्रभावी नियंत्रण बनाये रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं, निगरानी गतिविधियां बढ़ाई जाए और सभी नगर निगमों एवं स्थानीय निकायों द्वारा साफ-सफाई, फॉगिंग, लार्वा रोधी छिड़काव के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि डेंगू मरीजों के लिए मिशन मोड में डॉक्टरों एवं दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जाए। उनका कहना था कि यह सुनिश्चित किया जाए कि अस्पताल में पहुंचने वाले प्रत्येक मरीज का हर हाल में इलाज हो।

क्लासिकल डेंगू फीवर के सामान्य लक्षण है

तेज बुखार, तेज बदन दर्द, सिर दर्द, खास तौर पर आंखों के पीछे दर्द, शरीर पर लाल दाने, उल्टी आना, क्लासिकल डेंगू फीवर के सामान्य लक्षण हैं। डेंगू हेमोरेजिक फीवर के मुख्य लक्षण लगातार पेट दर्द होना,नाक मुंह, मसूड़ों से या किसी और अंग से खून का रिसाव होना, त्वचा से लाल लाल दाने निकलना, लगातार उल्टी होना, उल्टी में खून आना, मल में खून जाना, बहुत प्यास लगना और हाथ-पैरों का ठंडा पड़ना।

यह आजमाएं...

बकरी का दूधः बकरी का दूध विटामिन और खनिजों से भरपूर होता है। जो बीमारियों से लड़ने में काफी कारगर है। बकरी का दूध बी6, बी12, विटामिन डी, फोलिक एसिड और प्रोटीन से भरपूर होता है। तो यह शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यही कारण है कि बकरी का दूध खतरनाक बीमारियों से लड़ने में इतना कारगर होता है।

गुड़ का रसः डेंगू बुखार में प्लेटलेट काउंट बढ़ाने के लिए गुड़ का जूस सबसे अच्छा तरीका है। गुड़ का जूस पीने से प्लेटलेट्स आसानी से बढ़ सकते हैं। आपको जानकर हैरानी होगी कि डेंगू में गुड़ का जूस दवा से ज्यादा फायदेमंद होता है और मरीज जल्दी ठीक हो जाता है।

डेंगू से बचाव के लिए ली जाने वाली यह सावधानियां

भारत में हर साल डेंगू के मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है और इनमें से कुछ की तो मृत्यु तक हो जाती है। डेंगू के बुखार को हड्डी तोड़ बुखार के नाम से भी जाना जाता है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक होता है। मच्छर के द्वारा संचारित होने वाला यह बुखार कभी-कभी घातक भी सिद्ध होता है। इसके तीव्र लक्षण कभी-कभी कुछ समय बाद देखे या महसूस किए जाते हैं, हालांकि यदि इनकी समय पर पहचान कर ली जाये तब इससे बचाव या उपचार करने में मदद भी मिल सकती है। अक्सर डेंगू के लक्षण सामान्य फ्लू या वायरल बुखार से मिलते जुलते लगते हैं, इसलिए निम्न लक्षणों के आधार पर इनकी पहचान कर ली जानी चाहिए और सही पहचान के लिए तुरंत एक ब्लड टेस्ट करवा लेना चाहिए : मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, शरीर पर पड़ने वाले लाल निशान जो थोड़े समय बाद ठीक होने के बाद पुनः वापस भी आ जाते हैं। तेज बुखार, बहुत तेज़ सिर दर्द, आँखों के पीछे दर्द, उल्टी आना और चक्कर महसूस होना यदि आप इनमें से कोई भी लक्षण महसूस करते हैं तब तुरंत सलाह के लिए डॉक्टर के पास जाएँ और आवश्यक इलाज शुरू करवा दें। केवल एक अच्छा डॉक्टर ही डेंगू से बचाव के हेल्दी उपाय के बारे में आपको बता सकता है। जैसे कहा भी कहा गया है कि उपाय की तुलना में बचाव अधिक अच्छा होता है, तो आइये देखते हैं कि कैसे डेंगू इन्फेक्शन से बचा जा सकता है और इस बीमारी से बचाव करते हुए एक हेल्दी लाइफस्टाल को जिया जा सकता है। अपने रहने की जगह और उसके आस पास के इलाकों में सम्पूर्ण स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए। अपने आसपास की जगहों को साफ करके रखने से आप मच्छरों को सरलता से दूर रख सकते हैं। किसी जगह पर रुके हुए पानी में मच्छर पनप सकते हैं और इसी से डेंगू भी फैल सकता है। जिन बर्तनों का लंबे समय तक इस्तेमाल नहीं होना हो उनमें रखे हुए पानी को नियमित रूप से बदलते रहें । गमलों के पानी को हर हफ्ते बदलते रहें। मेनहोल, सेप्टिक टैंक, रुकी हुई नालियाँ और कुएं आदि जगहों को नियमित रूप से चेक करते रहें। मच्छरों से बचाव के लिए सबसे पहले तो जब भी आप घर से बाहर जाएँ मच्छर से बचाव वाली क्रीम का उपयोग करें और सोने से पहले मच्छरदानी को अच्छी तरह से सेट कर लें। यदि आप यहाँ बताए गए किसी भी लक्षण को देखते हैं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और बताए गए उपचार का निर्देशानुसार पालन करें।

'जन गण मन, वंदे मातरम' का है समान दर्जा

केंद्र सरकार ने हाईकोर्ट से कहा- करना चाहिए बराबर सम्मान...

दिल्ली उच्च न्यायालय ने जनहित याचिका पर गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, कानून और न्याय मंत्रालय और अन्य से जवाब मांगा था। केंद्र सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि 'जन गण मन' और 'वंदे मातरम' दोनों एक ही स्तर पर हैं और देश के प्रत्येक नागरिक को दोनों के प्रति समान सम्मान दिखाना चाहिए।

केंद्र सरकार ने दिल्ली उच्च न्यायालय को सूचित किया कि 'जन गण मन' और 'वंदे मातरम' दोनों एक ही स्तर पर हैं और देश के प्रत्येक नागरिक को दोनों के प्रति समान सम्मान दिखाना चाहिए। केंद्र सरकार ने दिल्ली हाई कोर्ट में दाखिल एक जनहित याचिका पर जवाब देते हुए कही है। जिसमें राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत के बीच उपचार की समानता के लिए प्रार्थना की गई है और साथ ही राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' को समान सम्मान और दर्जा देने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने के लिए प्रार्थना की गई है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने जनहित याचिका पर गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय, कानून और न्याय मंत्रालय और अन्य से जवाब मांगा था।

याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने की भी मांग की गई है कि प्रत्येक कार्य दिवस पर सभी स्कूलों और शैक्षणिक

संस्थानों में 'जन-गण-मन' और 'वंदे मातरम' बजाया और गाया जाए और साथ ही दिशा-निर्देश तैयार करें। 24 जनवरी 1950 को संविधान सभा का प्रस्ताव, मद्रास उच्च न्यायालय और भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा पारित निर्णय के साथ पढ़ा गया। याचिकाकर्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय, वकील और भाजपा नेता ने कहा कि भारत राज्यों का एक संघ है और राज्यों का संघ या परिसंघ नहीं है। एक ही राष्ट्रीयता है यानी भारतीय और 'वंदे मातरम' का सम्मान करना हर भारतीय का कर्तव्य है। 'देश को एकजुट रखने के लिए, जन गण मन और वंदे मातरम को बढ़ावा देने के लिए एक राष्ट्रीय नीति तैयार करना सरकार का कर्तव्य है। ऐसा कोई कारण नहीं है कि इसे किसी अन्य भावना को जगाना चाहिए क्योंकि दोनों संविधान निर्माताओं द्वारा तय किए गए हैं ।

डिजिटल मीडिया को जिम्मेदारी से निभानी चाहिए अपनी भूमिका - रीता बहुगुणा

डिजिटल मीडिया आज के समय का अहम पहलू है। मीडिया की भी चौथे स्तंभ के तौर पर अहम भूमिका होती है। आजादी से पहले भी समाचार पत्र निकलते थे, जिनकी मदद से राष्ट्र के विषयों को आगे बढ़ाया गया। मीडिया की भूमिका लोकतंत्र में सबसे ऊपर है। स्वतंत्र भारत में भी प्रिंट मीडिया ने वर्षों तक अपनी भूमिका निभाई।

प्रभासाक्षी न्यूज नेटवर्क की 21वीं वर्षगाँठ पर आयोजित विचार मंथन कार्यक्रम की परिचर्चा का विषय है आजादी के अमृत काल में संसदीय लोकतंत्र को मजबूत करने में डिजिटल मीडिया की भूमिका। लोकतंत्र की जननी भारत की लोकतांत्रिक मर्यादाओं की पूरी दुनिया में सराहना होती है। भारत और भारतीय परम्पराओं की महानता अनंत काल तक कायम रहे इसके लिए निश्चित रूप से सबका साथ और सबका प्रयास जरूरी है। डिजिटल होते इंडिया में डिजिटल मीडिया का विस्तार तो तेजी से हुआ है लेकिन फेक न्यूज जैसी बुराई ने भी उसी तेजी से पांव पसारे हैं। एक फेक न्यूज उस अफवाह के समान है जोकि माहौल बिगाड़ने

की ताकत रखती है। इसलिए डिजिटल मीडिया को क्या सावधानियां बरतनी होंगी और कैसे लोकतांत्रिक परम्पराओं को मजबूत करने में डिजिटल मीडिया अपनी भूमिका निभा सकता है। इस विषय पर प्रयागराज संसदीय क्षेत्र की सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने अपने विचार व्यक्त किए। हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी ने भी फेक न्यूज की समस्या को चिन्हित किया था और इसपर चिंता व्यक्त की थी। इस मुद्दे पर रीता बहुगुणा जोशी ने कहा कि हमारे लोकतंत्र में विश्व के सभी संविधानों की महत्वपूर्ण बातों का समावेश किया गया है। मीडिया की भी चौथे स्तंभ के तौर पर अहम भूमिका होती है। इतिहास के पन्नों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी से पूर्व भी प्रिंट मीडिया की भूमिका अहम रही थी। आजादी से पहले भी समाचार पत्र निकलते थे, जिनकी मदद से राष्ट्र के विषयों को आगे बढ़ाया गया।

लोकतांत्रिक ढ़ाचे में पत्रकारिता की भूमिका अहम : मुख्यमंत्री

महात्मा गांधी के विचार आज भी प्रासंगिक, कोरोना महामारी में हुआ राज्य में शानदार प्रबंधन

श्री गहलोत ने कहा कि विविधताओं से परिपूर्ण हमारे देश में अभिव्यक्ति की आजादी का स्थान महत्वपूर्ण है। असहमति जताने के अधिकार को संरक्षित करने से ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तथ्यात्मक आलोचना का हमेंशा स्वागत किया है। परन्तु वर्तमान राजनैतिक परिस्थितियों में अभिव्यक्ति का अधिकार लगातार कमजोर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि समाचार पत्र निकालना तथा समाचारों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता बनाए रखना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। कोविड महामारी के दौरान समाचार पत्रों के प्रकाशन में कई नई चुनौतियां आई। सरकार द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों को सकारात्मक रूप में जनता तक पहुंचाने में समाचार पत्रों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

मुख्यमंत्री रविवार को जोधपुर में दैनिक जलतेदीप तथा मासिक माणक पत्रिका के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित माणक अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। श्री गहलोत ने कहा कि राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने के लिए किए जा रहे प्रयासों में समाचार पत्रों का अहम योगदान है। राज्य सरकार द्वारा राजस्थानी भाषा को आठवीं अनुसूची में शामिल करवाने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। केन्द्र सरकार के नकारात्मक रवैये के कारण अभी तक राजस्थानी भाषा को मान्यता नहीं मिल सकी है। जल्द ही राजस्थानी भाषा को मान्यता दिलाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए एक बैठक आयोजित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के चुनौतीपूर्ण समय में गांधी जी के विचार अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। महात्मा गांधी के नाम से पूरे विश्व में भारत की एक अलग पहचान बनी है। गांधी दर्शन से जुड़े आयोजनों में भाग लेने से युवा पीढ़ी में अहिंसावादी संस्कार मजबूत होते हैं तथा उत्कृष्ट मानव संसाधन का निर्माण होता है। श्री गहलोत ने कहा कि उन्हें आमजन की सेवा करने की प्रेरणा गांधी दर्शन से ही मिली। गांधी जी के विचारों ने देश के स्वतंत्रता आंदोलन को प्रेरित किया। पूर्ववर्ती केन्द्र सरकार द्वारा संयुक्त राष्ट्र संघ में प्रस्ताव पारित करवाकर गांधी जी के जन्मदिवस 2 अक्टूबर को पूरे विश्व में अहिंसा दिवस घोषित करवाया गया। राज्य सरकार द्वारा जनमानस में गांधीवादी विचारधारा का समावेश करने के लिए सत्य और अहिंसा विभाग की स्थापना की गई है।

श्री गहलोत ने कहा कि विविधताओं से परिपूर्ण हमारे देश में अभिव्यक्ति की आजादी का स्थान महत्वपूर्ण है। असहमति जताने के अधिकार को संरक्षित करने से ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने तथ्यात्मक आलोचना का हमेंशा स्वागत किया है। परन्तु वर्तमान राजनैतिक परिस्थितियों में अभिव्यक्ति का अधिकार लगातार कमजोर किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी में राज्य में शानदार प्रबंधन किया गया। यहां के भीलवाड़ा मॉडल की देशभर में सराहना हुई। राज्य सरकार ने कोरोना महामारी में ड्यूटी करते हुए प्राण गंवाने वाले स्वास्थ्य-कर्मियों के साथ-साथ सभी कर्मचारियों व पत्रकारों को भी 50 लाख रूपए का बीमा देने का निर्णय किया। कोई भूखा ना सोए के संकल्प के साथ राज्य में सभी जरूरतमंद लोगों के लिए भोजन का प्रबंध किया गया। प्रदेश में सर्वेक्षण के माध्यम से 35 लाख अति निर्धन लोगों की पहचान कर उनके निर्वहन की व्यवस्था राज्य सरकार द्वारा की गई। राज्य सरकार द्वारा कोविड महामारी में महंगे इंजेक्शन व दवाइयां आमजन को निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई। ऑक्सीजन की कमी से राज्य में कोई जनहानि नहीं हुई। रोज कमाकर खाने वाले मजदूरों, ठेले वालों आदि को राज्य सरकार द्वारा 5500 रूपए की आर्थिक सहायता दी गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की आज पूरे देश में चर्चा है। चिरंजीवी योजना के माध्यम से आमजन को महंगे इलाज की चिंता से मुक्ति मिली है। इस योजना के तहत प्रदेशवासियों के लिए 10 लाख तक का इलाज निःशुल्क कर दिया गया है।

लीवर ट्रांस्प्लांट, किडनी ट्रांस्प्लांट, कोक्लियर इम्प्लांट आदि जटिल उपचारों में 10 लाख की सीमा समाप्त कर दी गई है। प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा नागरिकों को सामाजिक सुरक्षा से जोडने के क्रम में 1 करोड़ से अधिक लोगों को पेंशन दी जा रही है। इन्दिरा रसोई योजना में 8 रूपए में आमजन को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य सरकार के कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित करने के लिए पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू किया गया है, साथ ही उन्हें कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए आरजीएचएस योजना शुरू की गई है।

बूंदी महोत्सव में दिखे लोक संस्कृति के रंग

कलाकारों ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां हाड़ौती की मीठी मनुहार से अभिभूत हुए पावणे

लोक कलाकारों के साथ जमकर थिरके विदेशी मेहमान

बूंदी महोत्सव के दूसरे दिन भी विविध मनोहारी कार्यक्रमों आयोजित किये गए। सुखमहल में सुरम्य प्राकृतिक छटा के बीच देशी-विदेशी पावणों की देशी व्यंजनों से मनुहार की गई। इस अवसर पर नगर परिषद सभापति मधु नुवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री करतार सिंह, उपखण्ड अधिकारी श्री सोहनलाल सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों एवं गणमान्य नागरिकों ने मेहमानों की खातिरदारी करते हुए उन्हें हाड़ौती के पसंदीदा व्यंजन कत्त बाफले से सत्कार किया।

कार्यक्रम में पावणों को रोली अक्षत का टीका लगाकर, रक्षा सूत्रा और साफा बाध कर स्वागत किया गया। तिलक किया। वही विदेशी महिलाओं को चूड़िया पहना कर और हाथो में मेंहदी लगाई गई। विदेशी मेहमान इस मान मनुहार से बहुत अभिभूत नजर आए और इस आयोजन को सराहते रहे। कार्यक्रम में लोक कलाकारों ने कच्छी घोड़ी नृत्य और अन्य नृत्य गीतों से समा बांधा दिया। साथ ही विदेशी सैलानी लोक कलाकारों के साथ थिरकते दिखे। कुंभ स्टेडियम परिसर में आयोजित बूंदी उद्योग एवं हस्तशिल्प मेला परिसर में सजाया गए शिल्पग्राम में ग्रामीण अंचल की झलक दिखने को मिल रही है। इंटेक संयोजक राजकुमार दाधीच के निर्देशन में संस्कृति संस्था की महिला सदस्यों की ओर से तैयार किए गए शिल्पग्राम को महिलाओं ने पूरी तरह ग्रामीण परिवेश में ढाला है। शिल्पग्राम में मांडने, परिंडा, चूल्हा, चौकी, कुएं से पानी खींचते बैल, चॉक, भैरू जी व माता जी का थानक, लोक देवता, घांस भैरू आदि से सजा कर ठेठ ग्रामीण अंचल की झलक दी गई है। शिल्पग्राम मंच पर आगामी 20 नवंबर तक प्रतिदिन विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे।

ऐतिहासिक 84 खंभों की छतरी पर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ वीर कुंभा पर नाट्य मंचन से हुआ। यहां श्री भरतमुनि नाट्य मण्डल के कलाकारों ने वीर कुंभा के बलिदान और शौर्य का बेहतरीन नाट्य मंचन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उदयपुर की हंजा देवी ने तेरहताली नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। वहीं पंजाब के रूपीन्द्र सिंह के भांगडा, जिंदा ने दर्शकों को जोश से भर दिया। बारां के छबडा के रूप सिंह दल ने पारंपरिक गीतों के साथ चकरी लोक नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी। जम्मू कश्मीर के मुश्ताक अहमद शाह के धमाल और हरियाणा के नरेश कुमार द्वारा प्रस्तुत घूमर-फाग ने दर्शकों की खूब तालिया बटोरी। हिमाचल प्रदेश के उत्तम नरूला ने घोडी नाट्य के माध्यम से अपनी कला का प्रदर्शन किया। वहीं बाडमेर के गोत्तम परमार ने कालबेलिया नृत्य की शानदार प्रस्तुति दी।

आधुनिक भारत के निर्माण में ब्राह्मण समाज की अग्रणी भूमिका है - राज्यपाल

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि आधुनिक भारत के निर्माण में ब्राह्मण समाज की अग्रणी भूमिका रही है। मिश्र ने कहा कि समाज में अंधकार और भ्रम पैदा होने पर ब्राह्मणों ने आगे आकर इसे आलोकित करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि वही समाज विकास करता है, जो उदात्त जीवन मूल्यों से जुड़ा हो और मानव मात्र के कल्याण के लिए कार्य करने की सोच से जुड़ा हो, ब्राह्मण समाज ऐसा ही समाज है।

मिश्र रविवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में गौड़ ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित राष्ट्रीय ब्राहमण सम्मेलन में संबोधित करते कहा कि जो ब्रह्म यानी अंतिम सत्य को जानता है और परम ज्ञान से जुड़ा है, वही ब्राह्मण है। ब्राह्मण ही संपूर्ण मानवता के कल्याण के लिए जीव-जगत में सकारात्मक ऊर्जा का प्रसार करते है। उन्होंने कहा, ''हमारे संविधान में जाति, धर्म, वर्ग से परे समानता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है। संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप सभी के हितों का पोषण करते हुए राष्ट्र के विकास के लिए समर्पित होकर कार्य करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।''

राज्यपाल ने ब्राह्मण समाज को कुरीतियों और दहेज, अंधविश्वास, मद्यपान जैसी सामाजिक बुराईयों से दूर रहने का संकल्प लेने तथा समाज और राष्ट्र के विकास में अपनी भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री बी. डी. कल्ला ने कहा कि परस्पर सहयोग की भावना और संस्कारों के निर्माण से ही समाज का व्यापक स्तर पर उत्थान संभव है। उन्होंने कहा कि वैदिक ज्ञान के प्रचार-प्रसार के लिए प्रदेश में वेद विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री सिंह ने टास्क फोर्स की बैठक में दिए निर्देश

मीजल्स-रूबेला निर्मूलन टीकाकरण अभियान से कोई भी बच्चा छूटे नहीं

विभागीय अधिकारियों को अभियान में समर्पित भाव से सहयोग करने के लिये दिलाया संकल्प

ग्वालियर जिले में भी मीजल्स- रूबेला बीमारी के निर्मूलन के लिए 14 नवंबर से टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को प्रभावी ढंग से अंजाम देने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अभियान को इस प्रकार से अंजाम दें जिससे कोई भी पात्र बच्चा टीकाकरण से वंचित न रह जाए। इस अवसर पर उन्होंने इस अभियान में समर्पित भाव से सहयोग करने के लिये स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को सामूहिक रूप से संकल्प भी दिलाया।

सोमवार को यहाँ कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित हुई बैठक में जानकारी दी गई कि मीजल्स एवं रूबेला एक घातक बीमारी है। इससे बचाव के लिए पहला टीका 9 से 12 माह की आयु में तथा दूसरा टीका 16 से 24 माह की आयु में लगाया जाता है। टीकाकरण का 95% से अधिक कवरेज होने पर मीजल्स रूबेला का निर्मूलन किया जा सकता है।

बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष शर्मा तथा टास्क फोर्स के अन्य सदस्यगण एवं विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी व एसडीएम मौजूद थे।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि विकासखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक भी आयोजित की जाए। साथ ही इस टीकाकरण अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए, जिससे मीजल्स रूबेला के टीके से वंचित रहे सभी बच्चों को टीका लग जाए।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. आर के गुप्ता ने बैठक में जानकारी दी कि मीजल्स-रूबेला टीकाकरण अभियान का प्रथम चरण 14 नवंबर से 19 नवंबर 2022 तक एवं द्वितीय चरण 19 दिसंबर से 24 दिसंबर 2022 के तक चलेगा। अभियान के तहत 9 माह से 5 वर्ष तक की आयु के छूटे हुये बच्चों का मीजल्स-रूबेला टीकाकरण किया जाएगा।

जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. गुप्ता ने बताया कि मीजल्स एक गंभीर बीमारी है खांसने- छींकने से एक बीमार बच्चे से दूसरे बच्चे में फैलती है। बच्चे को निमोनिया, दस्त, दिमागी, संक्रमण जैसे घातक जटिलताओं के प्रति संवेदनशील बना सकता है। बच्चे में बुखार, शरीर पर लाल दाने, नाक बहना, आंख आना जैसे लक्षण से इसकी पहचान होती है। बीमारी संक्रमित बच्चे की खांसी की ड्रॉपलेट के माध्यम से फैलती है एवं इसके लक्षण 7 से 14 दिन में दिखाई देते हैं।

घातक है यह बीमारी, ये हैं लक्षण

रूबेला - गर्भवती स्त्री के गर्भ में पल रहा बच्चा अंधा ,बहरा, मंदबुद्धि ,दिल में छेद जैसी विकृति के साथ पैदा होता है बच्चे की गर्भ में मृत्यु भी हो सकती है, अगर महिला को गर्भ के आरंभ में रूबेला संक्रमण होता है तो सीआरएस (जन्मजात रूबेला सिंड्रोम) विकसित हो सकता है रूबेला संक्रमण को जर्मन मीजल्स के नाम से भी जाना जाता है वायरस के संपर्क में आने के 2 से 3 दिन बाद चकत्ते से आते हैं और यह 3 दिन तक रह सकते हैं । मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनीष शर्मा ने आमजन से भी अपील की है कि अपने 9 माह से 5 वर्ष तक के जो बच्चे मीजल्स- रूबेला टीकाकरण से वंचित रह गए हों उन्हें उक्त अभियान के दौरान मीजल्स- रूबेला का टीकाकरण अवश्य करवाएं। साथ ही अपने परिचितों , पड़ोसियों , रिश्तेदारों को भी उक्त टीकाकरण अभियान में बच्चों को टीके लगवाने के लिए जागरूक करें।

शिवपुरी में बना विश्व कीर्तिमान, 30 हजार श्रद्धालुओं ने किया सुंदरकांड का पाठ...

ओएमजी बुक ऑफ रिकोर्डज़ में नाम हुआ दर्ज

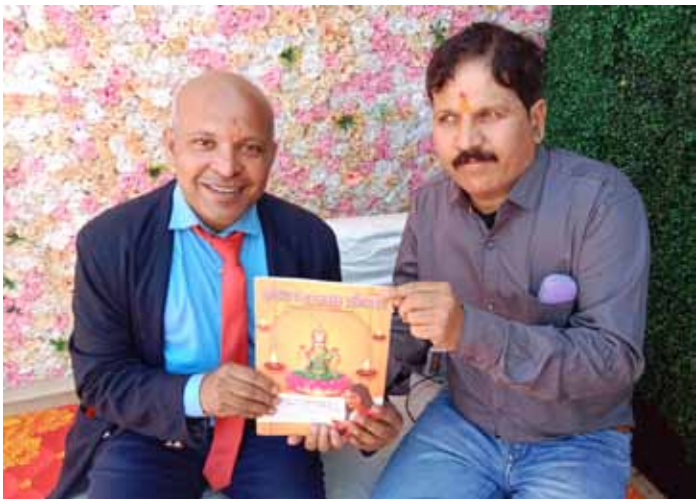

अखिल भारतीय जानकी सेना द्वारा शिवपुरी में विश्वरीकोर्ड सुन्दरपाठ का आयोजन किया गया था। जिसमे लगभग 30000 सुन्दरकांड का पाठ करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। ज्ञात हो कि सुंदरकांड यह रामायण की पांचवा पाठ है। जिसमे हनुमान जी के लंका यात्रा तथा सीता जी की खोज के बारे में है।

सुंदरकांड का पाठ दोपहर 12.30 को शुरू हुआ और 1.45 को आखरी पंक्ति पढ़ी गयी। यह रिकॉर्ड शिवपुरी के पोलो ग्राउंड में आयोजित किया गया था। जिसमे 3 वर्ष से 90 वर्ष के भक्तों ने पाठ किया। ओएमजी बुक ऑफ रिकोर्डज़ ने इसकी पुष्टि करते हुए, ग्राउंड का क्षेत्रफल, पुस्तक वितरण, ड्रोन केमेरा तथा व्यक्तिगत विजिट से 30000 संख्या की गिनती की। ओएमजी ने प्रशस्तिपत्र, मैडल, ट्रॉफी देकर संस्था के प्रेरणास्रोत श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर पुरुषोत्तम दास महाराज तथा जानकी सेवा संस्था के अध्यक्ष विक्रम सिंह रावत को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में सम्मानिय, माननीय प्रसिद्ध महंत, साधु, संत, समाजसेवी, तथा राजनैतिक प्रसिद्ध व्यक्तित्व उपस्थित थे।

व्यापार मेला पूर्ण भव्यता के साथ लगाया जाए, मेले की सभी तैयारियां समय रहते करें पूर्ण

ग्वालियर व्यापार मेले में वर्ष भर संचालित हों गतिविधियां, प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने ग्वालियर व्यापार मेला परिसर पहुंचकर किया निरीक्षण

ग्वालियर व्यापार मेला इस वर्ष पूरी भव्यता के साथ लगाया जाए। 25 दिसम्बर 2022 से शुरू होने वाले मेले की सभी तैयारियाँ समय रहते पूर्ण कर ली जाएँ। ग्वालियर व्यापार मेले में वर्ष भर आयोजन होते रहें, ऐसी योजना भी तैयार की जाए। प्रदेश के जल संसाधन एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट गुरूवार को दोपहर मेला परिसर में अधिकारियों के साथ पहुँचे और निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्वालियर व्यापार मेला 25 दिसम्बर 2022 से प्रारंभ होगा। मेले की सभी तैयारियां 20 दिसम्बर तक पूर्ण करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए गए। निरीक्षण के दौरान बीज विकास निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री अमित सांघी, नगर निगम अपर आयुक्त श्री अतेन्द्र सिंह गुर्जर, भाजपा के महासचिव श्री आशीष प्रताप सिंह सहित विभागीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कलेक्टर से कहा कि ग्वालियर व्यापार मेला बहुत ही पुराना और स्थापित मेला है। मेले के लिये बहुत ही सुंदर और सुरक्षित स्थान भी है। मेला परिसर में वर्ष भर आयोजन हो इसकी रणनीति भी तैयार की जाए। दिल्ली की तर्ज पर ग्वालियर में भी साल भर गतिविधियाँ हों। इसके लिये मेला प्राधिकरण के साथ-साथ अन्य विभागों का भी सहयोग लिया जाए।

प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देशित किया है कि मेला लगने से पूर्व मेले की सड़कों का सुधार, पेयजल व्यवस्था, रंगाई-पुताई, विद्युत व्यवस्था को चाक-चौबंद किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि मेले में आने वाले सैलानियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो, ऐसे प्रबंध भी मेले के दौरान किए जाएँ। इसके साथ ही न केवल प्रदेश से बल्कि देश भर के सैलानी ग्वालियर व्यापार मेले में आएं और मेले का आनंद उठाएं, इसके लिये मेले के आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार भी किया जाए।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने बताया कि मेले के आयोजन के संबंध में संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया जा चुका है। मेले की तैयारियां भी प्रारंभ कर दी गई हैं। मेला प्राधिकरण के साथ-साथ जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन के माध्यम से मेले में सभी व्यवस्थायें सुनिश्चित कर ली जायेंगीं।

ग्वालियर का गौरव दिवस भव्यता से मनाया जाए

प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने जिला प्रशासन और नगर निगम के अधिकारियों से कहा है कि ग्वालियर का गौरव दिवस 25 दिसम्बर को आयोजित करना निर्धारित किया गया है। ग्वालियर का गौरव उत्सव पूर्ण गरिमा और भव्यता के साथ आयोजित किया जाए। इसकी तैयारियां भी अभी से प्रारंभ कर ली जाएं। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि ग्वालियर का गौरव उत्सव केवल प्रशासनिक आयोजन न होकर शहर का हर नागरिक उसमें भागीदार बनें ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। शहर की सभी इमारतों पर लाइटिंग हो। महापुरूषों की प्रतिमाओं को सजाया जाए। इसके साथ ही शहर का हर नागरिक ग्वालियर के गौरव उत्सव में अपनी भागीदारी निभाए। प्रभारी मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि ग्वालियर का गौरव उत्सव पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेयी के जन्मदिवस पर मनाया जाना है। अटल जी के सम्मान में भी आयोजन हो इसके लिये जिला प्रशासन सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण करे।

फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 कार्यक्रम

स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में राजनैतिक पार्टियों को दी गई जानकारी...

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि एक जनवरी 2023 के मान से फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिपत पुनरीक्षण 2023 कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य की विस्तृत जानकारी देने के लिये निर्वाचन कार्यालय द्वारा स्टेंटिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई।

सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष सक्सेना की अध्यक्षता में बुधवार 9 नवम्बर को कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित स्टेंडिंग कमेटी की बैठक में सभी राजनैतिक दलों के सदस्यों को नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष श्री आनंद शर्मा, प्रदेश कार्य समिति सदस्य ग्रामीण भाजपा श्री सतेन्द्र धाकड़, संयोजक चुनाव प्रबंधन श्री चंद्रप्रकाश गुप्ता और अध्यक्ष कांग्रेस कार्यकारी ग्रामीण श्री सुल्तान सिंह के साथ ही उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री पी के गुप्ता और विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी ने बताया कि पुनरीक्षण गतिविधियों के अंतर्गत एकीकृत निर्वाचक नामावलियों का प्रारूप प्रकाशन 9 नवम्बर 2022 को किया गया। इसके साथ ही दावे एवं आपत्ति दर्ज करने की अवधि 9 नवम्बर से 8 दिसम्बर 2022 रहेगी। इसके साथ ही विशेष कैम्प 12, 13, 19 एवं 20 नवम्बर को आयोजित किए जायेंगे। दावे एवं आपत्तियों का निराकरण 26 दिसम्बर को होगा। इसके साथ ही नामावलियों के हैल्थ पैरामीटर को जाँचना और अंतिम प्रकाशन के लिये आयोग की अनुमति प्राप्त करना एवं डाटाबेस को अपडेट करना और परिशिष्टों को मुद्रित कराने का कार्य 3 जनवरी 2023 को किया जायेगा। नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 5 जनवरी को होगा।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने जन-नायक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर नमन कर माल्यार्पण किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निवास पर स्थित सभागार में भगवान बिरसा मुंडा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। जन-नायक भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को झारखंड के उलीहातु गाँव में हुआ। वे अपने समाज की ब्रिटिश शासकों द्वारा की गई दशा को लेकर चिंतित रहते थे। अपने कार्यों से बिरसा मुंडा अपने क्षेत्र में 'धरती आबा' यानी 'धरती पिता' हो गए थे। राष्ट्रीय आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाकर देशभक्ति की अलख जगाने वाले 'धरती आबा' बिरसा मुंडा को इस क्रम में भगवान माना जाने लगा। अक्टूबर 1894 को भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों से लगान माफी के लिए आंदोलन किया। वर्ष 1897 से 1900 के बीच मुंडाओं और अंग्रेज सिपाहियों के मध्य युद्ध होते रहे और बिरसा मुंडा के नेतृत्व में मुंडाओं ने अंग्रेजों को नाको चने चबवा दिए। मार्च 1900 में चक्रधरपुर में बिरसा मुंडा एक जन-सभा को संबोधित कर रहे थे, तभी उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। भगवान बिरसा मुंडा ने अपनी अंतिम साँस 9 जून 1900 को रांची कारागार में ली।

अमृत की टंकियों को डीएमए से मिलान करने के उद्देश्य से लगेंगे विशेष शिविर

सांसद श्री शेजवलकर की अध्यक्षता में हुई दिशा की बैठक में लिए गए अहम निर्णय

सांसद ने कहा अभियान बतौर पेयजल लाइनों को दुरूस्त कराएं

अमृत योजना से संबंधित पेयजल व सीवर लाइनों से संबंधित समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए शहर में सोमवार 21 नवम्बर से विधानसभा क्षेत्र व वार्डवार विशेष शिविर लगाए जायेंगे। इन शिविरों में क्षेत्रीय पार्षदगण व जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में अमृत योजना की टंकियों का पेयजल लाइन अर्थात डीएमए (डिस्ट्रिक्ट मीटरिंग एरिया) से मिलान करने की रणनीति बनाई जायेगी। इस आशय का निर्णय सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में लिया गया। सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि अमृत योजना से संबंधित सभी डीएमए का भौतिक सत्यापन पार्षदों की मौजूदगी में किया जाए। साथ ही तेजी के साथ डीएमए मिलान का कार्य किया जायेगा।

सांसद श्री शेजवलकर ने कहा कि शहर में अमृत योजना के तहत बनाई गईं पानी की टंकियों से शेष पाइप लाइनों अर्थात डीएमए से अभियान बतौर मिलान कराएँ। साथ ही अमृत योजनाओं के तहत शहरभर में पेयजल आपूर्ति के लिये डाली गईं सभी लाईनों के लीकेज भी जल्द से जल्द दुरूस्त करें, जिससे शहर की सभी बस्तियों में सुचारू रूप से पेयजल आपूर्ति हो सके। उन्होंने कहा कि पार्षदगण एवं क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगणों को भी पाइप लाइन लीकेज के संबंध में जानकारी दी जाए, जिससे सारी पेयजल लाइनें दुरूस्त हो सकें।

बैठक में महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार, जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेश कुँवर सिंह जाटव व विधायक श्री प्रवीण पाठक सहित समिति के अन्य सदस्यगण, कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कान्याल एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आशीष तिवारी सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे।

शहर की पेयजल फैक्ट्रियों के पानी की गुणवत्ता की होगी जाँच

शहर में स्थित पेयजल फैक्ट्रियों के पेयजल की गुणवत्ता की जाँच कराने का निर्णय भी बैठक में लिया गया। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कहा कि पेयजल फैक्ट्रियाँ को विधिक रूप प्रदान करने के लिये धारा-144 के तहत एक आदेश जारी किया जायेगा, जिसके तहत नगर निगम में पंजीयन और पेयजल गुणवत्ता की शर्तों का पालन किए बगैर कोई भी पेयजल फैक्ट्री संचालित नहीं कर सकेगा।

आईएसडीपी के आवास में पात्र परिवारों को बसाएं: शहर में आईएसडीपी (एकीकृत गंदी बस्ती विकास योजना) के तहत बनाए गए आवास पात्र परिवारों को आवंटित करने पर दिशा की बैठक में विशेष बल दिया गया। सांसद श्री विवेक शेजवलकर ने कहा कि नगर निगम परिषद की बैठक में निर्णय लेकर आईएसडीपी आवासों में रह रहे पात्र परिवारों को विधिवत रेगूलराज्ड किया जा सकता है। साथ ही अवैध रूप से निवासरत अपात्र परिवारों से आवास खाली कराकर पात्र परिवारों को बसाएँ।

गोल पहाड़िया चौराहे से हटाए जायेंगे अतिक्रमण : गोल पहाड़िया चौराहे पर यातायात को बेहतर बनाने के लिये जल्द ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जायेगी। बैठक में एसडीएम लश्कर के नेतृत्व में पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम के माध्यम से यह कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। साथ ही गोल पहाड़िया से बहोड़ापुर तक की सड़क का जल्द से जल्द डाम्बरीकरण कराने के निर्देश भी लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को दिए गए।

अमृत सरोवरों का होगा सौंदर्यीकरण और किनारे पर लगाए जायेंगे औषधीय पौधे : सरकार की विशेष प्राथमिकता वाली अमृत सरोवर योजना के तहत ग्वालियर जिले के ग्रामीण अंचल की तस्वीर बदल रहे हैं। जिले के विभिन्न ग्रामों में इस साल 100 अमृत सरोवर मंजूर किए गए थे। इनमें से 51 पूरे हो चुके हैं। शेष सरोवरों को पूरा करने का काम जारी है। इन सरोवरों के माध्यम से किसानों को सिंचाई की सुविधा तो मिली ही है, साथ ही जल स्तर में भी उल्लेखनीय इजाफा हुआ है। दिशा की बैठक में निर्णय लिया गया कि अमृत सरोवरों का सौंदर्यीकरण का काम प्रमुखता से किया जाए। सरोवरों के नजदीक औषधीय, छायादार व फलदार पौधे रोपें। साथ ही सब्जी की खेती भी कराई जाए।

जिले में अब तक 6 लाख 112 आयुष्मान कार्ड बने : दिशा की बैठक में जानकारी दी गई कि आयुष्मान योजना के तहत जिले में अब तक 8 लाख 24 हजार 322 पात्र परिवारों में से 6 लाख 112 परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। जिले के 58 निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड के आधार पर पात्र परिवारों को 5 लाख रूपए तक के निःशुल्क इलाज की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। सांसद श्री शेजवलकर ने शेष लगभग 2 लाख 24 हजार पात्र परिवारों के भी अभियान बतौर आयुष्मान कार्ड बनाने के निर्देश बैठक में दिए।

रेलवे स्टेशन सौंदर्यीकरण, रोप-वे, सड़क परियोजनाओं व विद्युत योजनाओं की भी हुई समीक्षा : ग्वालियर रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण के लिये मंजूर हुई परियोजना, रोप-वे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क तथा एमपीआरआरडीसी, सीआरआईएफ व अन्य योजनाओं के तहत निर्माणाधीन सड़कें, दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण ज्योति योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, डबरा में निर्माणाधीन सेंट्रल स्कूल और ग्राम पंचायतों के डिजिटाइजेशन कार्य की भी बैठक में समीक्षा हुई। रेलवे के एडीआरएम ने बताया कि ग्वालियर रेलवे स्टेशन के सौंदर्यीकरण परियोजना का अनुबंध हो चुका है। सौंदर्यीकरण का कार्य दिसम्बर माह से शुरू हो जायेगा। सौंदर्यीकरण व विस्तार से संबंधित कार्य दो वर्ष में पूर्ण हो जायेंगे। सांसद श्री शेजवलकर ने नगर निगम आयुक्त को रोप-वे से संबंधित अनुमतियाँ जल्द से जल्द दिलाने के निर्देश दिए। सरकार द्वारा पोस्ट ऑफिस के माध्यम से शुरू की गई सुकन्या समृद्धि योजना की जानकारी जन-जन तक पहुँचाने का आग्रह बैठक में समिति के सभी सदस्यों से किया गया।

01 करोड़ 20 लाख लूट का पुलिस ने किया पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

- सनसनीखेज लूट की बारदात का ग्वालियर पुलिस ने 6 घंटे में पर्दाफाश
- आरोपियों के कब्जे से लूटी गई रकम 01 करोड़ 20 लाख रूपये किये बरामद
- लूट की घटना कारित कराने में ट्रेडिंग कंपनी का ड्राइवर था शामिल
- एक आरोपी के पास से घटना में प्रयुक्त एक 315 बोर का कट्टा किया जप्त

थाना इन्दरगंज क्षेत्र में राजीव प्लाजा के पास पैकेजिंग मटेरियल सप्लाई करने वाली हरेन्द्र ट्रेडिंग कंपनी के मुनीम के साथ दिन दहाड़े हुई 01 करोड़ 20 लाख रूपये की सनसनीखेज लूट की बारदात को गंभीरता से लेते हुए अति. पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर जोन श्री डी.श्रीनिवास वर्मा,भापुसे द्वारा पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री अमित सांघी,भापुसे के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की और उक्त घटना का पर्दाफाश कर शत-प्रतिशत बरामदगी कर लुटेरों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस की टीमें बनाकर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशो के परिपालन में पुलिस की तीन टीमें बनाई गई। जिसमें एक टीम का नेतृत्व अति. पुलिस अधीक्षक शहर (दक्षिण) श्री मोती उर रहमान,भापुसे, दूसरी टीम का नेतृत्व अति. पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) श्री राजेश डण्डोतिया तथा तीसरी टीम का नेतृत्व सीएसपी मुरार/डीएसपी अपराध श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे द्वारा किया गया। पुलिस टीमों के सहायतार्थ सीएसपी लश्कर श्री सियाज के.एम.,भापुसे, सीएसपी इन्दरगंज श्री विजय भदौरिया, सीएसपी महाराजपुरा श्री रवि भदौरिया व सीएसपी विश्वविद्यालय श्री रत्नेश तोमर, डीएसपी यातायात नरेश बाबू अन्नोटिया को भी लगाया गया। पुलिस टीमों द्वारा घटना स्थल के आसपास के सभी सीसीटीव्ही फुटेज चेक किये गये तथा टेक्नीकल टीम को सक्रिय किया गया। एडीजीपी ग्वालियर जोन एवं पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा पूरे घटनाक्रम पर सत्त संपर्क रखते हुए जांच में लगी हुई टीमों को लगातर दिशा निर्देश दिये गये। घटना के संबंध में पूछताछ पर ट्रेडिंग कंपनी के वाहन चालक द्वारा संदेहास्पद जवाब दिये जाने से उससे कड़ाई से पूछताछ की गई तो उसने अपने दो साथियों के साथ सोचे समझे प्लान के तहत उक्त लूट की घटना कारित करना स्वीकार किया। इस पर से पुलिस टीमों द्वारा उक्त आरोपियों की तलाश प्रारम्भ की गई। उक्त लूट की घटना का पर्दाफाश करने के लिये बनाई गई तीनों पुलिस टीमों द्वारा त्वरित प्रयास करते हुए उक्त लूट की घटना कारित करने वाले एक आरोपी को थाना महाराजपुरा क्षेत्रान्तर्गत महाराजपुरा गांव से पकड़ लिया गया। पकड़े गये आरोपी से लूटे गये रूपयों का कार्टन एवं एक कट्टा 315 बोर का कट्टा मय एक राउण्ड के बरामद किया गया। पुलिस टीमों द्वारा पकड़े गये दोनों आरोपियों को थाना इन्दरगंज के अप0क्र0 507/22 धारा 394 भादवि 11/13 एमपीडीपीके एक्ट में गिरफ्तार किया गया। लूट की घटना में शामिल एक आरोपी की पुलिस टीम द्वारा तलाश की जा रही है।

सराहनीय भूमिकाः- उक्त लूट की घटना का पर्दाफाश कर आरोपियों को गिरफ्तार करने में थाना इन्दरगंज टीम- निरीक्षक अनिल सिंह भदौरिया, उप निरीक्षक शिवम सिंह राजावत, दिनेश सिंह, प्र.आर. हेमंत सिंह, राजकुमार राठौर, राजेश तोमर, आरक्षक सौरभ शर्मा, धर्मेन्द्र सिंह, विवेक डण्डोतिया, भुवनेश्वर सिंह जादौन क्राईम ब्रांच टीम- उप निरीक्षक राहुल अहिरवार, शैलेन्द्र शर्मा, सउनि राजीव सोलंकी, राजकुमार राजावत, प्र.आर. मुकेश चौहान, भगवती सोलंकी, रामबाबू सिंह, दिनेश सिंह कुशवाह, विकास बाबू, जितेन्द्र बरैया, आरक्षक गौरव पवार, ओमशंकर सोनी, रोहित, गौरव आर्य, अरुण पवैया, विद्याचरण, विकास तोमर, योगेंद्र तोमर, नवीन पराशर, रणवीर शर्मा।

रोजगार मेले का आयोजन

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में 22 नवंबर 2022 को सुबह 10.30 बजे रोजगार मेले का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर के 45 स्थानों पर केंद्रीय मंत्री की मौजूदगी में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 71000 युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए।इस अवसर पर सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में कुल 203 युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। जिसमें सीमा सुरक्षा बल- 50, रेलवे -97, पोस्टल डिपार्टमेंट - 3, केनरा बैंक - 03, पीएनबी - 01, आईओबी - 01, एसएसएफ - 04, एसएसबी - 19, सीआईएसएफ - 07, आईटीबीपी – 04व असम राइफल्स के 15 युवा शामिल हैं।

सीमा सुरक्षा बल अकादमी टेकनपुर में, इस आयोजन के मुख्य अतिथि श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, केन्द्रीय नागर विमानन और इस्पात मंत्री ने युवाओं से संवाद किया व प्रधानमंत्री के साथ वीडियो कांफ्रेंस द्वारा जुड़े रहे और चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में युवाओं को देश की असली शक्ति बताया और चयनित अभ्यर्थियों को शुभ कामनाएं देते हुए देश के विकास में योगदान देने हेतु प्रेरित किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी को अपने भीतर के विद्यार्थी को जिंदा रखकर आगे बढ़ने के संकल्प के साथ काम करते – करते अपनी योग्यता बढ़ाते हुए देश के विकास में सहायक बनना है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कर्म योगी प्रारंभ मॉड्यूल का शुभारम्भ किया और युवाओं से आह्वान किया कि इस मॉड्यूल से जुड़कर ऑनलाइन ट्रेनिंग प्राप्त करें व अपनी योग्यता बढ़ाए और नए अवसरों का लाभ उठाएं।

इस अवसर पर सुश्री सोनाली मिश्रा, भा.पु.से., अपर महानिदेशक/निदेशक बी एस एफ अकादमी टेकनपुर,श्री संजय सिंह गहलोत, महानिरीक्षक, सीसु ब,(संयोजक) एवं बीएसएफ़ के अन्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहें। इस कार्यक्रम में रेलवे, पोस्टल डिपार्टमेंट, केनरा बैंक,पीएनबी,आईओबी, एसएसएफ, एसएसबी,सीआईएसएफ, आईटीबीपी व असम राइफल्स के प्रतिनिधि/ अधिकारी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री कुशवाह एवं कलेक्टर श्री सिंह ने बेहट में निर्माणाधीन अस्पताल का किया निरीक्षण

गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देश

संगीत सम्राट तानसेन की नगरी बेहट में निर्माणाधीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के भवन का मंगलवार को उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री भारत सिंह कुशवाह और कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने निरीक्षण किया। इस अवसर पर श्री कुशवाह ने निर्देश दिए कि यह अस्पताल भवन जल्द से जल्द और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। उन्होंने कहा इस अस्पताल के निर्माण से बेहट सहित समीपवर्ती लगभग दो दर्जन गाँवों व मजरो-टोलों के निवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सेवायें मिल सकेंगीं।

कलेक्टर श्री सिंह ने कार्य एजेंसी को निर्देश दिए हैं कि निर्धारित मापदण्डों का पालन करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा इसमें किसी भी प्रकार की कमी पाई जाने पर संबंधित अधिकारी जवाबदेह होंगे।

मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान की जमीनी हकीकत भी जानी

कलेक्टर श्री सिंह ने दूरस्थ गांवों में पहुंचकर किया शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण

दूरस्थ ग्रामीण अंचल की समस्याओं व कठिनाईयों के निदान के उद्देश्य से कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह मंगलवार को मुरार जनपद पंचायत के दूरस्थ गाँवों में पहुँचे। उन्होंने इस दौरान ग्राम गुंधारा व बेनीपुरा में स्थित पंचायत भवन, स्कूल, आंगनबाड़ी व अन्य सरकारी संस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही ग्रामीणों से रूबरू होकर मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान की जमीनी हकीकत भी जानी। ग्रामीणों ने जन सेवा अभियान के आयोजन पर संतुष्टि जताई। साथ ही सरकार के प्रति धन्यवाद जाहिर किया। कलेक्टर श्री सिंह ने गुंधारा व बेनीपुरा की शासकीय संस्थाओं में साफ-सफाई व अन्य व्यवस्थायें ठीक न पाए जाने पर नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासकीय भवनों के शौचालय व सभी कक्ष साफ-सुथरे रहें। साथ ही पेयजल की व्यवस्था भी पुख्ता रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि यह व्यवस्थायें एक हफ्ते के भीतर नहीं सुधरीं तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जायेगी।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर के साथ एसडीएम मुरार ग्रामीण श्रीमती पुष्पा पुषाम सहित राजस्व विभाग के अन्य मैदानी अधिकारी मौजूद रहे।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने वीरांगना झलकारी बाई की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किया

समाज सेवियों का सम्मान भी किया गया

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना झलकारी बाई की जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनकी वीरता को नमन करते हुए ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि वीरांगना ने समाज व देश की रक्षा के लिये बलिदान दिया है। उनके बलिदान को हमें बेकार नहीं जाने देना है आज हमें प्रण करना है कि अपने नौनिहालों को शिक्षित बनायें जिससे हम समाज का भला कर सकें। हमारा नौनिहाल शिक्षित होगा तो वह अपने परिवार व देश का भी उत्थान कर सकेगा। साथ ही कहा कि शहर में शीघ्र ही वीरांगना झलकारी बाई के नाम से एक भव्य पार्क का निर्माण किया जाएगा।

झलकारी बाई पार्क में आयोजित वीरांगना झलकारी बाई जन्मोत्सव एवं सम्मान समारोह के अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कोली समाज के युवाओं, समाज सेवियों, सरकारी नौकरी पेशा एवं महिलाओं सहित लगभग 200 लोगों को सम्मानित करते हुए कहा कि हमें सम्माज उत्थान एवं समाज में एकता का भाव रहे इसी उद्धेश्य से कार्य करना है। उन्होंने कहा कि झलकारी बाई पार्क को भव्य बनाने के लिये इसके उन्नयन का कार्य किया जाएगा।

झलकारी बाई पार्क तक शहर के विभिन्न स्थानों से रैलियों के रूम में बडी संख्या में कोली समाज के समाजबंधु पहुंचे। इस अवसर पर बीज निगम के अध्यक्ष श्री मुन्नालाल गोयल ने वीरांगना झलकारी बाई की प्रतिमा पर पुष्पाजंलि अर्पित करते हुए कहा कि समाज के अंतिम व्यक्ति को भी न्याय मिले इसके लिये उन्होंने अपना बलिदान दिया था। उनके बलिदान को हमें बेकार नहीं जाने देना है। इस प्रकार से कार्य करना है।

इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता श्री अशोक शर्मा, कार्यक्रम संयोजक श्री जितेन्द्र मनगईंया, श्री महेश उमरैया, पार्षद श्री रेखा चंदन राय, श्री आशीष प्रताप राठौर, श्री हरीबाबू शिवहरे, श्री मुकेश मौर्य, श्री धर्मेन्द्र आर्य, श्री अम्रतलाल शाक्य, नीरज आर्य सहित कोली-कोरी समाज के वरिष्ठजन एवं समाजबंधु बडी संख्या में उपस्थित रहे।

मातृभूमि मिशन ने सामाजिक कार्यो, पत्रकारिता जगत मैं अस्वच्छ भूमिका निभाने और करने वाले व्यक्तियों, पत्रकारों को किया सम्मानित। इसी क्रम मे मनोज चतुर्वेदी को भी साल ओढ़ाकर श्रीफल के साथ सम्मानित किया गया। साथ ही मनोज चतुर्वेदी को मातृभूमि मिशन का मध्यप्रदेश का मीडिया प्रभारी बनाये गए।

ग्वालियर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कार्पोरेशन के गौरवान्वित पल

राष्ट्रीय स्तर के स्कॉच अवार्ड प्रतिस्पर्धा में ग्वालियर स्मार्ट सिटी की 3 परियोजनाए स्कोच ऑर्डर-ऑफ-मेरिट से हुई सम्मानित

देश भर में इनोवेटिव कार्यों का मूल्यांकन करने के बाद निकाय एवं विभागों को दिए जाने वाले राष्ट्रीय स्तर के स्कॉच अवार्ड की प्रतिस्पर्धा में विभिन्न श्रेणियों के तहत ग्वालियर स्मार्ट सिटी की तीन परियोजना को "ऑर्डर ऑफ मेरिट" से सम्मानित किया गया है।

स्कॉच अवार्ड की घोषणा वर्चुअल समारोह में बुधवार को की गई। इस अवसर पर ग्वालियर से स्मार्ट सिटी के कंट्रोल कंमाण्ड सेंटर पर नगर निगम आयुक्त व स्मार्ट सिटी के कार्यकारी निदेशक श्री किशोर कन्याल, ग्वालियर स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती नीतू माथुर सहित स्मार्ट सिटी के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। नगर निगम आयुक्त श्री किशोर कन्याल ने इस उपलक्ष पर कहा कि स्मार्ट सिटी द्वारा ग्वालियर में विश्वस्तरीय कार्य किए जा रहे हैं तथा इस सम्मान को ग्वालियर के विकास का प्रतिबिम्ब बताया। साथ ही उन्होंने कहा की ये अवॉर्ड टीम को और ऊर्जा के साथ काम करने के लिए प्रेरित करेगा।

इस अवसर पर ग्वालियर स्मार्ट सिटी सीईओ श्रीमती नीतू माथुर ने जानकारी देते हुए बताया कि ग्वालियर स्मार्ट सिटी की 3 परियोजना जिसमे फ़साड लाइटिंग, डिजिटल म्यूजियम एंड प्लेनेटोरियम व रीजनल आर्ट एंड क्राफ्ट डिज़ाइन सेंटर को विभिन्न श्रेणियों में स्कॉच अवार्ड के तहत "ऑर्डर ऑफ मेरिट" अवार्ड से सम्मानित किया गया है। श्रीमती माथुर ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि ग्वालियर स्मार्ट सिटी की परियोजनाओं को स्कॉच अवार्ड मिलना पूरे शहर के लिए बड़ी खुशखबरी है। और इस प्रतिस्पर्धा में ग्वालियर स्मार्ट सिटी की परियोजनाओ को मिले सम्मान ने पूरे देश मे ग्वालियर का गौरव बढ़ाया है।

विशेष चर्चा : सम्पादक मनोज चतुर्वेदी की मध्यप्रदेश विधानसभा के प्रतिपक्ष नेता डॉक्टर गोविंद सिंह से

भारत जोड़ो यात्रा के स्वागत को तैयार कांग्रेस पार्टी और कार्यकर्ता- डॉक्टर गोविंद सिंह

भारत जोड़ो पद यात्रा कांग्रेश की मध्यप्रदेश मैं 23 तारीख को प्रवेश करेगी । इसकी तैयारियां कांग्रेस द्वारा बहुत जोश के साथ कि जा रही है। इसकी जानकारी मध्यप्रदेश विधानसभा मैं प्रतिपक्ष नेता डॉक्टर गोविंद सिंह ने साधना न्यूज़ के विशेष संवाददाता मनोज चतुर्वेदी से बात चीत करते हुए बताया । उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की पदयात्रा भारत की जनता की समस्याओं को सामने लाने और जनता के हित की बात करने के लिए है। देश में कटुता ओर वैमनस्यता का जो माहौल है उसके लिए यह यात्रा जरूरी है । जनता राहुल गांधी के इस कदम की तारीफ कर रही है ।

बही हिमाचल ओर गुजरात के चुनावों पर प्रश्न पूछने पर प्रतिपक्ष नेता डॉ गोविंद सिंह ने बताया कि आगे क्या परिणाम आएंगे इस बारे मे मैं नही बता सकता क्योकि मैं कोई ज्योतिषी नही हूँ मैं यथार्ता पर जीने वाला व्यक्ति हूँ। हाँ इतना जरूर कहूँगा की कांग्रेश पार्टी मजबूती से पहले की अपेक्षा और मजबूत होकर आ रही है और हम जनता के आसीर्बाद को प्राप्त करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश मैं हम विधानसभा को सुचारू रूप से चलाने और सकारात्मक बहस के पक्ष मे है पर सत्तापक्ष यह नही चाहता कि विधानसभा मैं प्रश्ननो और समस्याओं का हल हो इस लिए यह कम समय मैं ही विधानसभा का प्रश्नकाल समाप्त करने की रणनीति अपनाते है जो लोक तंत्र के लिए सही नही है।

केंद्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया वीरांगना झलकारी बाई को नमन

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को वीरांगना झलकारी बाई की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी, पूर्व विधायक श्री रमेश अग्रवाल, श्री मदन कुशवाहा, वरिष्ठ नेता श्री अशोक शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता एवं शहर के नागरिक गण उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया अपना दल-एस की निर्विरोध अध्यक्ष बनीं

पार्टी मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार राज्य स्तरीय पार्टी की मान्यता मिलने के बाद शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अपना दल एस का पहला राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित हुआ, जिसमेंचुनाव प्रक्रिया के तहत अनुप्रिया पटेल फिर से निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं...

केंद्र और उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साझीदार अपना दल-सोनेलाल (अपना दल-एस) के शुक्रवार को यहां आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल को पुनः दल का निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिया गया। अध्यक्ष चुने जाने के बाद अनुप्रिया पटेल ने अपने संबोधन में कहा, 'शेर की बेटी हूं कभी पीछे नहीं हटूंगी।' पार्टी मुख्यालय से जारी बयान के अनुसार राज्य स्तरीय पार्टी की मान्यता मिलने के बाद शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में अपना दल एस का पहला राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित हुआ, जिसमेंचुनाव प्रक्रिया के तहत अनुप्रिया पटेल फिर से निर्विरोध राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं। निर्वाचन में पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जवाहर लाल पटेल ने मुख्य चुनाव अधिकारी, राष्ट्रीय सचिव माता बदल तिवारी व केके पटेल ने सहायक चुनाव अधिकारी की भूमिका निभाई।

मुख्य चुनाव अधिकारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष की घोषणा से पहले कार्यकर्ताओं को बताया कि अपना दल-एस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए एकमात्र उम्मीदवार के तौर पर अनुप्रिया पटेल का ही नामांकन पत्र मिला, लिहाजा उनको निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया जाता है। अध्यक्ष चुने जाने के बाद अपने संबोधन में अनुप्रिया पटेल ने कहा, 'शेर की बेटी हूं पीछे नहीं हट सकती।'

सामाजिक न्याय की विचारधारा से पीछे न हटने का संकल्प लेते हुए उन्होंने सभागार में हजारों प्रतिनिधियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि आलोचनाओं से घबराना नहीं है, क्योंकि पार्टी की प्रगति जिस तेजी से हो रही है, आलोचना स्वाभाविक है। पटेल ने कहा कि 17 अक्टूबर 2009 को जब मेरे शेर पिता डॉ.सोनेलाल पटेल का निधन हुआ था, उसके 20 दिन पहले ही मेरी शादी हुई थी। मैं राजनीति का ककहरा भी नहीं जानती थी, लेकिन उस समय पार्टी के लोगों ने मुझे महासचिव की जिम्मेदारी सौंपी थी।

उल्लेखनीय है कि अपना दल (एस) युवा मोर्चा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष हेमंत चौधरी ने पिछले हफ्ते अपना दल (एस) नेतृत्व पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया था कि पति-पत्नी (अनुप्रिया पटेल-आशीष सिंह पटेल) ने पार्टी को मियां बीवी प्राइवेट लिमिटेड बना दिया है। उन्होंने टिकट बेचने का भी आरोप लगाया था। हालांकि, पार्टी ने चौधरी को उनके बगावती रुख अपनाने से पहले ही पार्टी से निष्कासित कर दिया था। अपने भावुक संबोधन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष पटेल ने कहा कि वह वर्ष 2012 में वाराणसी के रोहनिया से पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ीं और जीत दर्ज की।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने दो सीट पर चुनाव लड़ा और दोनों पर जीत दर्ज की। 2017 के विधानसभा चुनाव में 11 सीट पर अपना दल (एस) के उम्मीदवार लड़े और इनमें से नौ सीट पर जीत का परचम लहराया और 2019 के लोकसभा चुनाव में भी पार्टी के जीत दर्ज करने की दर 100 प्रतिशत रही। अनुप्रिया ने कहा, वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में 17 सीट में से 12 पर अपना दल-एस ने जीत दर्ज की। पार्टी का यह विस्तार डॉ.सोनेलाल पटेल के सिपाहियों की मेहनत का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि विरोधी विरोध करते हैं तो चलता है, लेकिन जब अपने लोग ही विरोध करने लगते हैं तो अंदर से तकलीफ होती है और इस तकलीफ को मैं पार्टी का राष्ट्रीय महासचिव बनने के बाद से ही झेल रही हूं। गौरतलब है कि अपना दल की स्थापना अनुप्रिया के पिता डॉक्टर सोनेलाल पटेल ने की थी और 2009 में उनके निधन के बाद अनुप्रिया की मां कृष्णा पटेल ने पार्टी का नेतृत्व संभाला और अनुप्रिया पार्टी की महासचिव बनीं।

वर्ष 2012 में वह पहली बार वाराणसी के रोहनिया से विधायक चुनी गईं और 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा से गठबंधन किया। मिर्जापुर से सांसद चुने जाने के बाद अनुप्रिया को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के पहले कार्यकाल में मंत्रिपरिषद विस्तार में मंत्री बनने का मौका मिला और इसके बाद से ही मां-बेटी के बीच मनमुटाव शुरू हो गया। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले अपना दल दोफाड़ हो गया। अनुप्रिया ने भाजपा गठबंधन से अपनी पार्टी का चुनाव लड़ा और विधानसभा में उनके नौ विधायक जीते।

वर्ष 2022 में भी भाजपा गठबंधन से उनके 12 विधायक चुनाव जीते और अनुप्रिया के नेतृत्व में पार्टी राज्य की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई। निर्वाचन आयोग ने अपना दल एस को राज्य स्तरीय पार्टी का दर्जा दिया। उधर, अनुप्रिया की मां कृष्णा पटेल के नेतृत्व में अपना दल-कमेरावादी ने समाजवादी पार्टी से गठबंधन कर वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव लड़ा। कृष्णा पटेल समेत अपना दल कमेरावादी के सभी उम्मीदवार चुनाव हार गये।

सिर्फ अनुप्रिया की बड़ी बहन पल्लवी पटेल समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर सिराथू से चुनाव जीतीं। परिवार के बीच शुरू हुई यह लड़ाई 2017 से ही जारी है। अनुप्रिया पटेल ने अपने ही परिवार के लोगों की ओर इशारा करते हुए कहा कि हमारे ही लोगों का कंधा इस्तेमाल कर पार्टी को कमजोर करने की साजिश रची जा रही है, लेकिन इतिहास गवाह है कि जब-जब पार्टी को कमजोर करने की कोशिश की गई, तब-तब कार्यकर्ताओं के समर्पण, संघर्ष व कर्तव्यनिष्ठा के चलते पार्टी और मजबूत होती चली गई। उन्होंने इस मौके पर 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी के लिए कार्यकर्ताओं को अभी से 24 घंटों काम करने का आह्वान किया। भाषण के दौरान अनुप्रिया पटेल ने जब अपने पिता डॉ.सोनेलाल पटेल का जिक्र किया तो उनकी आंखें नम हो गईं, गला रूंध सा गया। रुंधे गले से ही वह भाषण देती रहीं। इस मौके पर पार्टी के वरिष्ठ नेता और उप्र सरकार में मंत्री आशीष सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि यह सफलता पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत का फल है।

करदाताओं का विकास में महत्वपूर्ण योगदान : मुख्यमंत्री श्री चौहान

भामाशाह समारोह में करदाताओं को दिए गए पुरस्कार

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रदेश के विकास में करदाताओं का महत्वपूर्ण योगदान है। प्रदेश की आर्थिक प्रगति को नए आयाम मिल रहे हैं। उद्योग और व्यापार क्षेत्र के सहयोग के साथ नागरिकों की भागीदारी से हम वैभवशाली, समृद्ध और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण में लगे हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज रविंद्र भवन के हंसध्वनि सभागार में भामाशाह सम्मान समारोह में सर्वाधिक कर जमा करने वाले संस्थानों के उद्योग और व्यवसाय क्षेत्र के प्रतिनिधियों को सम्मानित कर रहे थे। समारोह में वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए 5-5 श्रेणियों के कुल 10 पुरस्कार प्रदान किए गए।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आगामी वर्ष से छोटे करदाताओं को भी पृथक श्रेणी में पुरस्कृत किया जाएगा। मुख्यमत्री श्री चौहान ने पुरस्कृत औद्योगिक और व्यापारिक संस्थानों को बधाई देते हुए समस्त करदाताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और उनका अभिनन्दन किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि ईमानदारी से धन अर्जित करने और ईमानदारी से टैक्स जमा करने का कार्य महत्वपूर्ण सेवा है। मध्यप्रदेश की विकास दर 19.76 प्रतिशत है। मध्यप्रदेश में प्रति व्यक्ति आय जो वर्ष 2003 में 13 हजार थी, अब एक लाख 47 हजार रूपये हो गई है। भारत की अर्थ-व्यवस्था में मध्यप्रदेश का योगदान 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि राज्य के खजाने को भरने में उद्योग और व्यापार जगत का महत्वपूर्ण योगदान है। जनता के कल्याण और बुनियादी सुविधाओं के विकास का कार्य टैक्स से प्राप्त आय से आसान होता है। अर्थ का अभाव और प्रभाव दोनों अनुचित हैं। लेकिन ईमानदारी के साथ अर्थ कमाना महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि सभी विभाग आय वृद्धि के लिए प्रयास करें। करों से प्राप्त आय समाज को ताकत प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग, व्यापार जगत से प्राप्त सुझावों पर क्रियान्वयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आगामी जनवरी माह में इंदौर में हो रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट और प्रवासी भारतीय सम्मेलन के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लघु और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न क्लस्टर्स बनाए जा रहे हैं।

उज्जैन में सामान्य वर्ग के लिए बढ़ाएंगे सुविधाएँ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि श्री महाकाल लोक के प्रथम चरण के उद्घाटन के बाद उज्जैन में होटलों की संख्या बढ़ रही है। सामान्य वर्ग यहाँ आगमन के बाद रहने की समस्या से परेशान न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएँ की जाएंगी। श्री महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद उज्जैन और निकटवर्ती अंचल की आर्थिक गतिविधियों में तेजी आई है। प्रारंभ में मुख्यमंत्री श्री चौहान का स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों के करदाताओं को पुरस्कार और सम्मान किए।

वित्त और वाणिज्यिक कर मंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने कहा कि करों का भुगतान समय पर ईमानदारी से कर प्रदेश के विकास में सहयोग देने वाले उद्योगपतियों और व्यापारियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान के मध्यप्रदेश को अग्रणी प्रांत बनाने के संकल्प में भी सहयोग दिया है। प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर श्रीमती दीपाली रस्तोगी ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का स्वागत किया। मध्यप्रदेश गान के साथ कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। प्रदेश में कुशल कर प्रशासन, कर अपवंचन रोकने में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग और सरल हिंदी के माध्यम से करदाताओं को ऑनलाइन सुविधा प्रदान करने के प्रयासों की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 'मेघा वैलकम किट' पुस्तिका का विमोचन किया।

छोटे टैक्सपेयर्स को भी पृथक श्रेणी में करेंगे पुरस्कृत

साथ ही वाट्सएप आधारित हिन्दी चैट बॉट का लोकार्पण किया गया। समारोह में विभाग द्वारा निर्मित लघु फिल्म प्रदर्शित की गई।

इन्हें मिले पुरस्कार

वर्ष 2020-21 के लिए जो व्यवसाई पुरस्कृत किए गए, उनमें 500 करोड़ रूपए से अधिक टर्न ओवर की श्रेणी में 10 लाख रूपए का पहला पुरस्कार व्ही.ई. कमर्शियल पीथमपुर और 7 लाख रूपए का दूसरा पुरस्कार अल्ट्राटेक सीमेंट जावद जिला नीमच को दिया गया। इसी तरह 50 करोड़ से 500 करोड़ अनधिक श्रेणी में पहला पुरस्कार 7 लाख रूपए प्रेम मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्वालियर को और 5 लाख रूपए का दूसरा पुरस्कार सीएट लिमिटेड इंदौर को दिया गया। डेढ़ करोड़ से 50 करोड़ से अनधिक टर्न ओवर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 5 लाख रूपये क्षिप्रा एंड कंपनी प्रा. लि. उज्जैन को और द्वितीय पुरस्कर 3 लाख रूपये सुपर एजेंसी जबलपुर को दिया गया। इसी प्रकार डेढ़ करोड़ रूपये से कम टर्न ओवर श्रेणी में प्रथम पुरस्कार एक लाख रूपए ईएमआयएल माइंस एंड मिनरल रिर्सोसेस लि. भोपाल को और द्वितीय पुरस्कार 50 हजार रूपए टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड बैढ़न सिंगरौली को दिया गया। शासकीय विभाग, सार्वजनिक उपक्रमों की श्रेणी में एलआईसी भोपाल को प्रथम पुरस्कार 3 लाख रूपये और द्वितीय पुरस्कार मिनिस्ट्री ऑफ रेलवे जबलपुर को दो लाख रूपए से पुरस्कृत किया गया।

वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए भामाशाह पुरस्कार भी पाँच श्रेणियों में दिए गए। डेढ़ करोड़ रूपए से कम टर्न ओवर की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार एक लाख रूपए का टीएचडीसी इंडिया लि बैढन, सिंगरौली, 50 हजार रूपए का द्वितीय पुरस्कार उमरिया की चोंगले एंड कंपनी प्राइवेट लि. को दिया गया। इसी तरह डेढ़ करोड़ से 50 करोड़ रूपए तक के टर्न ओवर का पाँच लाख का प्रथम पुरस्कार छिंदवाड़ा की अक्षित ऑटो एजेंसीज और तीन लाख का दूसरा पुरस्कार पीथमपुर की एसईजी आटोमोटिव इंडिया प्राइवेट लि. को दिया गया। इसी तरह 50 करोड़ से 500 करोड़ रूपए तक टर्न ओवर में 7 लाख रूपए का पहला पुरस्कार सीएट लि. इंदौर और पांच लाख रूपए का दूसरा पुरस्कार इंदौर के जेके सीमेंट कंपनी को दिया गया। इसी प्रकार 5 सौ करोड़ से अधिक टर्न ओवर पर 10 लाख रूपए का प्रथम पुरस्कार लार्सन एंड टुब्रो लि. इन्फ्रास्ट्रक्चर वर्टिकल भोपाल को और 7 लाख रूपए का दूसरा पुरस्कार जावद नीमच के अल्ट्राटेक सीमेंट लि. को प्रदान किया गया। शासकीय विभाग और सार्वजनिक उपक्रमों की श्रेणी का 3 लाख रूपए का प्रथम पुरस्कार इंडियन आइल कार्पोरेशन लि. भोपाल को और 2 लाख रूपए का द्वितीय पुरस्कार जबलपुर के इंडियन रेलवे फायनेंस कॉरपोरेशन लि. को मिला।

समारोह में मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ मंच पर विभिन्न औद्योगिक और व्यापारिक संस्थानों संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इनमें श्री राजिंदर गुप्ता, श्री श्रेयस्कर चौधरी, श्री नवनीत श्री महेश गुप्ता, लघु उद्योग भारती उपस्थित थे।

किसानों के सशक्तिकरण के लिये संकल्पित शिव-राज..

धरती पुत्र शिवराज सिंह चौहान ने जबसे प्रदेश की कमान सम्हाली है, तभी से स्वर्णिम मध्यप्रदेश के सपने को साकार करने में हर पल गुजरा है। मुख्यमंत्री श्री चौहान कहते हैं कि प्रदेश के सर्वांगीण विकास में किसान की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने इसी सोच के मद्देनजर किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये निरंतर कार्य किये हैं, जो आज भी बदस्तूर जारी हैं। अपनी स्थापना के 67वें वर्ष में मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में अग्रणी प्रदेश है, जिसने कई कीर्तिमान रचते हुए लगातार 7 बार कृषि कर्मण अवार्ड प्राप्त किया है।

प्रदेश आज विकसित राज्यों की दौड़ में शामिल है। गेहूँ उत्पादन के साथ ही उपार्जन में भी हम अव्वल हैं। हमने पंजाब जैसे राज्यों को पीछे कर बता भी दिया है और जता भी दिया है कि प्रदेश के किसान मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ परिश्रम की पराकाष्ठा करने को दृढ़ प्रतिज्ञ हैं। गुणवत्ता में भी हम सबसे मुकाबला करने को तत्पर हैं। राज्य सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाएँ, कुशल और सक्षम नेतृत्व, वैज्ञानिकों के साथ ही किसानों की मेहनत का सुफल है कि प्रदेश की रायसेन मण्डी में धान समर्थन मूल्य से 1200 रूपये अधिक तक बिक रहा है। सरकार सतत प्रयास कर रही है कि किसानों को उनकी उपज का दोगुना से ज्यादा लाभ मिले। प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना से जनता को लाभान्वित करने में मध्यप्रदेश प्रथम पयदान पर है। उक्त योजना का लाभ देश में सबसे पहले हरदा जिले के किसान रामभरोस विश्वकर्मा को मिला। प्रदेश कृषि अधो-संरचना निधि के उपयोग में भी देश में अव्वल है। प्रदेश में इस निधि से 1508 प्रकरण में 852 करोड़ रूपये की राशि वितरित की गई है, जो देश में अब तक किये गये व्यय की कुल 45 प्रतिशत है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के साथ ही मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना में किसानों को प्रदेश सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 2-2 हजार रूपये की दो किश्तें प्रदान की जा रही हैं। अब तक प्रदेश के 80 लाख किसानों को 4751 करोड़ रूपये की राशि का भुगतान किया जा चुका है। प्रदेश प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से सबसे अधिक किसानों को लाभान्वित करने वाला राज्य है। योजना में रबी 2020-21 में ही 49 लाख किसानों को 7618 करोड़ रूपये की दावा राशि का भुगतान किया गया।

सरकार ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से किसानों को लाभान्वित करने के लिये वन ग्रामों को भी योजना में शामिल करना, फसल अधिसूचित करने के लिये न्यूनतम सीमा 100 के स्थान पर 50 हेक्टेयर करना, क्षति आकलन के लिये बीमा पोर्टल को लेण्ड रिकॉर्ड के एनआईसी पोर्टल से लिंक करना, अवकाश के दिनों में भी बैंक खुलवा कर किसानों का बीमा कराना और बीमा कव्हरेज के स्केल ऑफ फायनेंस को 100 प्रतिशत तक करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य किये।

प्रदेश सरकार द्वारा किसानों को जीरो प्रतिशत ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। सिंचाई सुविधाओं में अकल्पनीय विस्तार हुआ है। आज प्रदेश में सिंचित क्षेत्र का रकबा लगभग 45 लाख हेक्टेयर तक पहुँच चुका है। वर्ष 2025 तक इसे बढ़ाकर 65 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य सरकार ने रखा है। प्रदेश जैविक खेती में पहले स्थान पर है। गुड गवर्नेंस इण्डेक्स 2021 में कृषि संबद्ध क्षेत्र में मध्यप्रदेश नम्बर वन है। कृषि विकास के लिये प्रदेश में ड्रोन, डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस तकनीक पर काम हो रहा है। इसके लिये कृषि क्षेत्र में आधुनिक एवं उन्नत तकनीकों के प्रयोग के लिये अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थान, इंटरनेशनल सेंटर फॉर एग्रीकल्चर रिसर्च इन ड्राई एरिया (एकार्डा) की मदद ली जा रही है। एम-पोर्टल से एसएमएस द्वारा कृषि संबंधी सलाह किसानों को दी जा रही है।

मर्यादा पुरोषत्तम भगवान राम का आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो

श्रीश्री 1008 ददरौआ सरकार की अध्यक्षता में मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र

अन्तर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन में सनातन वैदिक संस्कृति के अंतराष्ट्रीय स्तर पर कार्य प्रचार प्रसार के लिए मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 संत रामदास जी महाराज ददरौआ सरकार को मातृभूमि मानस गौरव सम्मान से मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश ने सम्मानित किया।

सांस्कृतिक क्षरण को रोक सकती है गुरुकुल पद्धति की ध्येयनिष्ठ शिक्षा मातृभूमि सेवा मिशन के अन्तर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन में विचारकों ने दी दिशा। तेजी से हो रहे सांस्कृतिक क्षरण के इस दौर में संस्कृति को सहेजे रहने का सशक्तफ़ माध्यम यदि कोई है तो वह है रामायण। सही मायने में रामायण ही वह दीया है जो हमें असत् के अंधकार से सत्य के प्रकाश की ओर ले जाती है। गुरुकुल पद्धति से यह प्रकाश फैलाया जा सकता है और नौनिहालों को ध्येयनिष्ठ सांस्कृतिक दूत बनाया जा सकता है। मातृभूमि सेवा मिशन धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र की मध्यप्रदेश इकाई द्वारा ग्वालियर में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन में इस आशय के विचार देश-विदेश के मूर्धन्य विचारकों ने व्यक्त किए। सम्मेलन का शुभारंभ दंदरौआ धाम के महंत महामण्डलेश्वर संत रामदास जी महाराज ददरौआ सरकार, मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र, ऊर्जा विकास निगम के अध्यक्ष गिरिराज सिंह दण्डोतिया, संभागीय आयुक्त एम- के- अग्रवाल और नगर निगम कमिश्नर किशोर कन्याल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मातृभूमि सेवा मिशन का परिचय और स्वागत भाषण देते हुए मध्यप्रदेश के संयोजक अशोक शर्मा ने कहा संस्थान का उद्देश्य गुरुकुलों के माध्यम से वंचित और निराश्रित बच्चों को सनातन संस्कृति में ढाल कर शिक्षित करना है ।

मुख्यवक्त और मातृभूमि सेवा मिशन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने अपने उद्बोधन में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और रामायण का उल्लेख करते हुए कहा कि रामायण बताती है कि श्रीराम एक अनुशासित सच्चरित्र प्रबंधक है । वह अति पिछड़े और वंचित वर्ग को संगठित कर रावण के अनाचार का प्रतिकार कर विजयश्री का वरण करते हैं । इसके मूल में रघुराई को गुरुकुल पद्धति से मिली शिक्षा ही है । उन्होंने जोर देकर कहा कि तेजी से हो रहे सांस्कृतिक क्षरण के इस दौर में संस्कृति को सहेजे रहने का यदि कोई सशक्त माध्यम है तो वह है रामायण।

डॉ. श्रीप्रकाश मिश्र ने कहा आज के आधुनिक जीवन में आदमी ने विभिन्न खोजें की हैं। विज्ञान की ज्ञानोपासना अविरत जारी है। लेकिन विश्व में सुख का नंदनवन निर्माण होने की अपेक्षा आत्यंतिक भय से पीड़ित मानवी जीवन हम देख रहे हैं। इसका निश्चित कारण यह है कि भौतिक व विज्ञान से निर्मित ज्ञान ने मनुष्य के भीतर की पशुता नष्ट नहीं की है। मनुष्य के मन का भय खत्म

संदेश को आत्मसात करके ही सकता है-डॉ. श्री प्रकाश मिश्र

की ग्वालियर इकाई द्वारा अंतराष्ट्रीय रामायण सम्मेलन बाल भवन के सभागार में संपन्न

करने के लिए विज्ञान का कोई उपयोग नहीं हुआ है। यह हम कोरोना के जरिए आज अनुभव कर चुके हैं। डॉ. मिश्र ने कहा आज आवश्यकता है कि हम मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन से प्रेरणा लेकर भविष्य के भारत में अपने दायित्व का निर्वाह करें। मर्यादा पुरोषत्तम भगवान राम का संदेश को आत्मसात करके ही आत्मनिर्भर भारत का निर्माण हो सकता है भारतीय संस्कृति को विश्व में क्या निर्माण करना है? इसका उत्तर भारतीय संस्कृति में उत्पन्न रामायण व राम के आदर्श जीवन से मिलता है।

कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि संभागीय आयुक्त एम. के. अग्रवाल ने मातृभूमि सेवा मिशन के सेवा कार्यों की भूरि भूरि प्रशंशा करते हुए कहा वास्तविक रूप से मातृभूमि सेवा मिशन मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों को आत्मसात कर राष्ट्र निर्माण में समर्पित है। कार्यक्रम को अनेक विद्वतजनों ने संबोधित किया।

रामायण सम्मेलन को नगर निगम कमिश्नर किशोर कन्याल ने स्वच्छता से जोड़ा और सदविचारों के लिए सभी तरह की स्वच्छता को जरूरी बताया। उन्होंने मातृभूमि सेवा मिशन को राष्ट्र निर्माण की महावपूर्ण प्रयोगशाला बताते हुए बच्चों का उत्साहवर्धन किया। मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम के अध्यक्ष पूर्व विधायक गिरिराज सिंह दण्डोतिया ने जल संरक्षण-संवर्धन पर जोर दिया और जलवायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए ग्रीन ऊर्जा के अधिक से अधिक इस्तेमाल की सलाह दी। उन्होंने कहा मातृभूमि सेवा मिशन ग्वालियर इकाई द्वारा समाज सेवा का अनुकरणीय कार्य किया जा रहा है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में दंदरौआ धाम के महंत महामण्डलेश्वर रामदास महाराज ने मातृभूमि सेवा मिशन के प्रयासों की भूरि भूरि प्रसंशा की और गुरुकुल के विकास में हर तरह के सहयोग का भरोसा दिया । उन्होंने कहा भगवान राम की शिक्षाओं के अनुकरण से ही भारत पुनः विश्व गुरु बन सकता है। समारोह के प्रारंभ में मातृभूमि सेवा मिशन, कुरुक्षेत्र द्वारा संचालित मातृभूमि शिक्षा मंदिर के गुरुकुल के छात्रें ने मधुर गीतों पर योग-व्यायाम का प्रदर्शन किया। अन्तर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन में सनातन वैदिक संस्कृति के अंतराष्ट्रीय स्तर पर कार्य प्रचार प्रसार के लिए मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा ददरौआ सरकार को मातृभूमि मानस गौरव सम्मान से मिशन के संस्थापक डॉ. श्रीप्रकाश ने सम्मानित किया।

अन्तर्राष्ट्रीय रामायण सम्मेलन में समाज सेवा में उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रेम पचौरी, श्रीमती श्वेता व्यास, श्रीमती अर्पणा नायक, रामहेत शर्मा, पुरुषोत्तम झा सहित अनेक समाजसेवियों को मातृभूमि सेवा मिशन की ओर से श्रीफल, अंगवस्त्र, प्रशस्ति पत्र एवं स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर ग्वालियर नगर सहित अनेक जनपदों के सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं गणमान्य जन उपस्थित रहे। संपूर्ण समारोह का संचालन विदुषी अपर्णा नायक ने अत्यंत मधुर और संदेश मूलक सूक्तियों के साथ किया। कार्यक्रम का समापन विश्व मंगल की कामना से हुआ। ग्वालियर नगर की विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा मातृभूमि सेवा मिशन द्वारा संचालित मातृभूमि शिक्षा मंदिर के विद्यार्थियों को उत्कृष्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला, रेप मामलों में बैन किया टू फिंगर टेस्ट

सुप्रीम कोर्ट ने 31 अक्तूबर को रेप के मामलों में अहम सुनवाई करते हुए टू फिंगर टेस्ट को बैन कर दिया है। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान सख्ती से ये चेतावनी दी है कि अगर किसी व्यक्ति को टू फिंगर टेस्ट का परीक्षण करते हुए पाया गया तो उस व्यक्ति को दोषी करार दिया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने रेप मामलों में सुनवाई करते हुए एक बड़ा फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट ने रेप मामलों में टू फिंगर टेस्ट पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा कि टू फिंगर टेस्ट करने वालों को दोषी माना जाएगा। कोर्ट का कहना है कि आज भी देश में टू फिंगर टेस्ट किया जा रहा है, जबकि इसके परीक्षण का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है। रेप और यौन उत्पीड़न के मामलों में इस टेस्ट के इस्तेमाल की कई बार न्यायालय ने निंदा की है। इस मामले पर जस्टिस चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि टू फिंगर टेस्ट पर मुकदमा चलना चाहिए। इस टेस्ट से पीड़ित को आघात होता है। इस परिक्षण को करने वालों के खिलाफ मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

स्टडी मैटिरियल से हटे टेस्ट

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि इस संबंध में मेडिकल कॉलेजों के स्टडी मेटेरियल से इस टेस्ट को हटाया जाए। पीड़िता की जांच करने वाली अवैज्ञानिक विधि से पीड़िता को आघात होता है। कोर्ट ने कहा कि टू फिंगर टेस्ट करने से पीड़िता को फिर से प्रताड़ित किया जाता है। इस टेस्ट के जरिए महिला को फिर से घटना की याद दिलाई जाती है।

कोर्ट ने बदला HC का आदेश

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के आदेश को भी पलट दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान ये बड़ा फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2013 में कोर्ट टू फिंगर टेस्ट को असंवैधानिक माना था। कोर्ट ने पहले भी कहा था कि ऐसा परीक्षण नहीं होना चाहिए।

केंद्र सरकार भी कर चूकी है विरोध

बता दें कि केंद्र सराकर टू फिंगर टेस्ट को अवैज्ञानिक घोषित कर चुकी है। वर्ष 2014 में स्वास्थ्य मंत्रालय ने रेप पीड़िताओं के लिए नई गाइडलाइन बनाई थी, जिसमें अस्पतालों के लिए निर्देश जारी किए गए थे। इसके जरिए सभी अस्पतालों में फॉरेंसिक और मेडिकल एग्जामिनेशन के लिए खास कक्ष बनाए जाने का नियम बनाया था। स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए नियमों में भी टू फिंगर टेस्ट को मना किया गया है। गाइडलाइंस में साफ किया गया है कि असॉल्ट की हिस्ट्री को रिकॉर्ड किया जाए। पीड़िताओं को मानसिक परामर्श दिए जाने का सुझाव भी सरकार द्वारा दिया गया है।

किया गया था कमेटी का निर्माण

जानकारी के लिए बता दें दि निर्भया कांड के बाद जस्टिस वर्मा कमेटी का निर्माण किया गया था। कमेटी ने 657 पेजों की रिपोर्ट पेश की थी जिसमें कहा गया था कि टू फिंगर टेस्ट के जरिए वजाइना की मांसपेशियों का लचिलापन जानने में मदद मिलती है। ये दर्शाता है कि महिला सेक्सुअली एक्टिव थी या नहीं। हालांकि ये टेस्ट ये बताने में सक्षम नहीं है कि संबंध महिला की मर्जी से बनाए गए या नहीं। ऐसे में इस टेस्ट को बंद करने की मांग की गई थी।

लोकतंत्र के अंदर वोट उसी को देना चाहिए, जो जनता के काम का हिसाब दे-शाह

हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन दिया। सोलन में मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने का काम किया। ऊना में बल्क ड्रग फार्मा पार्क बनाने का काम किया। चंबा, नाहन, हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज का उन्नयन किया। हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में जनसभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने हिमाचल को धुआं मुक्त बनाने का काम किया। बिलासपुर में एम्स का निर्माण किया गया। चम्बा, नाहन और हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज का उन्नयन किया गया। 48 अस्पतालों में मोदी जी ने ऑक्सीजन प्लांट बनाने सहित विकास के कई काम किये। हिमाचल प्रदेश को वंदे भारत ट्रेन दिया। सोलन में मेडिकल डिवाइस पार्क बनाने का काम किया। ऊना में बल्क ड्रग फार्मा पार्क बनाने का काम किया। चंबा, नाहन, हमीरपुर में मेडिकल कॉलेज का उन्नयन किया।

भाजपा ने ढेर सारे काम यहां पर किए हैं। जल शक्ति योजना के तहत 2 लाख घरों में पानी पहुंचाया। धर्मशाला को विश्वस्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर देने का काम किया। धर्मशाला स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत 567 करोड़ रुपया नरेंद्र मोदी जी ने भेजा है। सौभाग्य योजना के तहत हिमाचल के अंदर हर घर बिजली पहुंची है। 7 लाख परिवारों को प्रति व्यक्ति प्रति माह 5 किलो मुफ्त अनाज देने का काम नरेन्द्र मोदी जी ने किया है। 8 लाख 67 हजार परिवारों को नल से जल पहुंचाने का काम भाजपा सरकार ने किया है।

लोकतंत्र के अंदर वोट उसी को देना चाहिए जो जनता के काम का हिसाब भी दे। मैं आज आपके सामने, नरेन्द्र मोदी सरकार और जयराम सरकार के कामों का हिसाब देने आया हूं। कांग्रेस के राहुल बाबा तो धर्मशाला आएंगे नहीं, लेकिन उनकी पार्टी के लोग जरूर आएंगे। मेरा आप सबसे निवेदन है कि उनसे हिसाब जरूर मांगिएगा।

राज्यपाल ऊर्जा और पर्यावरण-संरक्षण संगोष्ठी में हुए शामिल

सुरक्षित पर्यावरण के लिए जीवन पद्धति में बदलाव जरूरी : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि ऊर्जा और पर्यावरण-संरक्षण के लिए हर व्यक्ति और हर घर को पहल करनी होगी। उन्होंने कहा कि भावी पीढ़ी को सुरक्षित पर्यावरण देने के लिए जीवन पद्धति में बदलाव लाना और भारतीय जीवन-शैली को अपनाना होगा। राज्यपाल श्री पटेल विज्ञान भवन के जगदीश चन्द्र बसु सभागार में केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और विज्ञान भारती द्वारा आयोजित ऊर्जा और पर्यावरण-संरक्षण संगोष्ठी का समापन कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने पूर्वजों की जीवन-शैली का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय जीवन पद्धति पर्यावरण-सरंक्षण का प्रभावी तरीका है। स्टील और सीमेंट से मकान बनेंगे तो एयर कंडीशनिंग भी करनी होगी। जरूरत यह समझने की है कि पर्यावरण हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि परिवार के सदस्य जन्म-दिवस पर एक पौधे का रोपण अवश्य करें। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रतिदिन पौधा रोपण की पहल की है, जो सराहनीय है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आधुनिक जीवन की पर्यावरणीय चिंताओं, ग्लोबल वार्मिंग, क्लाइमेट चेंज आदि के मूल में मानव के कार्य ही है। अतः ऊर्जा और पर्यावरण-संरक्षण के लिए चिंता एवं संचेतना को आचरण में उतारना जरूरी है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री श्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा कि पर्यावरण-सरंक्षण के लिए ऊर्जा की उत्पादन लागत में कमी लाने पर विचार की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वातावरण में प्रदूषण नहीं हो, ऊर्जा का सरंक्षण हो, इसके लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्त्रोतों पर विचार किया जाना जरूरी है। मंत्री श्री सखलेचा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से हरित और हाइड्रोजन ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा एवं पर्यावरण-सरंक्षण के लिए ऊर्जा की जरूरतों में कमी करने की नहीं, ईको फ्रेंडली ऊर्जा के विकल्प को अपनाने और जीवन शैली में बदलाव की पहल करने की जरूरत हैं।

अब बेटियों के नाम पर होंगी प्रदेश की सड़कें

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि बड़े लोगों के नाम पर सड़क का नाम रखने की परंपरा पुरानी है। देश दुनिया में आज पहली बार बेटियों के नाम पर किसी मार्ग का नामकरण किया जा रहा है। भोपाल में भारत माता चौराहे से पॉलिटेक्निक चौराहे तक का मार्ग जो अभी स्मार्ट सिटी सड़क से जाना जाता है, अब 'लाड़ली लक्ष्मी पथ' के रूप में जाना जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान भारत माता चौराहे पर 'लाड़ली लक्ष्मी पथ' लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बेटियों के सम्मान से बड़ा कोई दूसरा सम्मान नहीं है। हमने तय किया है कि प्रदेश के सभी 52 जिलों में 'लाड़ली लक्ष्मी पथ' विकसित किए जाएंगे। इन पथ के दोनों ओर बालिकाओं और महिलाओं के कल्याण एवं उन्नति के लिए संचालित योजनाओं, महिला सशक्तिकरण से संबंधित जानकारियाँ प्रदर्शित की जाएंगी। इससे माँ-बहन, बेटियाँ और समाज जागरूक होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना का

क्रियान्वयन मेरे जीवन का सबसे महत्वपूर्ण काम रहा है। बेटियाँ सक्षम हों, प्रसन्न रहें और अपने जीवन में उपलब्धियाँ अर्जित करें, यही मेरी कामना है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कार्यक्रम में शामिल लाड़ली लक्ष्मियों का पुष्प-वर्षा कर अभिवादन किया और उन्हें आशीर्वाद दिया। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ लाड़ली लक्ष्मियों ने सेल्फी भी ली। शहडोल से आई लाड़ली लक्ष्मी अवनि श्रीवास्तव ने बताया कि योजना से मिली राशि से उन्हें उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सहायता मिली है। अवनि वर्तमान में बीसीए का कोर्स कर रही हैं।

भ्रष्टाचारी बचने नहीं चाहिए

जांच एजेंसियों को रक्षात्मक होने की जरूरत नहीं : मोदी

भ्रष्टाचार रोधी एजेंसियों के प्रति बेहिचक समर्थन जताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने वाले संगठनों को ना तो रक्षात्मक होने की और ना ही अपराध बोध में जीने की जरूरत है क्योंकि निहित स्वार्थ वाले उनके काम में बाधा डालने और उन्हें बदनाम करने की कोशिश करते रहेंगे।

भ्रष्टाचार रोधी एजेंसियों के प्रति बेहिचक समर्थन जताते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के विरूद्ध कार्रवाई करने वाले संगठनों को ना तो रक्षात्मक होने की और ना ही अपराध बोध में जीने की जरूरत है क्योंकि निहित स्वार्थ वाले उनके काम में बाधा डालने और उन्हें बदनाम करने की कोशिश करते रहेंगे। यहां विज्ञान भवन में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी कीमत पर भ्रष्टाचारी बचने नहीं चाहिए और उन्हें राजनीतिक व सामाजिक प्रश्रय भी नहीं मिलना चाहिए।

मोदी ने कहा, "भ्रष्ट लोग कितने भी शक्तिशाली क्यों न हों, उन्हें किसी भी परिस्थिति में नहीं बचाना चाहिए, यह आप जैसे संगठनों की जिम्मेदारी है। किसी भी भ्रष्ट व्यक्ति को राजनीतिक-सामाजिक समर्थन न मिले, हर भ्रष्ट व्यक्ति को समाज कटघरे में खड़ा करे, ऐसा माहौल बनाना भी जरूरी है। उन्होंने भ्रष्टाचार एक बड़ी बुराई बताया और सभी को इससे दूर रहने की सलाह दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने वाले सीवीसी जैसे संगठनों और एजेंसियों को रक्षात्मक होने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि देश की भलाई के लिए काम करने वालों को अपराध बोध में जीने की जरूरत नहीं है।

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने अनुभव साझा करते हुए मोदी ने कहा, देश के लिए ईमानदारी से काम करते समय कुछ भी अगर इस प्रकार के विवाद खड़े होते हैं तो आपको रक्षात्मक होने की जरूरत नहीं है। समाज आपके साथ खड़ा होता है। मोदी ने कहा कि सभी सरकारी एजेंसियों को तंत्र को बदलने के लिए काम करना चाहिए और भ्रष्टाचार की परिपाटी समाप्त होनी चाहिए क्योंकि भारत आजादी की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा, किसी राजनीतिक एजेंडे पर काम करने की जरूरत नहीं है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन को आसान बनाने की दिशा में काम करने की जरूरत है। जिनके निहित स्वार्थ हैं वे कार्रवाई में बाधा डालने और इन संस्थानों से जुड़े व्यक्तियों को बदनाम करने की कोशिश करेंगे।

उन्होंने कहा कि जनता जनार्दन है और वह सत्य को जानती और समय आने पर सच्चाई के समर्थन में खड़े भी होती है।" प्रधानमंत्री ने सभी से समर्पण के साथ अपने कर्तव्यों को पूरा करने के लिए सत्य के मार्ग पर चलने का आग्रह किया और जोर देकर कहा, जब आप दृढ़ विश्वास के साथ कार्रवाई करते हैं, तो पूरा देश आपके साथ खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि देश को एक ऐसा प्रशासनिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करना है, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहिष्णुता रखता हो। प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार विरोधी प्रयासों के लिए सरकारी विभागों को रैंकिंग देने का सुझाव देते हुए कहा, हमें मिशन मोड पर सरकारी अधिकारियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई को अंतिम रूप देने की आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हर भ्रष्टाचारी को समाज के कटघरे में खड़ा किए जाने का वातावरण बनाना बहुत आवश्यक है क्योंकि भ्रष्टाचार के मामले में जेल की सजा होने के बावजूद कई बार भ्रष्टाचारियों का गौरवगान भी किया जाता है। उन्होंने कहा, मैं तो देखता हूं कि ईमानदारी का ठेका लेने वाले लोग, उनके साथ (भ्रष्टाचारियों) फोटो खिंचवाने में भी शर्म नहीं करते। यह स्थिति भारतीय समाज के लिए ठीक नहीं है। ऐसे लोगों को समाज द्वारा कर्तव्य का बोध कराया जाना बहुत आवश्यक है।

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस के नेतृत्व वाली पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि गुलामी के लंबे कालखंड से भ्रष्टाचार, शोषण की और संसाधनों पर नियंत्रण की जो विरासत मिली, दुर्भाग्य से आजादी के बाद इसे और विस्तार मिला। उन्होंने कहा कि इसने इस देश की कम से कम चार पीढ़ियों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है लेकिन आजादी के अमृतकाल (अगले 25 सालों का कालखंड) में दशकों से चली आ रही इस परिपाटी को पूरी तरह बदल देना है। उन्होंने कहा, हम पिछले आठ वर्षों से 'अभाव और दबाव' से बनी व्यवस्था को बदलने का प्रयास कर रहे हैं और मांग व आपूर्ति के अंतर को भरने की कोशिश कर रहे हैं। इसके लिए हमने तीन रास्ते चुने हैं। एक आधुनिक प्रौद्योगिकी का रास्ता है, दूसरा मूल सुविधाओं को पूरा करने का लक्ष्य है और तीसरा आत्मनिर्भरता का रास्ता है।

उन्होंने कहा कि किसी भी सरकारी योजना के हर पात्र लाभार्थी तक पहुंचने और शत प्रतिशत लक्ष्य को हासिल करने से समाज में भेदभाव भी समाप्त होता है और भ्रष्टाचार की गुंजाइश को भी खत्म कर देता है। रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे इस क्षेत्र में घोटाले की संभावना भी समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा, राइफल से लेकर फाइटर जेट और ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट तक आज भारत खुद बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत के लिए हमें एक ऐसा प्रशासनिक इकोसिस्टम विकसित करना है जो भ्रष्टाचार पर शून्य सहिष्णुता रखता हो।

मोदी ने कहा कि ये सतर्कता सप्ताह उन सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती से शुरू हुआ है जिनका पूरा जीवन ईमानदारी, पारदर्शिता और इससे प्रेरित जन सेवा के निर्माण के लिए समर्पित रहा। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सीवीसी के नए 'शिकायत प्रबंधन प्रणाली' पोर्टल का उद्घाटन भी किया।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस बोलीं-

आम नागरिक की तरह जीना चाहती हूं, नहीं चाहिए सुरक्षा

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि वह 'ट्रैफिक क्लीयरेंस व्हीकल' को वापस ले लें जो उन्हें उनके सुरक्षा विवरण के हिस्से के रूप में प्रदान किया गया था। महाराष्ट्र के गृह विभाग को रिपोर्ट करने वाली राज्य खुफिया विभागने हाल ही में अमृता फडणवीस को एक्स से वाई + (एस्कॉर्ट के साथ) विशेष रूप से सुरक्षा अपग्रेड के साथ एक ट्रैफिक क्लीयरेंस वाहन आवंटित किया। बता दें कि देवेंद्र फडणवीस के पास गृह विभाग भी है।

अमृता फडणवीस ने अपने ट्विट में कहा कि मैं मुंबई की आम नागरिक की तरह रहना चाहता हूं। मैं विनम्रतापूर्वक मुंबई पुलिस से अनुरोध करती हूं कि मुझे ट्रैफिक क्लीयरेंस पायलट वाहन प्रदान न करें। मुंबई में ट्रैफिक की स्थिति निराशाजनक है, लेकिन मुझे यकीन है कि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस द्वारा इंफ्रा और विकास परियोजनाओं के साथ हमें जल्द ही राहत मिलेगी। Y+ (एस्कॉर्ट के साथ) श्रेणी में अपग्रेड एक एस्कॉर्ट वाहन और पांच पुलिसकर्मियों के साथ आता है जो चौबीसों घंटे सुरक्षा प्रदान करते हैं। 'ट्रैफिक क्लीयरेंस व्हीकल' एक पायलट वाहन के समान कर्तव्यों का पालन करता है, अपनी यात्रा के दौरान असाइनी के लिए ट्रैफ़िक साफ़ करता है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि

मुंबई पुलिस के सुरक्षा और सुरक्षा विभाग ने यातायात अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भेज दिए हैं, अमृता फडणवीस को अभी तक नए आवंटित यातायात निकासी वाहन का उपयोग नहीं करना था। अपग्रेड के बारे में पूछे जाने पर, देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अमृता फडणवीस ने किसी भी सुरक्षा अपग्रेड के लिए आवेदन नहीं किया है।

ओमीक्रोन के नये स्वरूप के चलते अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में खास वृद्धि नहीं : विशेषज्ञ

विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोना वायरस संक्रमण के ओमीक्रोन, एक्सएक्सबी और बीक्यू प्वाइंट-1 के नये वेरिएंट से महाराष्ट्र में लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की संख्या में कोई खास वृद्धि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वायरस के इन स्वरूपों के कारण मरीजों के शरीर में पैदा होने वाले लक्षण हल्के होते हैं। मुलुंड के फोर्टिस अस्पताल में संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ अनीता मैथ्यू ने कहा कि नये स्वरूप के मरीजों में काफी हद तक लक्षण नज़र नहीं आये हैं। उन्होंने पीटीआई- को बताया, कई लोग आकस्मिक कोविड-19 से संक्रमित हुए हैं। दूसरे शब्दों में, वह अन्य स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों के लिए अस्पताल गये और कोरोना वायरस संक्रमण की चपेट में आ गये। कोविड-19 के शुरुआती दौर में संक्रमित हुए मरीजों में सूंघने की शक्ति में कमी, स्वाद न आना जैसे लक्षण प्रमुखता से देखे गये थे, लेकिन अभी के रोगियों में इस तरह के लक्षण नज़र नहीं आते हैं। बहुत सारे मरीज सर्दी और खांसी से प्रभावित हैं, इसलिए वह लोग घर पर इलाज करते हैं और जांच के लिए नहीं जाते

हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में टीकाकरण महत्वपूर्ण है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पिछले सप्ताह (तीन से नौ अक्टूबर) की तुलना में 10 से 16 अक्टूबर के दौरान कोविड-19 के 17 प्रतिशत अधिक मामले दर्ज किए गए। यह वृद्धि मुख्य रूप से ठाणे, रायगढ़ और मुंबई, सभी घनी आबादी वाले जिलों में देखी गई। विभाग ने यह भी आगाह किया था कि सर्दी और त्योहारी सीजन के दौरान कोरोना वायरस के मामले बढ़ सकते हैं, जिसमें नए स्वरूपों का हवाला दिया गया था, जिनकी संक्रामक क्षमता अधिक है। डॉ वसंतपुरम रवि, वायरोलॉजिस्ट, हेड, आरएंडडी, टाटा मेडिकल एंड डायग्नोस्टिक्स ने कहा कि वायरस का नया स्वरूप और प्रकार गंभीरता और लक्षणों की स्थिति के मामले में ओमीक्रोन से अलग नहीं थे। उन्होंने कहा, यह ओमीक्रोन के दो स्वरूप 3.75 और बीजे-एक का एक हाइब्रिड प्रकार है, जिसके कारण प्रोटीन में इसका एक नया उत्परिवर्तन होता है जो इसे टीकों द्वारा उत्पन्न प्रतिरोधक क्षमता से सुरक्षित कर देता है।

मोदी ने गहलोत की बड़ाई की, इसे इतना हल्के में न लें : पायलट

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बड़ाई किए जाने पर कटाक्ष करते हुए बुधवार को इसे रोचक घटनाक्रम बताया और पार्टी आलाकमान से राज्य में मुख्यमंत्री पद को लेकर अनिर्णय की स्थिति को समाप्त करने के लिये कहा। इसके साथ ही पायलट ने सितंबर में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक का बहिष्कार करते हुए गहलोत के समर्थन में विधायकों के शक्ति प्रदर्शन की अगुवाई करने वाले राजस्थान के नेताओं के खिलाफ कार्रवाई किए जाने पर जोर दिया।

पायलट के इस ताजा बयान को कांग्रेस की राजस्थान इकाई में गहलोत एवं पायलट खेमों के बीच खींचतान को फिर से शुरू होने का संकेत माना जा रहा है। यह खींचतान पार्टी के अध्यक्ष पद के चुनाव के चलते कई दिनों से थमी हुई थी। वहीं मुख्यमंत्री गहलोत ने पायलट व अन्य नेताओं के ताजा बयान संबंधी सवाल को यह कहते हुए टाल दिया, नेताओं को ऐसे बयान नहीं देने चाहिए।

साल 2020 में गहलोत के खिलाफ कुछ विधायकों के विद्रोह का नेतृत्व करने वाले पायलट ने बांसवाड़ा जिले के मानगढ़ धाम में मंगलवार को हुए कार्यक्रम का जिक्र करते हुए गहलोत पर निशाना साधा। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री जी ने कल जो बयान दिए, जो बड़ाइयां कीं... मैं समझता हूं कि एक बड़ा दिलचस्प घटनाक्रम है। क्योंकि इसी प्रकार प्रधानमंत्री जी ने सदन में गुलाम नबी आजाद की बड़ाइयां की थीं, उसके बाद का घटनाक्रम हम सबने देखा है।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता आजाद ने पार्टी छोड़कर खुद की पार्टी बनाई है। पायलट ने आगे कहा, तो कल का घटनाक्रम बड़ा रोचक था, जो प्रधानमंत्री जी ने स्वतः ही बड़ाइयां की हैं, इसको मैं बड़ा रोचक मानता हूं और इसे इतना हल्के में नहीं लेना चाहिए। पायलट ने एक तरह से पार्टी आलाकमान द्वारा उन स्थानीय नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उल्लेखनीय है कि 25 सितंबर को मुख्यमंत्री आवास पर कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई गई थी।

इसे कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव से पहले मुख्यमंत्री को बदलने की कवायद के रूप में देखा गया क्योंकि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अध्यक्ष पद की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था। हालांकि, सीएलपी की बैठक नहीं हो सकी क्योंकि गहलोत के वफादार विधायकों ने संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल के आवास पर समानांतर बैठक की और सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के किसी भी संभावित कदम के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

इन विधायकों का कहना था कि अगर विधायक दल का नया नेता चुनना है तो वह उन 102 विधायकों में से हो जिन्होंने जुलाई 2020 में राजनीतिक संकट के दौरान अशोक गहलोत सरकार का समर्थन किया था। तब पायलट और 18 अन्य विधायकों ने गहलोत के खिलाफ बगावत की थी। इसके बाद कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति ने मंत्री शांति धारीवाल और महेश जोशी तथा पार्टी के नेता धर्मेंद्र राठौड़ को उनकी इस घोर अनुशासनहीनता के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया और उनसे 10 दिन के भीतर यह बताने के लिए कहा कि उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। पायलट ने कहा कि राज्य में विधानसभा चुनाव के लिए अब केवल 13 महीने बचे हैं और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एआईसीसी विधायक दल की बैठक बुलाने सहित कोई भी फैसला जल्द करेगी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि पार्टी जल्द ही उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी जिन्हें सितंबर में अनुशासनहीनता के लिए नोटिस दिया गया था। पायलट ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक के समानांतर बैठक करने के मामले में पार्टी द्वारा नोटिस जारी किए जाने के मामले में जल्द कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा, जहां पर अनुशासनहीनता पर कार्रवाई करने का सवाल है तो यह मल्लिकार्जुन खरगे, अजय माकन, केसी वेणुगोपाल जी के पूरे संज्ञान में है। उस पर भी जल्द कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा, मैं ऐसा मानता हूं कि कांग्रेस एक पुरानी व अनुशासित पार्टी है। इसमें सबके लिए नियम कायदे बराबर होते हैं तो जो अनुशासनहीनता की या उसके जवाब मांगे गए जवाब दिए तो उस पर शीघ्र फैसला किया जाना चाहिए क्योंकि कोई व्यक्ति कितना भी बड़ा हो पार्टी का अनुशासन व कानून सब पर लागू होता है। उन्होंने कहा, राजस्थान में भी जो ये अनिर्णय का जो माहौल बना हुआ है उसको भी समाप्त करने का मुझे लगता है कि समय आ गया है औरबहुत जल्द पार्टी इस पर कार्रवाई करेगी। पायलट के इस बयान से तात्पर्य राज्य में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों से जोड़कर देखा जा रहा है।

सोनिया के नेतृत्व वाले दो एनजीओ का एफसीआरए लाइसेंस रद...

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के नेतृत्व वाले दो गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) और राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट (आरजीसीटी) का विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) लाइसेंस कानून के उल्लंघन के आरोप में निरस्त कर दिया है। गृह मंत्रालय की ओर से 2020 में गठित एक अंतर-मंत्रालयी समिति की जांच के बाद यह कार्रवाई की गई। कांग्रेस ने कहा कि इस कार्रवाई के पीछे सरकार का उद्देश्य आम जनता का रोजमर्रा के मूल मुद्दों से ध्यान भटकाना है। वहीं, भाजपा ने कहा कि गांधी परिवार और इससे जुड़े संगठन कानून से ऊपर नहीं हो सकते।

इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि राजीव गांधी फाउंडेशन और राजीव गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट के खिलाफ जांच के बाद उनका एफसीआरए लाइसेंस निरस्त कर दिया गया है। जांचकर्ताओं ने चीन सहित विदेशों से धन प्राप्त करते समय धनशोधन करने, निधि के दुरुपयोग और आयकर रिटर्न दाखिल करते समय दस्तावेजों के हेरफेर के आरोपों की जांच की। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी आरजीएफ और आरजीसीटी की अध्यक्ष हैं। आरजीएफ के अन्य न्यासियों में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम, कांग्रेस के नेता एवं सांसद राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, मोंटेक सिंह अहलूवालिया, सुमन दुबे और अशोक गांगुली शामिल हैं। आरजीसीटी के न्यासियों में राहुल गांधी, अशोक गांगुली, बंसी मेहता और दीप जोशी शामिल हैं। आरजीएफ की वेबसाइट के अनुसार, इसकी स्थापना 1991 में हुई थी। आरजीएफ ने 1991 से 2009 तक महिलाओं, बच्चों और अक्षम लोगों को मदद देने के अलावा स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और शिक्षा क्षेत्र सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में काम किया।

देश के वंचित तबके के लोगों, खासकर गांवों में रहने वाले गरीबों के विकास की आवश्यकता को पूरा करने के लिए 2002 में आरजीसीटी की स्थापना की गई थी। गृह मंत्रालय ने जुलाई 2020 में धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), आयकर अधिनियम और एफसीआरए के संभावित उल्लंघन की जांच के लिए एक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अधिकारी की अध्यक्षता में अंतर- मंत्रालयी समिति की स्थापना की थी, जिसके बाद ये एनजीओ जांच के घेरे में आए थे। इनके अलावा इंदिरा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट भी जांच के दायरे में आया था। बहरहाल, अभी तक तीसरे संगठन के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सरकार की कार्रवाई पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि सरकार लोगों का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने के लिए यह सब कर रही है।

उन्होंने कहा कि इन ट्रस्टों द्वारा हर साल ऑडिट, कार्यक्रम गतिविधियां, वित्तीय ब्योरा और रिटर्न दाखिल करने की सभी आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया का पालन किया जाता है। इनकी गतिविधियां पूरी तरह से सर्वविदित और पारदर्शी हैं। वहीं, भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने दावा किया कि कानूनों के कथित उल्लंघन पर आरजीएफ और आरजीसीटी के लाइसेंस रद्द करने के गृह मंत्रालय के फैसले ने उनके भ्रष्टाचार को उजागर कर दिया है। पात्रा ने कहा कि मोदी सरकार ने कानून और संविधान के अनुरूप काम किया है।

शीला ने किया था आवास योजना का शिलान्यास, मोदी सरकार में छह साल विलंब हुआ : कांग्रेस

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिल्ली के कालकाजी इलाके में आवासों का उद्घाटन किए जाने की पृष्ठभूमि में बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए शीला दीक्षित ने 2013 में इस आवासीय योजना का शिलान्यास किया था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकर ने इसमें छह साल का विलंब कर दिया और आवंटित बजट में 68 प्रतिशत की वृद्धि भी कर दी। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके किसी विधायक ने योजना के विलंब को लेकर एक बार भी सवाल नहीं किया। प्रधानमंत्री मोदी ने राजधानी दिल्ली के कालकाजी इलाके में झुग्गी-झोपड़ीवासियों के पुनर्वास के लिए नवनिर्मित 3,024 ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) आवासों का उद्घाटन किया और लाभार्थियों को घर की चाबी सौंपीं। सुप्रिया श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, ये 3024 वो फ्लैट हैं जो 'इन सिटू स्कीम' (झुग्गी के स्थान पर ही आवास) योजना के तहत बनाए गए हैं, जिनका शिलान्यास 18 सितंबर 2013 को पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित जी ने किया था। उनके अनुसार, इस योजना के तहत कुल 8064 घर बनने थे। इसके पहले चरण में 3024 घर बनने थे जो 2013 में शुरू होता और 2016 में ख़त्म हो जाता। लेकिन पहला चरण 2022 के आखिर में पूरा हुआ है। इसमें छह साल का विलंब हुआ। सुप्रिया ने दावा किया, इसकी कुल लागत 206 करोड़ थी जो अब 345 करोड़ में बना है।

नाबालिगों को घसीटने के मामले में पुलिस का गैर जिम्मेदाराना रवैया सामने आया

31 घंटे बाद मौका-नक्शा बनाया, 25 घंटे बाद आरोपितों को ढूंढने गई पुलिस...

रविवार दोपहर तीन बजे तो पुलिस अफसर पीड़ितों कथन लेकर मौका मुआयना करने पहुंचे। एक नाबालिग को घटना स्थल पर ले गए और मौका नक्शा बनाया। इस दौरान पीड़ित की दो बहनें भी मौजूद रही। नाबालिगों को रस्सी से बांधकर घसीटने वाले आरोपित दूसरे दिन भी फरार हैं।राजेंद्रनगर पुलिस भी गंभीर नहीं है।घटना के 31 घंटे बाद पुलिस मौका-नक्शा बनाने पहुंची।एफआइआर करने के 25 घंटे बाद आरोपितों की तलाश में छापे मारे गए।इस बीच आरोपितों को भनक लग गई और मोबाइल छोड़ कर फरार हो गए।

चोइथराम सब्जी मंडी में शनिवार सुबह 13 एवं 17 वर्षीय नाबालिगों पर चोरी का इल्जाम लगाया गया था।आलू-प्याज व्यापारी अजय वर्मा,सुनील वर्मा और शांतिलाल आदि ने दोनों को रस्सी से बांध कर लोडिंग वाहन से घसीट दिया था। राजेंद्रनगर पुलिस ने सुनील वर्मा के खिलाफ केस तो दर्ज किया पर जांच में गंभीरता नहीं दिखाई। रविवार दोपहर एक टीम काटकूट(बड़वाह) रवाना की, लेकिन जब तक आरोपित घरों से फरार हो गए।अजय और सुनील तो फोन भी घर छोड़ कर चले गए। स्वजन से पूछताछ की तो बताया इंटरनेट मीडिया और अखबारों से खबर मिल गई थी कि उनके खिलाफ केस दर्ज हुआ है।पुलिसकर्मियों ने दबाव बनाने के लिए रिश्तेदारों को हिरासत में लिया और चेतावनी देकर लौट आए। पुलिस दूसरे दिन भी घटना में शामिल अन्य लोगों की पहचान नहीं कर पाई है। दो दिन से पीड़ित(नाबालिग) थाने में ही बैठे हुए हैं।रविवार दोपहर तीन बजे तो पुलिस अफसर पीड़ितों कथन लेकर मौका मुआयना करने पहुंचे।एक नाबालिग को घटना स्थल पर ले गए और मौका नक्शा बनाया।इस दौरान पीड़ित की दो बहनें भी मौजूद रही।

एफआइआर में लिखा आलू-प्याज बीनने पर पिटाई

पुलिस ने एफआइआर में भी गड़बड़ की है। चोरी का इल्जाम लगा कर पीटने का जिक्र ही नहीं किया। 17 वर्षीय नाबालिग को फरियादी और पिकअप के चालक सुनील व अन्य को आरोपित बनाया है। नाबालिग के हवाले से लिखा गया कि उसको आलू-प्याज बीनने की बात पर पकड़ कर पीटा। गालियां दी और रस्सी से बांध कर थोड़ी दूर घसीट दिया। टीआइ अजय कुमार मिश्र के मुताबिक फरियादी के बयान के आधार पर ही रिपोर्ट लिखी है।

मैं हाथ जोड़ कर गिड़गिड़ा रहा था साहब...

मैं सब्जी मंडी में हम्माली करता हूं। सुबह करीब 7 बजे की बात है। मैं और मेरा साथी दुकान क्र.242 पर काम कर के चाय की दुकान पर आ रहा था।112 नंबर की दुकान के पास पिकअप वाहन वालों ने पकड़ लिया।चोरी का आरोप लगाया और तलाशी ली।साथी के जेब से नशीला पदार्थ मिला तो पिटाई शुरु कर दी।हमारे पास तो रुपये भी नहीं थे।फिर भी रस्सी से बांध दिया।दोनों को आगे पीछे बांधा और घसीटने लगे।मैं हाथ जोड़ कर गिड़गिड़ाया लेकिन उन्होंने छोड़ा ही नहीं।मेरी जेब से ढाई सौ रुपये भी निकाल लिए।कुछ देर बाद पुलिसवाले थाने ले गए और एक कोने में बैठा दिया।

घरों से गायब मिले आरोपित

शनिवार दोपहर पुलिस गाड़ी नंबर के आधार पर बड़वाह पहुंची लेकिन वाहन मालिक मयंक गायब मिला। इसके बाद टीम काटकूट पहुंची पर अजय वर्मा,सुनील वर्मा और शांतिलाल भी घर पर नहीं मिले। पुलिस ने स्वजन से पूछा तो बताया फोन घर छोड़ कर चले गए हैं। हालांकि दबाव बनाने के लिए पुलिस ने आरोपितों के स्वजन को हिरासत में ले लिया।

2024 में लोस चुनाव लड़ेंगीं कंगना रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने कहा है वो 2024 लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश के मंडी से लड़ना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि अगर जनता चाहती है और बीजेपी उन्हें टिकट देती है तो वह चुनाव लड़ने को तैयार हैं। एक नेशनल न्यूज चैनल के कार्यक्रम में कंगना ने ये इच्छा जताई। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की और उन्हें 'महापुरुष' कहा। एक्ट्रेस ने कहा कि यह दुख की बात है कि पीएम मोदी और राहुल गांधी दोनों प्रतिस्पर्धी हैं।

उन्होंने कहा कि मोदी जी के लिए दुख कि बात है कि मोदी जी का मुकाबला राहुल गांधी से है और राहुल गांधी के लिए दुख की बात है कि उनका मुकाबला राहुल से है। लेकिन, मोदी जी जानते हैं कि उनका कोई विरोधी नहीं है। वो खुद ही खुद को पुश करते रहते हैं। राहुल अपने लेवल पर प्रयास कर रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव पर बात करते हुए रनौत ने कहा कि हिमाचल प्रदेश आम आदमी पार्टी (AAP) के के झूठे वादों में नहीं फंसेगा। हिमाचल में लोगों के पास खुद का सोलर पावर है और लोग अपनी सब्जियां खुद उगाते हैं। मुफ्त की घोषणाओं से हिमाचल में आप को फायदा नहीं होने वाला है। हिमाचल के लोगों को मुफ्त का कुछ नहीं चाहिए।

कंगना ने कार्यक्रम में ये भी कहा कि मैं चाहती हूं कि राजनीति में और भी लोग आगे आएं। वहीं एक बार फिर बॉलीवुड को निशाने पर लेते हुए उन्होंने कहा कि बॉलीवुड में नेपोटिज्म खत्म नहीं हो सकता। लेकिन अब दर्शक जागरूक हो गए हैं, ये अच्छी बात है। जनता अब बदल गई है, वो कह रही है कि ये सब अब नहीं चलेगा। वो कह रही है कि काम करके दिखाओ। स्टार कल्चर भी खत्म हो रहा है। इसके अलावा ट्विटर पर वापसी के सवाल पर कंगना ने कहा कि मैं ट्विटर पर एक साल तक थी लेकिन ट्विटर मुझे एक साल भी नहीं झेल पाया। मैं अगर ट्विटर पर वापस आती तो आपकी जिंदगी और मसालेदार हो जाएगी।कंगना फिल्म 'इमरजेंसी' में दिखाई देने वाली हैं। इसमें वो भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म में अनुपम खेर, सतीश कौशिक, श्रेयस तलपड़े और मिलिंद सोमन भी हैं।

लड़कियों की नीलामी मामले में माफी मांगे राजस्थान की कांग्रेस सरकार : मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कथित तौर पर लड़कियों की नीलामी के मामले को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेशसरकार को दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करते हुए जनता से माफी मांगनी चाहिए। मायावती ने सोमवार को ट्वीट किया, राजस्थान की पंचायतों में लड़कियों की स्टाम्प पेपर पर कर्ज अदायगी सम्बंधी खरीद-फरोख्त सामाजिक व सरकारी व्यवस्था को शर्मसार करने वाली अति दुःखद घटना है। उन्होंने ट्वीट में उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव-2022 के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा के लड़की हूं लड़ सकती हूं अभियान का जिक्र करते हुए कहा, क्या 'लड़की हूँ लड़ सकती हूँ' का दावा करने वाली कांग्रेस पार्टी व उनकी राज्य (राजस्थान) सरकार का लड़कियों के प्रति यही असली क्रूर रूप है? बसपा अध्यक्ष ने कहा कि विभिन्न आयोगों द्वारा इस घटना के सम्बंध में स्वतः संज्ञान लेकर कार्रवाई करना उचित है लेकिन यह इसका समुचित हल नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेसी सरकार को दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के साथ-साथ इस शर्मनाक घटना पर महिलाओं व राज्य की जनता से तुरंत माफी मांगनी चाहिये। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में कर्ज अदायगी के लिए लड़कियों की नीलामी के आरोपों की जांच के संबंध में शुक्रवार को दो सदस्यीय तथ्यान्वेषी टीम का गठन किया।

आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा ने राजस्थान के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शर्मा ने मुख्य सचिव से आयोग को की गई कार्रवाई से अवगत कराने को भी कहा है। शीर्ष बाल अधिकार निकाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो भी आरोपों की विस्तृत जांच करने के लिए सात नवंबर को भीलवाड़ा जाएंगे।

हैलोवीन फेस्टिवल में मची भगदड़, 151 की मौत...

सा उथ कोरिया की राजधानी सियोल में हैलोवीन फेस्टिवल के दौरान भगदड़ मच गई। इटावोन टाउन में हुए इस हादसे में 151 लोगों की मौत हो गई। 2 हजार से ज्यादा लोग लापता बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि संकरी गली में लाखों लोगों के जमा होने के बाद भगदड़ मची।

एक चश्मदीद ने बताया, 'भीड़ इतनी ज्यादा थी कि हम मुड़ भी नहीं पा रहे थे। अचानक कुछ लोगों ने चिल्लाना शुरू किया- धक्का मारो, धक्का मारो। फिर एक के ऊपर एक लोग गिरने लगे। मैं भी दब गई थी। सांस भी नहीं ले पा रही थी।'

एक अधिकारी ने कहा कि हैलोवीन फेस्टिवल में हुई भगदड़ में कई लोगों की जान चली गई। साउथ कोरिया के प्रेसिडेंट ने एक दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित किया है। इसके बाद दिल्ली में स्थित साउथ कोरिया एंबेसी का झंडा आधा झुकाया गया है। हाई स्कूल में पढ़ने वाली 17 साल की किम सियो-जोंग अपनी दोस्त के साथ फेस्टिवल में शामिल होने के लिए घर से निकली थी। किम सियो-जोंग ने बताया, 'हम हैलोवीन सेलिब्रेशन को लेकर बहुत एक्साइटेड थे। मैं अपनी दोस्त के साथ रात करीब 8 बजे इटावोन इलाके में पहुंची। वहां पैर रखने की जगह नहीं थी। हम आगे ही नहीं बढ़ पा रहे थे। हमने वापस घर जाने का सोचा लेकिन भीड़ होने के कारण हम कहीं नहीं जा पाए। अचानक कुछ लोग चिल्लाने लगे धक्का दो। लोग एक-दूसरे को धक्का देने लगे। अचानक से मेरे सामने खड़ा एक शख्स गिर गया। धक्का लगने की वजह से मैं भी गिर गई। एक के बाद एक मेरे पीछे खड़े लोग भी गिरने लगे। कुछ लोग मेरे ऊपर भी गिरे। मैं सांस नहीं ले पा रही थी। लोग मदद के लिए चिल्ला रहे थे। कुछ लोगों ने हमारी मदद की। जैसे-तैसे मैं और मेरी दोस्त वहां से बाहर निकल पाए।'

सियोल कम्युनिटी सेंटर के मुताबिक, करीब 2 हजार से ज्यादा मिसिंग कंप्लेंट दर्ज कराई गई हैं। 19 साल की किम दा-बिन भी लापता है। उसकी मां उसे तलाशते हुए एक अस्पताल पहुंची। इसी अस्पताल में मृतकों और घायलों को लाया गया।

उन्होंने बताया, 'मेरी बेटी कुछ दिनों बाद मिलिट्री सर्विस की ट्रेनिंग के लिए जाने वाली थी। उसके पहले वह अपने दोस्तों से मिलना चाहती थी। शनिवार रात वो घर से निकली फिर उसके एक दोस्त ने बताया कि हादसे में उसकी मौत हो गई। ये सुनकर मैं घटनास्थल पर पहुंची। मुझे यकीन नहीं हुआ कि मेरी बेटी अब नहीं रही। इसलिए मैं हॉस्पिटल आई। मुझे अब तक मेरी बेटी नहीं मिली है।'

फेस्टिवल में ज्यादातर टीनेजर्स अलग-अलग आउटफिट्स पहने हुए थे और उन्होंने मेकअप भी किया हुआ था। भीड़ इतनी थी कि आधे लोगों को पता ही नहीं चला की कोई घटना घटी है। फेस्टिवल में ज्यादातर टीनेजर्स अलग-अलग आउटफिट्स पहने हुए थे और उन्होंने मेकअप भी किया हुआ था। भीड़ इतनी थी कि आधे लोगों को पता ही नहीं चला की कोई घटना घटी है।

एक अन्य घायल स्टूडेंट ने बताया, 'इलाके में बहुत तेज म्यूजिक चल रहा था। इस वजह से हमें ये समझ नहीं आया कि हम जहां खड़े हैं उसके कुछ फीट आगे क्या हो रहा है। कई लोगों को तो पता भी नहीं था कि भगदड़ मची है। लोग वीडियो रिकॉर्ड कर रहे थे। कुछ लोग मेकअप कर रहे थे। सब सेलिब्रशन में मग्न थे। अचानक से कुछ लोग बार-रेस्टोरेंट खुलवाने के लिए चिल्लाने लगे। वो अपनी जान बचाने के लिए अंदर जाना चाहते थे। तभी बाकी लोग पैनिक हो गए। इस दौरान कुछ पुलिस ऑफिसर्स भीड़ को कंट्रोल करने आए। लेकिन स्थिति नहीं संभली। किसी को पता ही नहीं था कि इतना बड़ा हादसा हो गया है।'

पुलिसकर्मियों की गैंग बनाकर लाखों रुपये वसूलने वाला एजेंट गिरफ्तार

एमआइजी थाने के सिपाही गोविंद द्विवेदी के साथ मिलकर अनाज कारोबारी से वसूले थे 50 लाख रुपये, प्रिया चौहान ने कारोबारी पर लगाया था दुष्कर्म का आरोप, सिपाही को किया जा चुका है बर्खास्त...

अनाज कारोबारी रवि अग्रवाल को दुष्कर्म के केस में फंसा कर 50 लाख रुपये वसूलने के मामले में पुलिस ने एजेंट संजय चौहान को गिरफ्तार कर लिया है। संजय ने एमआइजी थाने के सिपाही (बर्खास्त) गोविंद द्विवेदी के साथ मिलकर रवि से लाखों रुपये वसूले थे। संजय देह व्यापार में लिप्त लड़कियों की सप्लाई करता है।

एमआइजी टीआइ अजय वर्मा के मुताबिक, श्रीनगर एक्सटेंशन निवासी रवि पुत्र एमएल अग्रवाल की शिकायत पर 13 सितंबर को सूचीबद्ध बदमाश साहिल उर्फ बच्चा और उसकी बहन प्रिया चौहान को गिरफ्तार किया था। प्रिया फरियादी रवि के साथ रिलेशनशिप में रहती थी। बाद में उसने संजय और सिपाही गोविंद के साथ मिलकर ब्लैकमेलिंग की साजिश की और दुष्कर्म का आरोप लगा कर एमआइजी थाने में आवेदन दे दिया। आरोपितों ने रवि को थाने बुलवाया और 30 लाख रुपये में समझौता किया। इस मामले में गोविंद और संजय ने अहम भूमिका निभाई थी। 20 लाख रुपये तो संजय ही ले गया था। 10 लाख रुपये गोविंद ने रख लिए। यह खुलासा प्रिया और साहिल की गिरफ्तारी के बाद हुआ।

एरोड्रम क्षेत्र से पकड़ा - जोन-2 के डीसीपी संपत उपाध्याय ने सिपाही गोविंद को बर्खास्त कर दिया और संजय की तलाश में टीमें लगा दीं।शुक्रवार को एसआइ सीमा शर्मा और अमित कटियार की टीम ने संजय को

एरोड्रम क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। मामले में एएसआइ धीरज शर्मा की भूमिका भी संदिग्ध मिली है। डीसीपी ने धीरज को भी लाइन अटैच कर दिया है। प्रिया ने रवि के विरुद्ध दुष्कर्म का आवेदन दिया था, उसकी जांच धीरज ही कर रहा था। देह व्यापार के लिए लड़कियां सप्लाई करता है संजय - पुलिस के मुताबिक, संजय देह व्यापार के धंधे में लिप्त है। वह लड़कियों की सप्लाई करता है। प्रिया ने पुलिस को बताया था कि संजय के गिरोह में कई लड़कियां हैं। वह उसकी सहेली के माध्यम से संजय से जुड़ी थी।

दहेज में मांगे पांच लाख रुपए : महिला ने पति सहित परिवार पर लगाया प्रताड़ित करने का आरोप...

पीथमपुर के सागोर थाना क्षेत्र के दिग्थान निवासी फरजाना पति इरफान उम्र 30 वर्ष की लिखित शिकायत पर सागौर पुलिस ने महिला के पति सहित परिवार के तीन लोगो पर दहेज, मारपीट,की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता महिला फरजाना पति इरफान की शादी कुछ समय पहले इरफान पिता फक्करूदीन निवासी मानपुर से हुई थीं।

महिला ने पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज करवाई है की उसके पति व परिवार के सदस्यों ने उसके साथ मारपीट कर दहेज लाने के लिए लगातार दबाव बनाया व मायके से 5 लाख रूपए लाने के लिए शारीरिक व मानसिक प्रताड़ित किया व दबाव बना कर मायके भेज दिया साथ ही दहेज की रकम न लाने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने अपने घर पहुंच कर परिजानों से सारी बात बताई तब थाने पहुंच कर लिखित शिकायत दर्ज करवाई पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इरफान पिता फकरुद्दीन, फकरुद्दीन पिता नशीर खान, व

राबिया पति फकरुद्दीन निवासी मानपुर जिला इंदौर पर धारा 294,323,506, 498ए, व 3/4 दहेज प्रतिषेध की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश में लग गई है।

पनडुब्बियों पर महिलाओं के उत्पीड़न के दावों की जांच कर रही ब्रिटेन की नेवी

डेली मेल अखबार ने पूर्व नौसेना लेफ्टिनेंट सोफी ब्रूक के उन दावों को प्रकाशित किया है जिसमें उन्होंने दावा किया है कि उन्हें 'यौन उत्पीड़न के एक निरंतर दौर' के साथ-साथ शारीरिक उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा। ब्रिटेन की रॉयल नेवी के प्रमुख एडमिरल बेन की ने कहा कि वह इन आरोपों से 'बहुत ही आहत' हैं कि पनडुब्बियों पर काम करने वाली महिला कर्मचारियों को डराया धमकाया गया और उनका यौन उत्पीड़न किया गया। रॉयल नेवी प्रमुख ने इस मामले में जांच के आदेश दिए हैं। डेली मेल अखबार ने शनिवार को पूर्व नौसेना लेफ्टिनेंट सोफी ब्रूक के उन दावों को प्रकाशित किया है जिसमें उन्होंने दावा किया है कि उन्हें 'यौन उत्पीड़न के एक निरंतर दौर' के साथ-साथ शारीरिक उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ा।

अखबार ने उनके हवाले से प्रकाशित किया है कि पनडुब्बियों पर जब भी कोई नयी महिला आती है तो चालक दल के पुरुष सदस्य 'गिद्धों की तरह' नजरें गड़ाये होते हैं। तीस-वर्षीय ब्रूक ने इस साल की शुरुआत में रॉयल नेवी छोड़ दी थी और बाद में उन्हें अपनी पनडुब्बी की आवाजाही के बारे में एक ईमेल संवेदनशील जानकारी साझा करने के आरोप में जेल की निलंबित सजा सुनाई गई थी। अखबार ने नौसेना के एक अन्य गुमनाम व्हिसलब्लोअर के हवाले से कहा कि महिलाओं को पनडुब्बियों में यौन संबंध बनाने के लिए लगातार परेशान किया जाता था। रॉयल नेवी के पूर्णकालिक कर्मियों में महिलाओं की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत हैं और 2011 से पनडुब्बियों पर सेवा करने के लिए पात्र हैं। नौसेना प्रमुख ने कहा, ये आरोप घृणित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा, यौन हमले और उत्पीड़न का रॉयल नेवी में कोई स्थान नहीं है और इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा, मैंने अपनी वरिष्ठ टीम को इन आरोपों की गहन जांच करने का निर्देश दिया है। जो कोई भी दोषी पाया जाएगा, उसकी रैंक या स्थिति की परवाह किए बिना उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने इन आरोपों पर टिप्पणी नहीं की है, लेकिन कहा है कि उसने स्वीकार किया कि अनुचित व्यवहार रोकने के बारे में और अधिक प्रयास किए जाने की आवश्यकता है।

सामूहिक बलात्कार मामले में पूर्व मुख्य सचिव से लगातार तीसरे दिन पूछताछ

अंडमान-निकोबार पुलिस के विशेष जांच दल ने 21 वर्षीय युवती से कथित सामूहिक बलात्कार के मामले में सोमवार को लगातार तीसरे दिन पूर्व मुख्य सचिव जितेंद्र नारायण से पूछताछ की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला मोर्चा की सदस्यों ने पुलिस लाइन के मुख्य और पिछले प्रवेश द्वार पर काले झंडे व प्लेकार्ड लेकर विरोध प्रदर्शन किया और पूर्व मुख्य सचिव के खिलाफ नारेबाजी की। हालांकि पुलिस प्रदर्शनकारियों के पुलिस लाइन पर जमा होने से पहलेही मुख्य द्वार से नारायण को अंदर ले गई थी और पूर्वाह्न दस बजे से उनसे पूछताछ की जा रही है। नारायण से शुक्रवार और शनिवार

दो दिन पूछताछ की जा चुकी है। रविवार को जांच के सिलसिले में पोर्ट ब्लेयर में एक अतिथि गृह पर छापा मारा गया था। अंडमान- निकोबार द्वीप समूह की भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष संपा बनर्जी ने कहा, "हम द्वीपों में वरिष्ठ नौकरशाहों द्वारा इस तरह के कृत्यों का विरोध कर रहे हैं। यह हमारी स्थानीय महिलाओं की गरिमा व सम्मान की रक्षा के लिए हमारी लड़ाई है।" उन्होंने कहा, " हम प्राथमिकी में नामजद सभी लोगों के दोषी पाए जाने की सूरत में उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हैं। हम एसआईटी से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हैं।

शी चिनफिंग के तीसरे कार्यकाल में दुनिया को करना होगा तनाव का सामना

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के तीसरे कार्यकाल में दुनिया को व्यापार, सुरक्षा और मानवाधिकार के मुद्दों पर और तनाव का सामना करना पड़ेगा। विश्लेषकों ने यह आकलन चिनफिंग के सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) का तीसरी बार नेतृत्व संभालने के आधार पर किया है। विश्लेषकों का कहना है कि चिनफिंग घरेलू स्तर पर नियंत्रण को कड़ा कर रहे हैं और चीन विदेश में प्रभाव बढ़ाने के लिए अपनी आर्थिक शक्ति का इस्तेमाल कर रहा है।

अमेरिका आरोप लगाता रहा है कि चीन उसके गठबंधन, वैश्विक सुरक्षा और आर्थिक नियमों को कमतर करने की कोशिश कर रहा है। कार्यकर्ताओं का आरोप है कि चिनफिंग सरकार उत्पीड़न को लेकर हो रही आलोचनाओं से ध्यान भटकाने के लिए संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार की परिको बदलने की कोशिश कर रहा है। लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के विलियम केलेहन के अनुसार चिनफिंग कहते हैं कि विश्व व्यवस्था ध्वस्त हो रही है और चीन इसका उत्तर है। चिनफिंग जितना ही चीनी शैली को दुनिया के सार्वभौमिक मॉडल के तौर पर पेश करेंगे, उतना ही शीत युद्ध के काल की तरह संघर्ष बढ़ेगा।

गौरलब है कि शनिवार को संपन्न सीपीसी के महासम्मेलन में कोविड-19 के खिलाफ शून्य बर्दाश्त की नीति में ढील के कोई संकेत नहीं दिए जिससे चीन की जनता हताश है। चिनफिंग ने प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर होने, सैन्य विकास तेजी से करने और विदेश में 'बीजिंग' के हितों की रक्षा करने का आह्वान किया है। उन्होंने उन नीतियों में बदलाव करने की घोषणा नहीं की है जिससे अमेरिका और पड़ोसियों के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण हुए हैं। चिनफिंग को परपंरा से परे रविवार को पार्टी नेतृत्व के लिए पांच साल का तीसरा कार्यकाल दिया गया। उन्हें सात सदस्यीय पार्टी की स्थायी समिति

का सदस्य नामित किया गया और समिति ने उन्हें अपनी योजनाओं पर अमल करने की छूट दी।

एशिया सोसाइटी के अध्यक्ष और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री केविड रड ने कहा, स्वतंत्र सोच रखने वालों को मार्क्सवादी-लेनिनवादी विचारों के प्रति रूढ़ीवादीचिनफिंग के बारे में इस सोच पर विराम लगाना चाहिए कि वह शांतिपूर्ण तरीके से राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्था को उदार बनाएंगे। केलेहन ने कहा कि चिनफिंग की सरकार ने विरोधियों को जेल में डाला है, इंटरनेटपर बंदिशे लगाई हैं और हांगकांग में लोकतंत्र समर्थक आंदोलन को कुचला है। उनकी सामाजिक विश्वास पहल नागरिकों पर नजर रखती है और दंडित करती है। चिनफिंग देश को विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्म निर्भर बनाना चाहते हैं।

रूस ने यूक्रेन के साथ अनाज सौदे को निलंबित किया, वैश्विक चिंता बढ़ी

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने चेतावनी दी है कि संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से यूक्रेन के अनाज का निर्यात करने के समझौते को रूस द्वारा निलंबित करने से वैश्विक भुखमरी बढ़ेगी। डेलवेयर के विल्मिंगटन में बाइडन ने कहा, यह वाकई अपमानजनक है। वे क्या कर रहे हैं, उसका कोई मतलब नहीं है। रूस ने घोषणा की थी कि वह समझौते के क्रियान्वयन को तत्काल रोक देगा। उसने आरोप लगाया कि यूक्रेन ने शनिवार को रूस के काला सागर बेड़े के जहाजों पर ड्रोन से हमला किया था।

इस समझौते की वजह से 397 जहाजों के जरिये यूक्रेन से 90 लाख टन से अधिक अनाज का निर्यात हुआ था और वैश्विक स्तर पर खाद्य कीमतों में कमी आई थी। इसका नवीनीकरण नवंबर में होना था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि इस फैसले का अनुमान पहले ही लगाया जा सकता था। उन्होंने कहा कि रूस सितंबर से ही जानबूझकर खाद्य संकट बढ़ा रहा है।

जेलेंस्की ने कहा कि इस समय अनाज से भरे करीब 176 जहाजों को यूक्रेन के बंदरगाहों से निकलने से रोका गया। उन्होंने शनिवार की रात देश के नाम अपने संबोधन में कहा, यह 70 लाख से अधिक उपभोक्ताओं के लिए भोजन है। ऐसा क्यों है कि क्रेमलिन में कहीं बैठे हुए मुट्ठीभर लोग फैसला कर सकते हैं कि मिस्र या बांग्लादेश में लोगों को भोजन मिलेगा या नहीं। रूस के इस कदम की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना हो रही है।

अंकिता हत्याकांड

उच्च न्यायालय ने एसआईटी से जांच की स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा

अदालत ने एसआईटी को रिपोर्ट में उन सबूतों के बारे में विस्तार से बताने को कहा है जिन्हें घटना की जगह को बुलडोजर से ध्वस्त किए जाने से पहले वहां से एकत्रित किया गया था। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) से मामले में स्थिति रिपार्ट दाखिल करने को कहा। न्यायमूर्ति संजय कुमार मिश्रा की एकलपीठ ने हत्याकांड की केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की प्रार्थना करने वाली एक याचिका पर सुनवाई करते हुए एसआईटी को जांच की स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने को कहा।

अदालत ने एसआईटी को रिपोर्ट में उन सबूतों के बारे में विस्तार से बताने को कहा है जिन्हें घटना की जगह को बुलडोजर से ध्वस्त किए जाने से पहले वहां से एकत्रित किया गया था। एसआईटी को यह रिपोर्ट दाखिल करने के लिए 11 नवंबर तक का समय दिया गया है। गौरतलब है कि पौडी जिले के यमकेश्वर स्थित वनंत्रा रिजॉर्ट में रिसेप्शिनिस्ट के रूप में काम करने वाली 19 वर्षीया अंकिता की सितंबर माह में कथित तौर पर रिजॉर्ट संचालक पुलकित आर्य ने अपने दो कर्मचारियों के साथ मिलकर ऋषिकेश के निकट चीला नहर में धक्का देकर हत्या कर दी थी।

हत्याकांड की जांच पुलिस उपमहानिरीक्षक पी. रेणुका देवी की अध्यक्षता वाली एसआईटी कर रही है। पौडी गढवाल निवासी आशुतोष नेगी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि पुलिस और एसआईटी मामले के महत्वपूर्ण साक्ष्यों को छिपा रहे हैं और अंकिता की पोस्टमार्टम रिपोर्ट भी अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है। याचिका में कहा गया है कि जिस दिन नहर से अंकिता का शव बरामद हुआ, उसी दिन उसका कमरा तोड दिया गया। मृतका के शव का किसी महिला चिकित्सक की मौजूदगी के बिना ही पोस्टमार्टम कर दिया गया,जो उच्चतम न्यायालय के आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन है।

याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि पीडिता से दुर्व्यवहार भी किया गया। हालांकि, पुलिस इस तथ्य को छिपा रही है।

स्किन से करती हैं प्यार तो इन फूड्स को कहें ना

अधिकतर लोग अपने दिन की शुरुआत चाय या कॉफी से करते हैं। लेकिन कैफीन की अधिकता स्किन के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं है। इससे आपकी स्किन पर फाइन लाइन्स व झुर्रियां नजर आ सकती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि कैफीन आपकी त्वचा को निर्जलित कर सकता है। क्या आपको लगातार स्किन केयर प्रोडक्ट्स लगाने से भी लाभ नहीं मिल रहा है, ? क्या आप लगातार कील-मुंहासों व अन्य स्किन प्रॉब्लम्स से जूझ रही हैं? क्या एक अच्छा स्किन केयर रूटीन भी आपकी स्किन को ग्लोइंग नहीं बना रहा है? क्या आप बार-बार अपने ब्यूटी प्रोडक्ट्स बदल-बदलकर थक चुकी हैं? अगर इन सभी सवालों का जवाब हां है, तो हो सकता है कि आप अपने आहार पर ध्यान ना दे रही हों। आपको शायद पता ना हो, लेकिन आपका खान-पान सिर्फ आपकी सेहत ही नहीं, बल्कि स्किन को भी प्रभावित कर सकता है।

प्रोसेस्ड मीट

प्रोसेस्ड मीट जैसे बेकन या हॉटडॉग में नाइट्रेट और सोडियम काफी अधिक मात्रा में पाया जाता है। यह दोनों ही स्किन को नुकसान पहुंचा सकते हैं। नाइट्रेट आपकी स्किन में सूजन और झुर्रियों की वजह बन सकता है, वहीं सोडियम की अधिकता स्किन को समय से पहले बूढ़ा और रूखा बना सकती है।

गाय के दूध से बने डेयरी उत्पाद

यूं तो डेयरी प्रोडक्ट को सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। लेकिन गाय के दूध से बने डेयरी प्रोडक्ट्स आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है। कई अध्ययनों से पता चलता है कि गाय का दूध और गाय के दूध से बने अन्य डेयरी उत्पाद इंसुलिन के स्तर को

बढ़ाते हैं। जो कोर्टिसोल के स्तर को बढ़ाता है और सीबम उत्पादन को क्रैंक करता है। जिससे आपको स्किन में एक्ने व ब्रेकआउट्स की समस्या हो सकती है।

कैफीन

अधिकतर लोग अपने दिन की शुरुआत चाय या कॉफी से करते हैं। लेकिन कैफीन की अधिकता स्किन के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं है। इससे आपकी स्किन पर फाइन लाइन्स व झुर्रियां नजर आ सकती हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि कैफीन आपकी त्वचा को निर्जलित कर सकता है। जिससे आपकी स्किन अधिक थिन हो सकती है और उसमें रिंकल्स नजर आ सकते हैं।

हाई ग्लाइसेमिक फूड

सफेद ब्रेड, सफेद पास्ता और आलू आदि को हाई ग्लाइसेमिक फूड की श्रेणी में रखा जाता है। यह ना केवल वजन बढ़ने की वजह हो सकते हैं, बल्कि इससे आपकी स्किन को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। ऐसे फूड्स के कारण व्यक्ति को ब्रेकआउट्स, पिंपल्स सहित समय से पहले उम्र बढ़ने के संकेतों की समस्या भी हो सकती है।

...कई बीमारियों का रामबाण इलाज है कड़ी पत्ता

कड़ी पत्ता एक आयुर्वेदिक औषधि है, जो विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है। हृदय संबंधी रोगों के इलाज लिए कड़ी पत्ते का इस्तेमाल प्राचीन समय से होता आया है। इसके अलावा कड़ी पत्ता कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। खाने में कड़ी पत्ता का इस्तेमाल अमूमन हर घर में होता है। खासतौर पर दक्षिण भारत में कड़ी पत्ता बहुत से व्यंजनों में इस्तेमाल किया जाता है। यह ना केवल खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। कड़ी पत्ते में बहुत से औषधीय गुण पाए जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद हैं। इसमें आयरन, फॉलिक एसिड और कैल्शियम जैसे पोषक तत्व भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो डायबिटीज, एनीमिया और डायरिया जैसी कई अन्य बीमारियों से निजात पाने में मदद करते हैं। शुगर के मरीज़ों के लिए कड़ी पत्ता बहुत फायदेमंद होता है। कड़ी पत्ते में हाइपोग्लाइसेमिक नामक तत्व पाया जाता है जो ब्लड-शुगर लेवल को कंट्रोल में रखता है। कड़ी पत्ते के सेवन से डायबिटीज कंट्रोल करने में मदद मिलती है। कड़ी पत्ता एक आयुर्वेदिक औषधि है, जो विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है। हृदय संबंधी रोगों के इलाज लिए कड़ी पत्ते का इस्तेमाल प्राचीन समय से होता आया है। इसके अलावा कड़ी पत्ता कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में भी मदद करता है। डायरिया में कड़ी पत्ते का इस्तेमाल रामबाण इलाज है। कड़ी पत्ते में मौजूद कार्बाजोले एल्कलॉइड्स नामक तत्व डायरिया से बचाता है। इसका नियमित सेवन लीवर की क्षमता बढ़ाता है।

कड़ी पत्ता हमारी त्वचा के लिए भी बहुत लाभदायक होता है। इसमें मौजूद तत्व बैक्टीरियल इन्फेक्शन, जले-कटे और त्वचा की अन्य परेशानियों से राहत दिलाते हैं। एनीमिया के मरीजों के लिए कड़ी पत्ते का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके इस्तेमाल से शरीर में खून की कमी को दूर किया जा सकता है। इसमें आयरन, जिंक और फॉलिक एसिड भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जिससे खून की कमी को कम करने में मदद मिलती है। कड़ी पत्ते के सेवन से मोटापे पर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। इसमें डाइक्लोरोमेथेन, एथिल एसीटेट और महानिम्बाइन जैसे तत्व पाए जाते हैं जो वजन घटाने और कोलेस्ट्रॉल कम करने में सहायता करते हैं।

भारत ने एशियाई एलीट मुक्केबाजी में जीत के साथ अभियान शुरू किया

स्प र्श कुमार ने एएसबीसी एशियाई एलीट मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के अभियान की शुरुआत जीत के साथ करते हुए पुरुष 51 किग्रा वर्ग में एकतरफा जीत दर्ज की।

स्पर्श कुमार ने एएसबीसी एशियाई एलीट मुक्केबाजी चैंपियनशिप में भारत के अभियान की शुरुआत जीत के साथ करते हुए मंगलवार को पुरुष 51 किग्रा वर्ग में एकतरफा जीत दर्ज की। स्पर्श ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में किर्गिस्तान के दिउशेबाएव नूरझिगिट को आसानी से 5-0 से हराया। पंजाब के मुक्केबाज ने पैर की तेज मूवमेंट और सटीक मुक्कों से विरोधी मुक्केबाज पर दबदबा बनाया। स्पर्श का सामना बुधवार को प्री क्वार्टर फाइनल में ओलंपिक कांस्य पदक विजेता और मौजूदा विश्व चैंपियन साकेन बिबोसिनोव से होगा।

मंगलवार को ही लक्ष्य चाहर (80 किग्रा) प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में ताजिकिस्तान के शब्बोस नेगमातुलोएव के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। पांच बार के एशियाई पदक विजेता शिव थापा (63.5 किग्रा) के साथ-साथ सात अन्य भारतीय पुरुष मुक्केबाज अनंत (54 किग्रा), हुसामुद्दीन (57 किग्रा), एताश खान (60 किग्रा), अमित कुमार (67 किग्रा), सचिन (71 किग्रा), लक्ष्य (80 किग्रा) और कपिल (86 किग्रा) प्री क्वार्टर फाइनल से अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

गोविंद साहनी (48 किग्रा), सुमित (75 किग्रा), नवीन (92 किग्रा) और नरेंद्र (92 किग्रा से अधिक) पहले दौर में बाई मिलने के बाद क्वार्टर फाइनल से अभियान शुरू करेंगे। महिला मुक्केबाजों में तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन शनिवार को क्वार्टर फाइनल में 2016 की विश्व चैंपियन कजाखस्तान की वेलेंटीना खलजोवा के खिलाफ उतरेंगी। अपना वजन वर्ग 69 किग्रा से बदलने वाली लवलीना यहां 75 किग्रा भार वर्ग में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेलेंगी।

विश्व चैंपियनशिप 2018 की कांस्य पदक विजेता सिमरनजीत कौर (60 किग्रा) क्वार्टर फाइनल में एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और दो बार की एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता कोरिया की योनजी ओह से भिड़ेंगी। अन्य महिला मुक्केबाजों में मोनिका (48 किग्रा), मीनाक्षी (52 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), प्रीति (57 किग्रा), परवीन (63 किग्रा), अंकुशिता बोरो (66 किग्रा), पूजा (70 किग्रा) और सविता (50 किग्रा) अंतिम आठ चरण के साथ अभियान शुरू करेंगी। स्वीटी (81 किग्रा) और अल्फिया पठान (81 किग्रा से अधिक) सीधे सेमीफाइनल में उतरेंगे। टूर्नामेंट में 27 देशों के 267 मुक्केबाज भाग ले रहे हैं। दुबई में आयोजित पिछले सत्र में भारतीय दल ने 16 पदक जीते थे और देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सुनिश्चित किया था।

आईओए की कार्यकारी समिति के चुनाव 10 दिसंबर को

उच्चतम न्यायालय ने भारतीय ओलंपिक संघ की कार्यकारी समिति के चुनाव के लिये जस्टिस (सेवानिवृत) एल एन राव समिति द्वारा रखी गई नयी तारीख को मंजूरी देते हुए कहा कि चुनाव 10 दिसंबर को होंगे। न्यायमूर्ति डी वाइ चंद्रचूड और हिमा कोहली ने नियमों के अनुसार आईओए के सदस्यों को संशोधित संविधान के मसौदे के प्रसार की अनुमति भी दे दी ताकि दस नवंबर को आमसभा की बैठक में इसे स्वीकृति दी जा सके। पीठ ने कहा कि वह शीर्ष अदालत के पूर्व न्यायमूर्ति राव के दो नवंबर को इस दस्तावेज को जमा करने में दिखायी तत्परता की सराहना करती है कि उन्होंने राष्ट्र हित में यह जिम्मेदारी ली। पीठ ने कहा कि न्यायमूर्ति ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति, आईओए और राज्य संघों सहित सभी हितधारकों के साथ बातचीत की है। पीठ ने कहा, ''न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव द्वारा प्रस्तुत किये गये इस दस्तावेज के संदर्भ में व्यापक सहमति है कि चुनाव 10 दिसंबर 2022 को होने चाहिए। प्रस्ताव स्वीकार किया जाता है।'' इसमें आगे कहा गया, ''आईओए के संविधान में प्रस्तावित संशोधनों को आज ही प्रसारित किया जाना होगा ताकि 10 नवंबर 2022 को आम सभा की बैठक हो सके।

कहीं आपको थायरॉइड कैंसर तो नहीं, पहचानें इन लक्षणों से...

थायरॉइड वास्तव में एक तितली के आकार की ग्रंथि होती है। थायरॉइड कैंसर की शुरूआत में भले ही कोई लक्षण नजर ना आए, लेकिन जब यह धीरे-धीरे बढ़ने लगता है, तो इससे आपको गर्दन में सूजन, आवाज में बदलाव और निगलने में कठिनाई जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं।

कैंसर एक बेहद ही घातक बीमारी है, जो शरीर की कोशिकाओं में कैंसर की वृद्धि के कारण होता है। आमतौर पर लोग लंग कैंसर या फिर ब्रेस्ट कैंसर आदि की ही बात करते हैं। जबकि थायरॉइड कैंसर भी उतना ही घातक हो सकता है। थायरॉइड कैंसर कोशिकाओं की वृद्धि है जो थायरॉयड में शुरू होती है। थायरॉइड वास्तव में एक तितली के आकार की ग्रंथि होती है। थायरॉइड कैंसर की शुरूआत में भले ही कोई लक्षण नजर ना आए, लेकिन जब यह धीरे-धीरे बढ़ने लगता है, तो इससे आपको गर्दन में सूजन, आवाज में बदलाव और निगलने में कठिनाई जैसे लक्षण नजर आ सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको थायरॉइड कैंसर के कुछ लक्षणों के बारे में बता रहे हैं, जिनके आधार पर आप समय रहते इस कैंसर की पहचान कर इलाज करवा सकते हैं-

डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर आपको इनमें से कोई भी लक्षण नजर ना आए तो इसे नजरअंदाज ना करें, बल्कि आप तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। आप डॉक्टर की सलाह पर कुछ आवश्यक परीक्षण करवा सकते हैं। मसलन, ब्लड टेस्ट के जरिए यह चेक किया जाता है कि थायरॉइड ग्रंथि ठीक से काम कर रही है या नहीं। इसी तरह, थायरॉयड से कैंसर कोशिकाओं के परीक्षण के लिए बायोप्सी भी की जा सकती है। कई बार डॉक्टर इमेजिंग टेस्टिंग के जरिए यह पता लगाते हैं कि इससे कैंसर अन्य भागों में फैला है या नहीं।

बच्चों की इम्यूनिटी को बढ़ाने में सहायक है केला और दूध

केले और दूध में बहुत सारे पोषक तत्व होते हैं। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम, मैगनीज, फाइबर और अन्य विटामिन आदि होते हैं। दूध और केला बच्चों की लम्बाई बढ़ाने में मददगार साबित होता है। बच्चें के दिमाग और फिजकली फिट भी रखता है। बच्चों के नाश्ता करवाना एक कठिन काम है। बच्चें नाश्ते के लिए आसानी से मानते भी नहीं हैं। इन स्थितियों को देखते हुए माता-पिता बच्चों को कुछ ऐसा नाश्ता देना चाहते हैं जो बच्चों के हेल्दी और पौष्टिक भी रहें। दूध और केला एक ऐसा हेल्दी नाश्ता है। आपको बता दें कि केला एक ऐसा फल है जिसे आप ना केवल गर्मियों में बल्कि सर्दियों में भी खा सकते हैं। केले में विटामिन, पोटैशियम, मैगनीज, फाइबर जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो हमारे शरीर की पोषण जरूरतों को पूरा करते हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि केला खाने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ती है और संक्रमण से बचाव होता है।

बच्चों के विकास में सहायक

केले और दूध में बहुत सारे पोषक तत्व होते हैं। इसमें कैल्शियम, पोटैशियम, मैगनीज, फाइबर और अन्य विटामिन आदि होते हैं। दूध और केला बच्चों की लम्बाई बढ़ाने में मददगार साबित होता है। बच्चें के दिमाग और फिजकली फिट भी रखता है। बच्चों के आहार में केले को शामिल करने से उन्हें बढ़ती उम्र के लिए कई आवश्यक पोषक तत्व मिलते हैं। केला और दूध बच्चों की हड्डियों को मजबूत करता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

केले में आयरन की अच्छी मात्रा पाई जाती है। यह शिशुओं और बच्चों में एनीमिया को रोकने में मदद करता है। इसके सेवन से शरीर में खून की कमी नहीं होती और शरीर पूरी तरह से हेल्दी रहता है। साथ ही केले में विटामिन ए भी होता है और रोजाना एक केला खाने से बच्चों की आंखों की रोशनी में सुधार होता है।

इम्यूनिटी बूस्टर

केला और दूध दोनों ही बच्चों की इम्यूनिटी बढ़ाने में मददगार है। केला विटामिन, पोटैशियम, मैगनीज और फाइबर से भरपूर होता हैं और दूध में कुछ आवश्यक एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं। केला विटामिन सी से भरपूर होता है। यह एंटीऑक्सीडेंट बच्चों के इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं और शरीर को विभिन्न बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं और बच्चों को कई संक्रमण से बचाते हैं।

कब्ज की समस्या को करता है दूर

केले में काफी मात्रा में फाइबर पाया जाता है जो बच्चों के पाचन तंत्र को सही रखता है। अगर बच्चे में कब्ज की समस्या रहती है, तो रोज मैश किया हुआ केला बच्चे को देना शुरू करें। यह बच्चों की कब्ज की समस्या को दूर करेगा।

सर्दी में बढ़ जाती है वात व कफ की समस्या, जानें क्या खाएं क्या नहीं

आयुर्वेद विशेषज्ञ की मानें, तो सर्दी के मौसम में हम सभी को ऐसा आहार लेना चाहिए, जो शरीर को गर्म रखने के साथ ही इम्यूनिटी लेवल भी बढ़ाए। ऐसा आहार वात और कफ को शांत करने में मदद करता है।

सर्दियां एक ऐसा मौसम है, जब हम खूब खाते हैं, खूब सोते हैं और कम चलते-फिरते हैं। हालांकि इस तरह की जीवनशैली हमें बड़ा ही खराब महसूस कराती है। इसलिए सर्दियों में सबसे अच्छा तरीका है खूब आराम करना और इस मौसम का आनंद लेना। सर्दियों में शरीर को गर्म रखने का यह शानदार तरीका है। आयुर्वेद के अनुसार, यह कफ का मौसम होता है, जब ठंड के साथ हल्की बरसात हमारी जीवन की गति को धीमा कर देती हैं। एक संतुलित कफ जोड़ों की चिकनाई, त्वचा की कोमलता और रोग प्रतिरोधक क्षमताओं के लिए जिम्मेदार होता है। हालांकि, सर्दियों में यह दोष जब बढ़ जाता है, तो सुस्ती, वजन बढ़ना, बलगम, से संबंधित बीमारियां और नकारात्मक भावनाएं पैदा होती हैं।

सर्दियों का एक अन्य पहलू भी है कि यह मौसम वात को बढ़ाता है, जिससे जोड़ों में दर्द, अपच, और अन्य समस्याएं पैदा होने लगती हैं। आयुर्वेद के अनुसार सर्दियों में हमें ऐसा आहार लेना चाहिए, जो वात और कफ दोनों को शांत कर सके। आयुर्वेदिक सिद्धांतों पर आधारित स्वस्थ आहार खाने से हमें सर्दियों में स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। आयुर्वेदिक विशेषज्ञ डॉ. रिचा गुप्ता कहती हैं कि सर्दियों में हमें गर्म, हल्का मसालेदार और पका हुआ खाना खाना चाहिए। आयुर्वेद में विंटर फूड्स का सेवन करने से हम सर्दियों में न केवल खुद को सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और संक्रमण से बच सकते हैं, बल्कि इस मौसम में अच्छे से एन्जॉय भी कर सकते हैं।

भोजन में मसाले शामिल करें

सर्दी के मौसम में भोजन पकाने में , बड़ी इलायची, दालचीनी, तेज पत्ता, अजवायन , जीरा, मेथीदाना, अदरक जैसे मसालों को जरूर शामिल करना चाहिए। यह हमें मौसमी बीमारियों से बचाए रखते हैं।

ड्राय फ्रूट्स का सेवन फायदेमंद

सर्दियों में सूखे मेवे खाना बहुत ही फायदेमंद होता है। इस मौसम में आप नियमित रूप से चिलगोजा, काजू और बादाम का अच्छा सेवन करें। खासतौर से सूखे मेवों से बने लड्डू आपको खाने चाहिए। यह इम्यूनिटी बढ़ाने के साथ शरीर को गर्माहट भी देते हैं।

सर्दियों में जरूर पीएं काढ़ा

वैसे तो यह कश्मीरी ड्रिंक है, लेकिन आप चाहें, तो इन्हें सर्दी के दिनों में रोजाना ले सकते हैं। तुलसी के पत्ते, काली मिर्च, दालचीनी, बड़ी इलायची और गुड़ मिलाकर काढ़ा तैयार कर पीएं, गले को बहुत आराम मिलेगा।

घी या वाइट बटर खाएं

आयुर्वेद के अनुसार, सर्दियों में घी का सेवन बहुत अच्छा माना गया है। बता दें कि घी ज्यादातर गाय के दूध से बना होता है, जो सर्दी, खांसी का इलाज करता है। बता दें कि घी भारत के प्राचीन सुपरफूड च्यवनप्राश का एक अनिवार्य हिस्सा है, जो सर्दियों के दौरान हमें जरूर खाना चाहिए।

तुलसी और अदरक की चाय

सर्दियों में तुलसी और अदरक की चाय शरीर को गर्म रखने का बेहतरीन तरीका है। दिनभर में आप ज्यादा नहीं, तो जितनी बार भी चाय पीएं, तुलसी और अदरक जरूर मिलाएं। यह बहुत फायदा पहुंचाती है।

सर्दियों में न खाएं केला

वैसे तो केला बहुत ही हेल्दी फ्रूट है, लेकिन सर्दियों में यह फल खाने से बचना चाहिए। केले की तासीर ठंडी होती है, जो कफ को बढ़ाती है। सर्दियों में वैसे भी कफ बढ़ा हुआ रहता है, ऐसे सर्दियों में न खाएं केला में अगर हम जल्दी सुबह या शाम के समय केला खाते हैं, तो यह हमारे कफ को बढ़ाकर बलगम का उत्पादन कर सकता है। इसलिए अगर आप केला खाना ही चाहते हैं, तो दोपहर का समय सबसे अच्छा है।

अगहन को क्यों कहते हैं मार्गशीर्ष

भगवान कृष्ण को प्रसन्न करने के लिए इस महीने जरूर करें ये काम

अगहन (मार्गशीर्ष) की पूर्णिमा को चन्द्रमा की अवश्य ही पूजा करनी चाहिए क्योंकि इसी दिन चन्द्रमा को सुधा के द्वारा सिंचित किया गया था. इस दिन माता, बहिन, पुत्री और परिवार की अन्य स्त्रियों को वस्त्र प्रदान कर सम्मानित करना चाहिए। हिन्दू पंचांग के अनुसार वर्ष का 9वां महीना अगहन कहलाता है। अगहन मास को मार्गशीर्ष के नाम से भी जाना जाता है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगहन मास को मार्गशीर्ष क्यों कहा जाता है? आज हम यहां आपको इस सवाल का जवाब ही देने जा रहे हैं कि अहगन मास को मार्गशीर्ष क्यों कहा जाता है।

हिंदू पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष मास को अगहन मास भी कहा जाता है. वैसे तो हिंदू धर्म में हर माह की अपनी विशेषताएं है लेकिन मार्गशीर्ष का सम्पूर्ण मास धार्मिक दृष्टि से पवित्र माना जाता है। अगहन मास को मार्गशीर्ष कहने के पीछे कई तर्क बताए गए हैं। भगवान श्रीकृष्ण की पूजा अनेक स्वरूपों में व अनेक नामों से की जाती है. इन्हीं स्वरूपों में से एक मार्गशीर्ष भी श्रीकृष्ण का ही एक रूप है।

गीता में स्वयं भगवान ने कहा है- मासाना मार्गशीर्षोऽयम्

भगवान श्री कृष्ण ने गोपियों को भी मार्गशीर्ष मास के महत्व के बारे में बताया था. उन्होंने कहा था कि मार्गशीर्ष माह में यमुना स्नान से मैं सहज ही सभी को प्राप्त हो जाऊंगा. कहा जाता है कि इसी के बाद से इस महीने पवित्र नदियों में स्नान करने का विशेष महत्व माना जाता है। मार्गशीर्ष के दौरान तुलसी की जड़ की मिट्टी और तुलसी के पत्तों से नदी में स्नान करना चाहिए। स्नान के समय ॐ नमो नारायणाय का जप या गायत्री मंत्र का स्मरण अवश्य करना चाहिए।

मृगशिरा नक्षत्र में पड़ती है अगहन की पूर्णिमा

हिन्दू धर्म शास्त्रों में कहा गया है कि इस माह का संबंध मृगशिरा नक्षत्र से है. पंचांग के अनुसार 27 नक्षत्र होते हैं, जिसमें से एक मृगशिरा नक्षत्र भी है. इस महीने में आने वाली पूर्णिमा तिथि मृगशिरा नक्षत्र में होती है। इसी कारण इस मास को अगहन मास के साथ-साथ मार्गशीर्ष मास के नाम से भी जाना जाता है. श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार, भगवान श्री कृष्ण ने भी कहा था कि सभी माह में मार्गशीर्ष स्वयं मैं ही हूं. मार्गशीर्ष माह में श्रद्धा और भक्ति से प्राप्त पुण्य के बल पर हमें सभी सुखों की प्राप्ति होती है. इस माह में नदियों में स्नान करने के साथ-साथ दान-पुण्य का भी विशेष महत्व माना गया है।

देवों ने मार्गशीर्ष मास से ही प्रारंभ किया था नया वर्ष

सतयुग में देवों ने मार्गशीर्ष मास की प्रथम तिथि को ही वर्ष प्रारंभ किया गया था. इसी मास में कश्यप ऋषि ने सुन्दर कश्मीर प्रदेश की रचना की थी. इसी मास में महोत्सवों का आयोजन होता है जो यह अत्यंत शुभ होता है। अगहन (मार्गशीर्ष) शुक्ल तिथि 12 को उपवास प्रारम्भ कर प्रति मास की द्वादशी को उपवास करते हुए कार्तिक की द्वादशी को पूरा करते हैं, जो बहुत शुभ होता है। प्रति द्वादशी को भगवान विष्णु के केशव से दामोदर तक 12 नामों में से एक-एक मास तक उनका पूजन करना चाहिए। इससे पूजक 'जातिस्मर' पूर्व जन्म की घटनाओं को स्मरण रखने वाला हो जाता है तथा उस लोक को पहुंच जाता है, जहां फिर से जगत में पुनः लौटने की आवश्यकता नहीं होती है।

अगहन की पूर्णिमा को अवश्य करें चंद्रमा की पूजा

अगहन (मार्गशीर्ष) की पूर्णिमा को चन्द्रमा की अवश्य ही पूजा करनी चाहिए क्योंकि इसी दिन चन्द्रमा को सुधा के द्वारा सिंचित किया गया था। इस दिन माता, बहिन, पुत्री और परिवार की अन्य स्त्रियों को वस्त्र प्रदान कर सम्मानित करना चाहिए। इस मास में विभिन्न प्रकार के नृत्य-गीतादि का आयोजन कर उत्सव भी किया जाना चाहिए। अगहन (मार्गशीर्ष) की पूर्णिमा को ही 'दत्तात्रेय जयन्ती' मनाई जाती है. इस माह में इन 3 पवित्र पाठ की बहुत महिमा बताई गई है जिनमें विष्णुसहस्त्र नाम, श्रीमद्भगवद्गीता और गजेन्द्रमोक्ष हैं। इन्हें अगहन मास के दिनों में 2-3 बार अवश्य पढ़ना चाहिए।

श्रीमद्भगवद्गीता के दर्शन की विशेष महिमा कही

इस मास में श्रीमद्भगवद्गीता ग्रन्थ के प्रतिदिन दर्शन करने की विशेष महिमा है. स्कन्द पुराण में लिखा है- घर में यदि भागवत हो तो अगहन मास में दिन में एक बार उसको प्रणाम अवश्य करना चाहिए। अगहन मास में अपने गुरु को, इष्ट को ॐ दामोदराय नमः मंत्र कहते हुए प्रणाम करने से जीवन में आने वाले सभी कष्ट कट जाते हैं. अगहन मास में शंख में पवित्र तीर्थ का जल भरें और घर में जो पूजा का स्थान है उसमें भगवान के ऊपर से शंख मंत्रः- त्वं पुरा सागरोत्पन्नो विष्णुना विधृतः करें. निर्मितः सर्वदेवैश्च पाञ्चजन्य नमोस्तुते .. जपते हुए घुमाएं, बाद में इस जल से पूरे घर में छीटें मार दें। इससे घर में शुद्धि बढ़ती है, शांति आती है और क्लेश दूर होते हैं।

विदेशों में कहां-कहां है भगवान श्री गणेश की प्रतिमा

अमेरिका के प्रमुख गणेश मंदिर

- फ्लोरिडा स्थित गुजरात समाज हिन्दू मंदिर।
- एरिजोना के फीनिक्स शहर स्थित महागणपति मंदिर।
- ऊटाह की सॉल्टलेक सिटी स्थित श्री गणेश मंदिर।
- सीएटेल स्थित श्री गणेश मंदिर।
- अलास्का स्थित श्री गणेश मंदिर।
- उत्तरी टेक्सास स्थित श्री गणेश मंदिर।
- कैलीफोर्निया के सेंट जोज स्थित वैदिका विद्या गणपति मंदिर।

श्रीलंका के गणेश मंदिर

- नल्लूर स्थित कैलाश पिल्लईयर मंदिर।
- चुलीपुरम स्थित कन्नईकोठीकक्कई पिल्लईयर मंदिर।
- इनूवी स्थित करुणाकर पिल्लईयर मंदिर।
- कोलंबो स्थित श्री मुथु विनायक मंदिर।
- नीरवेली स्थित अरासकेसरी पिल्लईयर मंदिर।
- मुरुकंडी स्थित पिल्लईयर मंदिर।

नेपाल के गणेश मंदिर

- काठमांडू स्थित अशोक विनायक, चन्द्र विनायक मंदिर।
- चोबर स्थित जल विनायक मंदिर।
- बुंगामाटी स्थित कर्ण विनायक मंदिर।
- जनकपुर स्थित सिद्ध गणेश मंदिर।
- फुलहारा स्थित गिरजा गणेश मंदिर।
- गोरखा स्थित विजय गणपति मंदिर।
- भक्तपुर स्थित सूर्य विनायक मंदिर।

सिंगापुर के गणेश मंदिर

- 19 सेलॉन रोड स्थित श्री सेगपंग विनायक मंदिर।
- 78 केओंग सिआक रोड स्थित श्री विनायक मंदिर।

कनाडा के प्रमुख गणेश मंदिर

- टोरंटो स्थित मुथु विनयागर कोविल मंदिर।
- टोरंटो स्थित रिचमंड हिल गणेश मंदिर।
- ब्रैंपटन स्थित श्री कटपक विनयागर रोविल मंदिर।
- एडमॉनटन स्थित श्री महागणपति मंदिर।

मलेशिया के गणेश मंदिर

- कोट्टूमलाई स्थित श्री गणेश मंदिर।
- जलान पुडु लामा स्थित श्री गणेशन मंदिर।
- इपोह स्थित श्री महागणपति मंदिर।
- इपोह स्थित श्री परमज्योति विनायक मंदिर।

नॉर्वे का गणेश मंदिर

- ट्रोंडेम स्थित गणेश हिन्दू मंदिर।

फ्रांस का गणेश मंदिर

- पेरिस स्थित श्री मणिकविनयकर आलयम मंदिर।

इंग्लैंड के गणेश मंदिर

- लंदन स्थित श्री गणपति मंदिर।

- विंबलडन स्थित गणपति मंदिर।
- थॉर्नटन स्थित श्री शक्ति गणपति मंदिर।

दक्षिण अफ्रीका के गणेश मंदिर

- डर्बन स्थित सिद्धिविनायक मंदिर। • लेडीस्मिथ स्थित गणेश मंदिर। • माउंट एजकोंब स्थित गणेश मंदिर।

ऑस्ट्रेलिया के गणेश मंदिर • ब्रिस्बेन स्थित श्री सेवा विनायक मंदिर।

- अडेलाएड स्थित गणेश मंदिर।
- मेलबोर्न स्थित श्री वक्रतुंड विनायक मंदिर।

कंबोडिया का गणेश मंदिर

- कंडाला स्थित पद्मासन गणेश मंदिर।

जर्मनी के गणेश मंदिर

- हैम स्थित सिद्धिविनायक मंदिर।
- हेलबॉर्न स्थित विनायक मंदिर।

पैरों में रहता है दर्द तो इन घरेलू उपायों का अपनाएं, जल्द मिलेगा आराम

पैर और पैर की मांसपेशियों में दर्द से राहत दिलाने में सेब का सिरका बहुत लाभकारी है। आपको दो चम्मच सिरके में शहद मिलाकर खाली पेट लेना है, ऐसा करने से दर्द में राहत मिलेगी। साथ ही आप सीधे तौर पर दर्द से प्रभावित हिस्से पर लगा भी सकते हैं।

आज के समय में ज्यादा पैदल चलने या बहुत अधिक देर तक खड़े रहने से लोगों के पैर और पैर की मांसपेशियों में दर्द होना शुरू हो जाता है। पैरों में होने वाला दर्द अधिकतर रात के समय में अधिक परेशान करता है, जिस कारण से रात में सोना मुश्किल हो जाता है। यदि इस समस्या का समय पर निदान न किया जाए तो यह समस्या आगे चलकर एक गंभीर परेशानी को पैदा कर देती है। कुछ लोग तो पेन किलर दवाओं का सेवन करने लगते हैं जो उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं है। ऐसे में हम आपको बताते हैं कि आप इन घरेलू उपायों को आजमाकर पैर और पैर की मांसपेशियों में होने वाले इस दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।

सरसों का तेल दर्द में सहायक

पैर दर्द में आप सरसों के तेल की मालिश कर सकते हैं जिससे आपको बहुत लाभ मिलेगा। पैरों में होने वाले दर्द से आपको जल्दी ही छुटकारा मिलेगा। यह घरेलु नुस्खा सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाता है।

गर्म पानी

पैर की मांसपेशियों और पैर के दर्द में गर्म पानी बहुत सहायक हैं। आप गर्म पानी में नमक डालकर अपने पैरों को डुबोकर बैठ जाएं। इस प्रक्रिया के करने से आपको दर्द में बहुत राहत मिलेगी। यह एक बेहतरीन प्राकृतिक नुस्खा है।

मेथी का प्रयोग

मेथी भी दर्द से राहत देने में कारगर है। आप एक चम्मच मेथी रात को भिगोकर रख दें और उसे सुबह में खा लें। ऐसा करने से आपको पैर की मांसपेशियों और पैर दर्द में काफी राहत मिलेगी।

हल्दी

हल्दी में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो आपके पैर की मांसपेशियों और पैर दर्द में राहत दिलाने में सहायक होते हैं। हल्दी को गर्म दूध में मिलाकर पीने से भी दर्द में आराम महसूस होता है इसके साथ-साथ आप पैरों पर हल्दी का लेप भी लगा सकते हैं।

सेब का सिरका

पैर और पैर की मांसपेशियों में दर्द से राहत दिलाने में सेब का सिरका बहुत लाभकारी है। आपको दो चम्मच सिरके में शहद मिलाकर खाली पेट लेना है, ऐसा करने से दर्द में राहत मिलेगी। साथ ही आप सीधे तौर पर इसे दर्द से प्रभावित हिस्से पर लगा भी सकते हैं। आप टब में एप्पल विनेगर की कुछ बूंदे मिलाकर इसमें पैर डुबोकर भी बैठ सकते हैं।

बालों का रखें ख्याल

मेथी में थोड़ा सा पानी डालकर भीगने दें। कुछ भीगे हुए मेथी के बीजों को पीसकर अपने बालों पर लगाएं। धोने से पहले इसे 45 मिनट तक रहने दें। मेथी में मौजूद हार्मोन एंटीसेडेंट बालों को मजबूत बनाते हैं और क्षतिग्रस्त बालों के रोम की मरम्मत करते हैं। जिस तरह हमारी स्किन को अतिरिक्त केयर की जरूरत होती है, ठीक उसी तरह बाल भी थोड़ा ध्यान और केयर चाहते हैं। खासतौर से, वर्तमान में जब पॉल्यूशन, तनाव, खानपान की गलत आदतों व केमिकल युक्त हेयर प्रॉडक्ट्स का इस्तेमाल काफी अधिक किया जाने लगा है, तो ऐसे में बालों को काफी नुकसान होता है। हालांकि अपने हेयर्स का ख्याल रखने के लिए जरूरी नहीं है कि आप मार्केट जाकर कई तरह के हेयर केयर प्रॉडक्ट खरीदें। दरअसल, आपकी किचन में ही ऐसी कई सामग्री मौजूद हैं, जो बालों की हर समस्या को दूर करने में मददगार है।

आंवला : हेयर केयर एक्सपर्ट कहते हैं कि आंवला में एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। इसके एक्सफोलिएटिंग और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण हेयर ग्रोथ में मदद करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए आप नींबू के रस के साथ एक चम्मच आंवला का रस मिलाएं, इस मिश्रण को अपने स्कैल्प पर लगाएं और कवर करें। रात भर के लिए इसे ऐसे ही रहने दें। सुबह बालों में नार्मल शैम्पू करें।

मेथी: मेथी में थोड़ा सा पानी डालकर भीगने दें। कुछ भीगे हुए मेथी के बीजों को पीसकर अपने बालों पर लगाएं। धोने से पहले इसे 45 मिनट तक रहने दें। मेथी में मौजूद हार्मोन एंटीसेडेंट बालों को मजबूत बनाते हैं और क्षतिग्रस्त बालों के रोम की मरम्मत करते हैं। इसे इस्तेमाल करने वाले व्यक्तियों का अनुभव है कि यह बालों के लिए एक बेहतरीन पैक है।

बच्चों को खांसी जुकाम हो तो घर पर बनाएं काढा

बच्चों को खांसी जुकाम हो तो घर पर बनाएं काढा और करें इलाजइस समय मौसम का कोई भरोसा नहीं है, ऊपर से कोरोना वायरस भी फैल रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो इस समय इम्यूनिटी मजबूत होना बहुत जरूरी है लेकिन यहां एक बात को समझें कि बच्चों की इम्यूनिटी बहुत कमजोर होती है। इसलिए इस समय उनके स्वास्थ्य को लेकर अधिक सजग रहना बहुत जरूरी है। बच्चों में सर्दी जुकाम या खांसी होने पर दवाओं की बजाय घरेलू नुस्खों या काढे का इस्तेमाल करना चाहिए। यहां हम आपको घर पर काढा बनाने की विधि के बारे में बता रहे हैं। ये काढा बच्चों में खांसी और जुकाम का इलाज करने में असरकारी है।

तुलसी काढा

तुलसी की चार पत्तियों, एक चम्मच काली मिर्च, अदरक का एक छोटा टुकडा और शहद स्वादानुसार। तुलसी की पत्तियों , काली मिर्च और अदरक को एक कटोरी में एक साथ पीस लें। इसे एक कप पानी में उबालें और फिर शहद मिलाकर बच्चे को दें।

दालचीनी का काढा

दालचीनी की दो छोटी स्टिक और तीन लौंग एवं शहद स्वादानुसार। दालचीनी का काढा बनाने के लिए कप पानी में आधा चम्मच दालचीनी के पाउडर को लौंग के साथ उबालें। इसमें शहद मिलाकर बच्चों को पिलाएं। इस काढे से बच्चों में सर्दी जुकाम ठीक होगा।

घी और अदरक का काढा

आधा चम्मच घी, एक चुटकी काली मिर्च और अदरक का छोटा टुकडा, तुलसी की चार पत्तियां और चीनी।

एक पैन लें और उसे गैस पर रख कर उसमें थोडा घी डालें। घी गर्म होने पर काली मिर्च, अदरक और तुलसी को कूटकर डाल दें। अब दो कप पानी और तीन चम्मच चीनी डालकर पानी को उबाल लें। आपका काढा तैयार है।

सौंफ का काढा

आधा चम्मच सौंफ, अदरक का एक छोटा टुकडा, पांच लौंग, पांच तुलसी की पत्तियां और चीनी की जरूरत होगी। दो कप पानी को सौंफ के साथ उबालें और इसमें लौंग और चार चम्मच चीनी डालें। पानी के उबलने पर अदरक और तुलसी के पत्तों को मसल कर डालें और पानी उबाल लें।

मोटी इलायची का काढा

इस काढे को बनाने के लिए चार मोटी इलायची, आधा चम्मच जीरा, एक चौथाई चम्मच अजवायन, एक दालचीनी की स्टिक, एक चुटकी हल्दी पाउडर, चार तुलसी की पत्तियां चाहिए। दो कप पानी में मोटी इलायची, जीरा, अजवायन, दालचीनी और हल्दी पाउडर डालकर उबालें। पानी के उबलने पर उसमें तुलसी की पत्तियां डालें और फिर कुछ मिनट तक उबालें।

क्यों होते है पेट में कीड़े

छोटे बच्चे अक्सर मिट्टी या गंदे हाथ मुंह में डाल लेते हैं या फिर गंदे कपड़े पहनने और शरीर की सही सफाई न करने से उनके पेट में कीड़े हो सकते हैं। बड़ों में यह समस्या दूषित भोजन या पानी के कारण होती है। पेट के कीड़े आंतों में जाकर खून चूसते हैं जिससे संक्रमण गंभीर हो सकता है। पेट में कीड़े होने की समस्या आमतौर पर बच्चों को अधिक होती है, लेकिन यह समस्या बड़ों को भी हो सकती है। चूकि पेट में कीड़े होने पर हमेशा लक्षण नहीं दिखते हैं, इसलिए समय पर इसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि पेट के कीड़ों की समस्या का पता यदि शुरुआत स्तर पर ही लग जाए तो कुछ घरेलू उपाय के जरिए इसे दूर किया जा सकता है।

पेट में कीड़े क्यों होते हैं?

चिकित्सकों के अनुसार, छोटे बच्चे अक्सर मिट्टी या गंदे हाथ मुंह में डाल लेते हैं या फिर गंदे कपड़े पहनने और शरीर की सही सफाई न करने से उनके पेट में कीड़े हो सकते हैं। बड़ों में यह समस्या दूषित भोजन या पानी के कारण होती है। पेट के कीड़े आंतों में जाकर खून चूसते हैं जिससे संक्रमण गंभीर हो सकता है। पेट के कीड़े होने पर बच्चे जो भी खाते-पीते है वह शरीर में नहीं लगता है।

पेट के कीड़ों का घरेलू उपचार

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, पेट में कीड़े होने पर आप कुछ घरेलू तरीके अपनाकर इससे छुटकारा पा सकते हैं।

- पेट के कीड़ों से बचने के लिए सबसे जरूरी है हाइजीन का ध्यान रखना। खाने पहले और बच्चों को कुछ खिलाने से पहले अपने हाथ अच्छी तरह से धो लें। बच्चे को मुंह में हाथ डालने से रोके और बार-बार हाथ धुलाते रहें।
- बड़ों को सड़क किनारे मिलने वाला खुला भोजन और कटे फल नहीं खाने चाहिए। घर में भी खाना हमेशा ढंककर रखें।
- बच्चों को आप आधा चम्मच प्याज का रस भी 2-3 दिन तक पिला सकते हैं, इससे भी कीड़े खत्म हो जाते हैं।
- पेट में कीड़े होने पर आधा चम्मच हल्दी को तवे पर सूखा भूनकर रात को सोने से पहले पानी के साथ खाएं।
- लौंग के पानी में थोड़ा सा शहद मिलाकर पीने से भी कीड़े मर जाते हैं।
- छाछ में नमक और कालीमिर्च का पाउडर डालकर चार दिनों तक लगातर पिएं।
- लहसुन को पीसकर उसमें थोड़ा सा सेंधा नमक डालकर सुबह-शाम थोड़ा-थोड़ा खाएं।
- पेट में कीड़े होने पर कुकिंग के लिए नारियल का तेल इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है।

शालीन के चिकन की रट से परेशान हुए सलमान खान

एपिसोड में जमकर लगाई क्लास

टी वी के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस के नए सीजन में यूं तो दर्शकों को हर दिन धमाके और हंगामे देखने को मिल रहे हैं। लेकिन सभी को बेसब्री से वीकएंड एपिसोड का इंतजार रहता है। जहां शो के होस्ट

सलमान खान हफ्ते भर हुई सभी हरकतों का हिसाब-किताब करने सभी कंटेस्टेंट से रूबरू होते हैं। इसी क्रम में शुक्रवार को अभिनेता एक बार फिर वीकएंड का वार लेकर घरवालों और दर्शकों के सामने पेश हुए। इस दौरान सलमान ने अपने चिर-परिचित अंदाज में घर के सदस्यों की जमकर क्लास लगाई।

शुक्रवार को प्रसारित हुए वीकएंड एपिसोड में सलमान के रडार पर शालीन भनोट रहे। दरअसल, शालीन बीते कई समय से लगातार चिकन की अपनी रेट की वजह से बिग बॉस और घरवालों के निशाने पर है। लेकिन अब सलमान खान ने भी शालीन को उनकी इस हरकत के लिए फटकार लगाई। शालीन से बात करते हुए सलमान ने कहा कि तुम्हारी चिकन की इस रट से पूरा देश परेशान हो चुका है और कई लोगों ने तो इस वजह से चिकन खाना तक छोड़ दिया है।

सलमान ने शालीन को यह भी बताया कि बाहर ऐसे जोक्स चल रहे हैं कि लोग चिकन खाने होटल और रेस्टोरेंट जाते हैं, लेकिन शालीन भनोट चिकन के लिए बिग बॉस गया है। शालीन को डांटते हुए सलमान ने कहा आप का चिकन, चिकन, चिकन इतना हो गया है। टास्क शुरू होने से पहले, रात में सोने से पहले। सलमान ने कहा कि यह फनी नहीं है, बल्कि यह बाहर काफी इरिटेटिंग नजर आ रहा है।

सलमान से मिली फटकार की बाद शालीन उनसे वादा करते हैं कि अब वह चिकन को लेकर बिग बॉस या किसी भी अन्य सदस्य को परेशान नहीं करेंगे। इस दौरान घर के कुछ सदस्य भी सलमान खान की आड़ में शालीन भनोट पर निशाना साधते नजर आए। इसके अलावा सलमान खान ने घर के नए कैप्टेन अब्दुल रॉजिक को कप्तान बनने पर बधाई दी और उन्हें एक सरप्राइज गिफ्ट के तौर पर चॉकलेट से भरा एक डिब्बा दिया, जिसे पाकर अब्दु भी काफी खुश नजर आए।

पलक मुछाल की मेहंदी सेरेमनी, नीले लहंगे में लगीं बेहद खूबसूरत...

मशहूर गायिका पलक मुछाल के प्री-वेडिंग फंक्शन की शुरुआत हो चुकी है। हल्दी के बाद अब पलक के हाथों में पिया के नाम की मेहंदी भी सजने वाली है। गायिका की मेहंदी सेरेमनी का वीडियो भी सामने आ गया है, जिसमें उन्हें चेहरे पर बड़ी सी मुस्कुराहट लिए वेन्यू पर एंट्री करते देखा जा सकता है। वीडियो में पलक के चेहरे पर एक अलग ही खुशी देखी जा सकती है।

पलक मुछाल के मेहंदी सेरेमनी का वीडियो पैपराजी पेज वायरल भयानी से साझा किया गया है। इस खास मौके पर पलक ने स्पेयर ब्लू कलर का लहंगा चुना, जिस पर सिल्वर कलर की खूबसूरत कढ़ाई की गई थी। गले में नेकलेस और माथे पर मांग टीका लगाए मुस्कुराती हुए पलक मुछाल अपनी मेहंदी सेरेमनी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं।

पलक ने अपने जीवन साथी के रूप में संगीतकार मिथुन शर्मा को चुना है। दोनों 6 नवंबर 2022 को विवाह सूत्र में बंधने जा रहे हैं। उनकी शादी की थीम राजस्थानी रखी गई है। पलक मुछाल वैसे तो मूल रूप से इंदौर की हैं, लेकिन उनकी पलक शादी मुंबई में होने जा रही है। जिसमें करीबी रिश्तेदारों से लेकर इंडस्ट्री के दोस्त भी शामिल होंगे।

बात करें पलक के करियर की तो पलक मुछाल ने सिंगिंग की दुनिया में अपनी काबिलियत के दम पर एक अलग मुकाम बनाया है। उनके भाई पलाश मुछाल भी संगीत से ही जुड़े हैं। पलक मुछाल ने बेहद कम उम्र में गाना शुरू कर दिया था। वह महज चार साल की उम्र में ही कल्याणजी-आनंदजी लिटिल स्टार की सदस्य बन गई थीं। पलक के कुछ प्रसिद्ध गानों में एम एस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी का गाना कौन तुझे, रुस्तम का गाना देखा हजारों दफा, आशिकी 2 का गाना चाहूं मैं या न, सनम रे का गाना हुआ है आज पहली बार, गब्बर इज बैक का गाना तेरी मेरी कहानी आदि शामिल हैं।

मरीन ड्राइव पर मस्ती करती दिखीं प्रियंका

भारतीय सिनेमा की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा जोनस पूरे तीन साल बाद स्वदेश लौटी हैं। प्रियंका का मुंबई एयरपोर्ट पर शानदार स्वागत हुआ, जिसके वीडियोज सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। दूसरी तरफ प्रियंका चोपड़ा भी मुंबई आने के बाद लगातार कुछ न कुछ फैंस के बीच शेयर कर रही हैं। इन तस्वीरों के जरिए प्रियंका फैंस के बीच अपनी खुशी जाहिर कर रही हैं। वहीं, अब प्रियंका ने मारीन ड्राइव पर मस्ती की, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर अभिनेत्री ने शेयर किया।

अभिनेत्री ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह काफी खुश नजर आ रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि मरीन ड्राइव पर बाहें फैला कर खड़ी हैं और कैमरे की ओर देखकर मुंह भी चिढ़ा रही हैं। इसके बाद वीडियो में इसी मौके की कुछ तस्वीरों को भी जोड़ा गया, जिसमें अभिनेत्री अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। उन्होंने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'एक पुराने अड्डा पर रुकना भले ही सिर्फ एक मिनट के लिए मुंबई, मैंने तुम्हें मिस किया! अब काम पर वापस।'

इससे पहले प्रियंका चोपड़ा ने अपने फैंस के बीच कुछ फोटोज शेयर की थीं, जो घर की हैं। इन तस्वीरों में प्रियंका ड्रिंक का गिलास हाथ में लिए नजर आई हैं। इन फोटोज प्रियंका का लुक भी काफी अमेजिंग हैं। वह काफी सुंदर लग रही हैं। दोनों तस्वीरों में प्रियंका ने कैमरे से दूसरी ओर देखकर पोज दिया था।

कुछ दिनों पहले ही उन्होंने 'सिटाडेल' की शूटिंग खत्म की है, जो उनकी डेब्यू वेब सीरीज है और जल्द ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। बता दें कि प्रियंका चोपड़ा आने वाले दिनों में कैटरीना कैफ और आलिया भट्ट के साथ फिल्म 'जी ले जरा' में नजर आएंगी। प्रियंका चोपड़ा की आखिरी बॉलीवुड फिल्म 'द व्हाइट टाइगर' थी। वहीं उसके बाद वो हॉलीवुड फिल्म 'द मेट्रिक्स रेसर सेक्शन्स' में नजर आईं थीं।

सुष्मिता सेन ने दी अपनी भाभी को तलाक लेने की सलाह!

राजीव सेन और चारू असोपा इन दिनों काफी बुरे दौर से गुजर रहे हैं। दोनों ने एक-दूसरे को तलाक देने का मन बना लिया है। काफी वक्त से दोनों चर्चा में बने हुए हैं। राजीव और चारू आए दिन एक-दूसरे के ऊपर गंभीर आरोप लगाते रहते हैं। लेकिन इस मामले में अब तक सुष्मिता सेन का कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। खबरों के अनुसार शायद कोई खास वजह से जिस कारण सुष्मिता सेन इस मुद्दे को लेकर कोई बात नहीं करना चाह रही हैं। हालांकि अब चारू असोपा ने इस बात का खुलासा किया है कि सुष्मिता सेन का इसपर क्या रिएक्शन है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चारू का कहना है कि सुष्मिता ने उनको कभी भी शादी को जबरदस्ती चलाने की सलाह नहीं दी है। उन्होंने हमेशा कहा कि जिस चीज में खुशी मिलती हो वही काम करें। चारू का कहना है कि उन्होंने कभी भी अपनी शादी में आई दिक्कतों के लिए सुष्मिता को फोन नहीं किया, लेकिन जब कभी भी सुष्मिता को समय मिलता है तो वह चारू से बातचीत कर लेती हैं।

चारू असोपा ने बताया कि सुष्मिता जब भी कभी उनसे बात करती हैं तो यही कहती हैं कि अगर वह शादी में खुश हों तभी साथ रहें, अन्यथा अलग होने का फैसला ले सकती हैं। एक इंटरव्यू के दौरान चारू ने कहा कि इस बार जब राजीव ने घर छोड़ा था तो किसी को ये नहीं पता था कि वह कहां हैं। पिछली बार भी हमारे बीच रिश्ते खराब हुए थे, लेकिन बाद में चीजें ठीक हो गई थीं, पूरा परिवार खुश था।

चारू का कहना है कि उनको ट्रस्ट इश्यूज हैं। अब इस मामले में चारू ने अपने रिश्ते से मूवऑन करने का फैसला कर लिया है। उन्होंने राजीव पर मारपीट और शक करने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। हालांकि चारू अब मुंबई स्थित दूसरे घर में शिफ्ट हो गई हैं।

25 की उम्र में जाह्नवी कपूर ने खरीदा करोड़ों का घर

बॉलीवुड एक्ट्रेस और मशहूर फिल्म निर्देशक बोनी कपूर की बेटी जाह्नवी कपूर अपने फिल्मी करियर में एक के बाद एक सफलता हासिल करती जा रही हैं। इसी के साथ जाह्नवी बेशुमार दौलत भी कमा रही हैं। हाल ही में इसका एक सबूत तब देखने को मिला जब एक्ट्रेस ने मुंबई के रिहायशी इलाके में अपने लिए एक आलीशान डुप्लेक्स खरीदा। जाह्नवी का यह नया घर बांद्रा के पाली हिल इलाके में स्थित है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो जाह्नवी ने यह डुप्लेक्स 12 अक्तूबर को खरीदा था। यह नया ड्यूप्लेक्स अपार्टमेंट फर्स्ट और सेकंड फ्लोर पर मौजूद है, जो कि 8,669 स्क्वायर फीट बड़ा है और इसकी कुल कीमत 65 करोड़ रुपये बताई जा रही है। जाह्नवी ने इसके लिए 3.90 करोड़ रुपए की स्टांप ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन फीस दी है। इस घर के साथ उन्हें पांच कार पार्किंग एरिया, एक स्विमिंग पूल और खुला गार्डन भी है।

हालांकि जाह्नवी के पिता बोनी कपूर और खुद जाह्नवी कपूर ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। घर के बारे में एक सेलिब्रिटी फोटोग्राफर विरल भियानी ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिये जानकारी साझा की है। बता दें कि जाह्नवी ने इस साल के जुलाई महीने में जुहू स्थित अपना पुराना घर एक्टर राजकुमार राव को बेचा था। 3456 स्क्वायर फीट में फैले इस घर को अभिनेता ने 44 करोड़ रुपये में खरीदा था। तभी से इस बात के कयास लगने शुरू हो गए थे कि जाह्नवी अपने लिए एक नया घर ले सकती हैं।

वर्कफ्रोंट की बात करे तो जाह्नवी कपूर के पास इस समय कई फिल्में हैं, जिन पर वह काम कर रही हैं। जाह्नवी कपूर की फिल्म 'मिली' 4 नवंबर को थिएटर में रिलीज हुई है। फिल्म की कहानी काफी दिलचस्प बताई जा रही है। इसके अलावा जाह्नवी कपूर के पास 'मिस्टर एंड मिसेस माही' और 'बवाल' है। 'बवाल' फिल्म में जाह्नवी कपूर, वरुण धवन संग स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

आए हैं बिहार से' गाने पर मोनालिसा ने किया जबरदस्त डांस

ठुमको पर दिल हार बैठे फैंस

भोजपुरी इंडस्ट्री की सबसे पॉपुलर अभिनेत्रियों में शुमार मोनालिसा इंस्टाग्राम पर खासा सक्रिय रहती हैं और अपनी हर तस्वीर से फैंस का दिल लूट लेती हैं लेकिन इस बार मोनालिसा अपने लुक से नहीं बल्कि ठुमकों से फैंस को दीवाना बना रही हैं। एक्ट्रेस ने एक लेटेस्ट वीडियो साझा किया है, जिसमें उन्हें जबरदस्त डांस करते देखा जा सकता है। फैंस को उनका ये अंदाज काफी पसंद आ रहा है और कमेंट बॉक्स में यूजर्स एक के बाद एक तारीफों के पुल बांधते दिखाई दे रहे हैं।

मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से जो लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है, उसमें वह 'आए हैं बिहार से भैया जी पंजाब में' गाने पर डांस करती दिखाई दे रही हैं। इसी के साथ मोनालिसा अपनी कातिल अदाओं से भी फैंस को घायल करती नजर आ रही हैं। दरअसल मोनालिसा इस वीडियो के जरिए पंजाबी फिल्म 'कुलचे छोले' का प्रमोशन कर रही हैं।

फैंस मोनालिसा का ये लेटेस्ट वीडियो देखने के बाद उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं। एक यूजर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा- जियो भोजपुरिया क्वान। वहीं दूसरे ने लिखा- आय हाय आपकी स्माइल। इसी तरह से अन्य प्रशंसक भी दिल वाले इमोटिकॉन्स के साथ प्यार बरसाते नजर आ रहे हैं।

फिलहाल बात करें फिल्म 'छोले कुलचे' की तो यह 11 नवंबर को रिलीज की जाएगी। सिमरनजीत सिंह द्वारा निर्देशित इस फिल्म में दिल राज ग्रेवाल, जसवंत सिंह राठौरस गुरिंदर मक्का और जन्नत जुबैर मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका के बरिष्ठ संरक्षक और मध्यप्रदेश के गृहमंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा जी के बड़े भ्राता श्री श्रीमन नारायण मिश्रा जी को पत्रिका की समस्त टीम ने दी जन्मदिन की शुभ कामनायें।

हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका अपने नाम के अनूप कार्य कर रही है इसमे आपके संपादक के रूप मे और समस्त टीम के सहयोग से ओर आगे मजबूत हो यही शुभकामनाएं है मेरी साथ ही मैं भी अपने आर्टिकल को इस मासिक पत्रिका मैं देने की सहमति प्रदान करता हूँ। प्रभु आपकी और आपकी सम्पूर्ण टीम की मेहनत से और ऊंचाइयों को स्पर्श करें यही मेरी शुभकामनाएं है । यह मेरे द्वारा साक्षात्कार करते हुए बिशेष विशेष चर्चा मैं श्री संजय विनायक जोशी जी पूर्व राष्ट्रीय संगठन महामंत्री भारतीय जनता पार्टी ने की दिल्ली निज निवास पर।

भारत में एशिया का नवग्रह शक्ति पीठ के रूप मे बन रहा है भव्य मंदिर...

मध्यप्रदेश के डबरा मैं भारत का ही नही बल्कि एशिया का नवग्रह शक्ति पीठ के रूप मे बन रहा है भव्य मंदिर। यह मन्दिर मध्यप्रदेश के गृह मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा जी के द्वारा बनवाया जा रहा है। यह बात चर्चा मैं यह गृह मंत्री डॉक्टर नरोत्तम मिश्रा के बड़े भाई और ट्रस्टी व हमारा देश हमारा अभिमान मासिक पत्रिका के संरक्षक डॉक्टर श्रीमन नारायण मिश्रा जी ने संपादक मनोज चतुर्वेदी से चर्चा मैं की साथ मैं इस मंदिर के इंजीनियर अनिल शर्मा उपस्थित थे।